हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 241, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 17 फरवरी, 2022 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

कांग्रेस की जीरॉक्स कॉपी है आम आदमी पार्टी, एक ने पंजाब को लूटा तो दूसरे ने दिल्ली को : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने संत रविदास जी के दोहे का किया जिक्र, पीएम ने सुनाया पठानकोट का किस्सा

चंडीगढ़। पठानकोट रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम फतेह रैली कर रहे हैं। अपने गुरुओं व संतों की वाणी पर चलकर ही 21वीं सदी का नवां पंजाब बनाएंगे। हम हंसता पंजाब, बसदा पंजाब, नचदा पंजाब, चडदा पंजाब बनाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि लोगों का हौसला और जोश 20 तारीख को भाजपा और एनडीए की जीत तय कर देगा। पीएम ने लोगों से कहा कि आपके दमखम में मुझे विजय नजर आ रही है। पीएम मोदी ने अपने भाषण में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को निशाने पर लिया और कहा कि अगर कांग्रेस असली है, तो आप उसकी जीरॉक्स है...एक ने पंजाब को लूटा तो दूसरा दिल्ली में घोटाले के बाद घोटाले में लिप्त है। 'एक ही थाली के चट्टे बट्टे' होने के बावजूद वे (आप और कांग्रेस) पंजाब में 'नूरा कुश्ती' खेल रहे हैं, एक-दूसरे के खिलाफ होने का नाटक कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यह धरती हरमंदिर साहिब और करतारपुर की है। पंजाब की धरती से सभी गुरुओं को नमन करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि आज संत रविदास जी की जयंती है। यहां आने से पहले मैं दिल्ली में गुरु रविदास विश्राम धाम मंदिर से आशीर्वाद लेकर आया हूं। पंजाब से बड़ी संख्या में लाखों श्रद्धालु उनकी जन्मस्थली बनारस गए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पंजाब के श्रद्धालुओं के लिए जितना मैं और योगी जी कर सकते थे, वह किया है। रेलवे ने दो विशेष ट्रेनें भी चलाई हैं। बनारस के सांसद के नाते यह मेरी जिम्मेदारी बनती है कि मैं आपकी सेवा करूं। आपको जरूरी सुविधाएं मिलें। काशी में संत रविदास मंदिर में हमने बहुत बड़ा लंगर हॉल श्रद्धालुओं को समर्पित किया। पीएम मोदी ने सभी लोगों को संत रविदास जी की जयंती की अनेक-अनेक शुभकामनाएं दी। उन्होंने वाल्मीकि समाज के संतों को भी नमन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पठानकोट रैली में संत रविदास जी के एक दोहे का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने कहा था कि 'ऐसा चाहूं राज मैं, मिले सबन को अन्न, छोट-बड़ो सब सम बसे, रविदास रहे प्रसन्न'। सबका साथ-सबका का विकास मंत्र लेकर चल रही भाजपा भी संत रविदास जी के शब्दों से प्रेरणा लेती है। गरीब का कल्याण ही हमारे लिए सर्वोपरि है।

मुफ्त राशन मुहैया कराना मेरी सेवा- उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में 100 साल की सबसे बड़ी महामारी आई है। मगर भाजपा सरकार ने संत रविदास जी की भावना को प्राथमिकता दी। दुनिया के बड़े-बड़े देशों में गरीबों को हर प्रकार और खाने-पीने की दिक्कत आ रही है। इस महामारी काल में भारत करोड़ों देशवासियों को मुफ्त में राशन उपलब्ध करा रहा है। यह काम करना मेरे लिए पवित्र सेवा का कार्य था। पंजाब में भी लाखों लोगों को मुफ्त राशन मुहैया कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि गांव-गांव जाकर हमारी सरकार ने मुफ्त कोरोना की वैक्सीन उपलब्ध कराई है। करीब 95 फीसदी लोगों को पहली खुराक लग चुकी है। वैक्सीन से लोगों को कोरोना के खिलाफ लड़ने का कवच मिला है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में पठानकोट की पुरानी यात्राओं का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि सभी पुराने लोगों के चेहरे हमारे सामने हैं। साधारण कार्यकर्ता के रूप में कभी दोपहिया से तो कभी ट्रेन से यहां पहुंचता था। कभी दिल्ली से जम्मू जाता था तो पठानकोट के लोग मुझे खाना पहुंचाते थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि माझा की मिट्टी ने मुझे मां जैसे प्यार दिया है। मुझे और भाजपा को जैसे बाकी राज्यों में सेवा करने का अवसर मिला, वैसा मुझे पंजाब में नहीं मिला। पीएम मोदी ने कहा कि पहले पंजाब में भाजपा छोटे दल के रूप में सरकार के साथ किनारे में साथ-साथ चला करते थे। पंजाब की शांति और भले को हमने प्राथमिकता दी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब की जनता से पांच साल सेवा करने का मौका मांगा। विकास का सिलसिला जहां भी भाजपा सरकार में शुरू होता है, वहां जनता भी साथ देती है।

जहां भाजपा आई, वहां से वंशवाद की छुट्टी- पीएम मोदी ने कहा कि जहां एक बार भाजपा के पैर जम जाते हैं तो वहां दिल्ली में बैठकर रिमोट से सरकार चलाने वाले परिवार की छुट्टी हो जाती है। पीएम मोदी ने कहा कि जहां शांति, सुरक्षा और विकास पहुंचता है, वहां से वंशवाद और तुष्टीकरण की भी विदाई हो जाती है।

कांग्रेस पर बोला हमला- पीएम मोदी ने आगे कहा कि पठानकोट और माझा की धरती वीरों की धरती है। यहां के घर-घर के नौजवान सीमा पर तैनात हैं। इसी माझा से गुरुओं ने सिख धर्म को भी विस्तार दिया था। लेकिन सरकार अगर संस्कारों के खिलाफ चलने वालों की हो तो वह विरासत व पहचान को मिटाने में लग जाती है। कांग्रेस ने देश व पंजाब के खिलाफ क्या-क्या कुकृत्य नहीं किया। जब पठानकोट में पाक आर्तकियों ने हमला किया तो कांग्रेस के नेताओं ने हमारी सेना पर शक जताया था।

हमने बोतल में बंद कर दिया सपा, बसपा व कांग्रेस का जिन्न : योगी आदित्यनाथ

हमीरपुर। हमीरपुर की राठ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निशाने पर विपक्ष रहा। उन्होंने नाम लिये बिना कहा कि ये समाजवादी नहीं परिवारवादी तो थे ही वास्तव में ये तमंचावादी भी थे। उन्होंने कहा कि हमने सपा, बसपा और कांग्रेस के जिन्न को बोतल में बंद कर दिया है। ये प्रदेश के विकास के अपशकुन हैं, इन्हें जितना दूर करोगे प्रदेश का विकास भी उतना ही तेज होगा। उन्होंने राठ विधानसभा क्षेत्र के ब्रह्मानंद डिग्री कालेज की जनसभा से वैक्सीन का विरोध करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देने की अपील की और पहले मतदान फिर जलपान का नारा लगवाया।

उन्होंने कहा अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी में विश्वनाथ धाम और चित्रकूट धाम का निर्माण सिर्फ भाजपा की डबल इंजन की सरकार ही करा रही है। क्या ये काम सपा बसपा कांग्रेस करा पाएगी। उन्होंने माघी पूर्णिमा और संत रविदास जी की जयंती की बधाई दी। कहा कि विश्वविद्यालय बनाने के लिए सभी नियम बना दिए गए हैं। ये कोई सपा बसपा की सरकार नहीं है कि कोई लेनदेन हो, यहां पर पूरी पारदर्शी योजनाएं हैं। कहा, पांच साल पहले इस बुंदेलखंड क्षेत्र की क्या स्थिति थी, यहां खनन माफिया, भूमाफिया हावी थे, पेशेवर अपराधी और डकैतों का एक साम्राज्य चलता था। लेकिन, पांच साल के अंदर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2017 में जो कहा था, भारतीय जनता पार्टी ने वो करके दिखाया था। पांच साल पहले बेटियां सुरक्षित नहीं थी, इन पांच वर्षों में हर बेटी अपने आपको को सुरक्षित महसूस कर रही है, बिना भय और आतंक के स्कूल जा सकती है।

पांच साल पहले माफिया और भूमाफिया हावी थे, आज जब मैं यहां स्वामी ब्रह्मानंद जी की पावन स्थली पर आया हूं तो मैं देख रहा था कि यहां के नौजवानों ने बुलडोजर भी सामने खड़ा कर दिया है। ये बुलडोजर विकास का प्रतीक भी है और माफिया की छाती पर उनकी अनैतिक कमाई पर चढ़ाने का प्रतीक भी है। यही आश्वासन देने आया हूं कि अगर हमने सुरक्षा का बेहतर माहौल दिया, बुंदेलखंड के विकास की योजनाओं को आगे बढ़ाया है, जिस बुंदेलखंड में लोग कहते थे पानी नहीं आज हम हर घर पानी लेकर आ गए हैं। हर गांव और हर घर पेयजल की स्कीम बन गई है। अर्जुल सहायक परियोजना से पांच जनपद सीधे से लाभान्वित होने वाले हैं और अब केन-बेतवा लिंक परियोजना पर काम हो रहा है। इसका पानी हमीरपुर लाने के लिए भी योजना बनाने को कहा है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे और डिफेंस कॉरीडोर पर काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी और परिवारवादी नहीं थे, वास्तव में ये तमंचावादी भी थे। इन्होंने बुंदेलखंड में हर क्षेत्र में तमंचा फैक्ट्री लगाने का कार्य किया था, इन्होंने नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ करने का काम किया था।

मशहूर संगीतकार बप्पी लहरी का निधन, गृह मंत्री अमित शाह समेत अन्य नेताओं ने जताया दुख

नई दिल्ली। एक बार फिर देश की संगीत दुनिया सुनी हो गई है। स्वर कोकिला लता मंगेशकर के जाने के बाद, बालिवुड के मशहूर गायक और म्यूजिक कंपोजर बप्पी लहिरी का निधन हो गया है। बता दें

कि वह 69 वर्ष के थे। उन्होंने अपनी आखिरी सांसें मुंबई के अस्पताल में ली। बप्पी दा ने 80-90 के दशक के ढेरों गाने गाए हैं और आज भी उनके कई गानों पर लोगों के पैर थिरकने लगते हैं। उनके निधन से हर कोई शोक में है। वहीं देश के गृह मंत्री अमित शाह समेत अन्य नेताओं ने अपना दुख व्यक्त किया है।

मशहूर संगीतकार बप्पी लहरी के निधन पर गृह मंत्री अमित शाह ने अपना दुख व्यक्त किया उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर कहा, 'महान गायक और संगीतकार बप्पी लाहिड़ी जी के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। उनके निधन से भारतीय संगीत की दुनिया में एक बड़ा खालीपन आ गया है। बप्पी दा को उनके बहुमुखी गायन और जीवंत स्वभाव के लिए याद किया जाएगा। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं।'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर कहा, 'सुप्रसिद्ध संगीतकार बप्पी लहरी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उन्होंने अनेक गीतों को अपने धुनों से सजाया। वे संगीत की बारीक और गहरी समझ रखते थे। बप्पीदा सामाजिक सरोकारों के प्रति भी हमेशा जागरूक रहे। दुःख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं।ॐ शांति!'

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, 'मशहूर गायक एवं संगीतकार श्री बप्पी लहरी जी के निधन का दुखद समाचार मिला। बप्पी दा का जाना संगीत की दुनिया के लिए एक बड़ी क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं परिजनों और उनके चाहने वालों को ये दुख सहन करने की शक्ति दें।'

एनएसए अजीत डोभाल के घर में संदिग्ध शख्स ने की घुसने की कोशिश, हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के दिल्ली स्थित आवास में एक अज्ञात शख्स ने घुसने की कोशिश की है। हालांकि, कड़ी सुरक्षा के चलते आरोपी शख्स अजीत डोभाल के घर में घुसने में सफल नहीं हो पाया। मौके पर मुस्तैद सुरक्षाबलों ने आरोपी शख्स को रोका और उसे हिरासत में ले लिया। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि आरोपी शख्स से फिलहाल पूछताछ की जा रही है। आरोपी कर्नाटक का रहने वाला बताया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि प्राथमिक जांच के अनुसार वह व्यक्ति मानसिक रूप से विक्षिप्त है। व्यक्ति किराए की कार चला रहा था।

इंडिया के जेम्स बांड के नाम से मशहूर हैं डोभाल- उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में जन्मे एनएसए अजीत डोभाल मोदी सरकार में सबसे शक्तिशाली नौकरशाह हैं। अजीत डोभाल केरल कैडर के आइपीएस अधिकारी हैं। साल 2005 में डोभाल इंटेलीजेंस ब्यूरो (आइबी) के डायरेक्टर पद से रिटायर हुए थे। डोभाल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का करीबी बताया जाता है। डोभाल को इंडिया का जेम्स बांड भी कहा जाता है।

सोशल मीडिया की दिग्गज टेक कंपनियों को जवाबदेह बनाने की कवायद तेज, जल्द पेश होगा डाटा संरक्षण विधेयक

मुंबई। देश की केंद्र सरकार डाटा संरक्षण के लिए विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। यह जानकारी बुधवार को केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने दी। उन्होंने बताया कि विधेयक पेश करने की तैयारी है, लेकिन आशंका है कि बिल का लेखा जोखा तैयार करने में कुछ देरी हो सकती है। क्योंकि सरकार की मंशा है कि यह बिल हर तरह से पुख्ता हो। ताकि बाद में संशोधन की जरूरत नहीं रहे। इस दौरान मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने फेसबुक और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों को समाज के प्रति जवाबदेह बनाने की बात भी कही। उन्होंने वैश्विक समन्वय का आह्वान करते हुए इस बात पर जोर दिया कि किसी भी देश के द्वारा जवाबदेही तय किए जाने को एंटी-फ्री स्पीच के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। मंत्री द्वारा यह टिप्पणी यूट्यूब, ट्विटर और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया

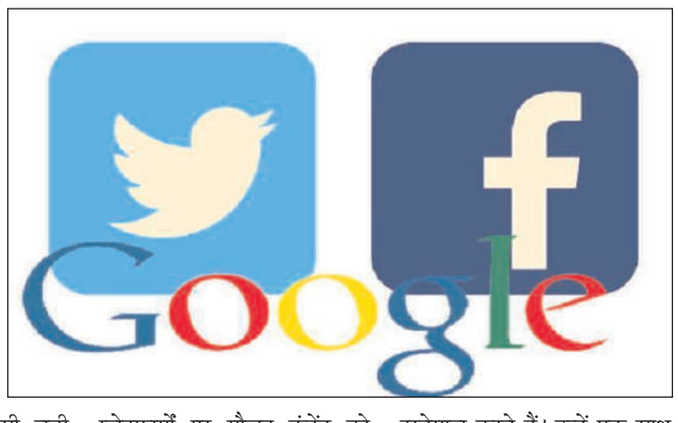

प्लेटफार्मों पर मौजूद कंटेंट को लेकर सरकार द्वारा आप्ति जाताने के बीच आई है। चंद्रशेखर ने एक आईटी कंपनी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा कि, यदी हम दिग्गज टेक कंपनियों को समाज के प्रति और अधिक जिम्मेदार बनाना चाहते हैं। तो सभी देशों को एक साथ मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि वो लोकतांत्रिक देश जो स्वतंत्र तौर से इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें एक साथ आने की जरूरत है। इससे इंटरनेट के क्षेत्र में साइबर अपराध और साइबर सुरक्षा जैसे पहलुओं पर और अधिक काम करने में सहुलियत होगी।

लेफ्टिनेंट जनरल सी बंसी पोनप्पा ने आज थल सेनाध्यक्ष के रुप में पदभार संभाला

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल चन्नीरा बंसी पोनप्पा ने आज भारतीय सेना के डिप्टी चीफ आफ आर्मी स्टाफ के रुप में पदभार संभाला। उनके नए पद ग्रहण की जानकारी भारतीय सेना ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से दी। पोस्ट में लिखा गया कि

लेफ्टिनेंट जनरल को प्रतिष्ठित वज्र सेना (एएनआइ) की कमान संभालने का गौरव प्राप्त है। आपको बता दें कि 2012 में, पोनप्पा को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के हिस्से के रुप में गोमा भेजा गया था। उन्हें मोनास्को नार्थ कीवी ब्रिगेड और ब्रिगेडियर जनरल का कमांडर भी नियुक्त किया गया जा चुका है। यही नहीं लेफ्टिनेंट जनरल पोनप्पा सी बंसी पोनप्पा ने ब्राजील में लेफ्टिनेंट जनरल कार्लोस अल्बर्टो डास सैंटोस क्रूज के साथ भी काम किया है। साथ ही मार्च 2013 में, वह भारत के लेफ्टिनेंट जनरल चंद्र प्रकाश के बाद MONUSCO के फोर्स कमांडर बने थे। लेफ्टिनेंट जनरल बंसी पोनप्पा ने अपने सामने जीवन में ढेरों कीर्तिमान रचे हैं, साथ ही उन्हें विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल बंसी पोनप्पा के निजी जिंदगी की बात करें तो, वें विराजपेट तालुक में बिट्टंगला के पास नंगला गांव के रहने वाले हैं और चन्नीरा पोनप्पा और मीरा के पुत्र हैं। उनका विवाह नित्या मेडप्पा से हुआ है। उनके दो बच्चे हैं, जिसमें बेटा निशांत एक अधिकारी के रुप में भारतीय नौसेना में सेवारत है और बेटी सुनैना बेंगलुरु में पढ़ाई कर रही है।

हिजाब पर सवाल तो चूड़ी और क्रॉस को छूट क्यों? कर्नाटक हाई कोर्ट में उठा सवाल

बेंगलुरु। हिजाब विवाद को लेकर कर्नाटक हाई कोर्ट में छठे दिन सुनवाई के दौरान मुस्लिम छात्राओं का पक्ष रख रहे वकील ने पक्षपात का आरोप लगाया। वकील ने कहा कि आखिर सरकार अकेले हिजाब को ही क्यों मुद्दा बना रही है। उन्होंने कहा कि स्कूल और कॉलेजों में हिंदू लड़कियां चूड़ी पहनती हैं, जबकि ईसाई लड़कियां क्रॉस पहनती हैं। आखिर उन्हें क्यों नहीं संस्थानों से बाहर भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी आदेश में किसी अन्य धार्मिक प्रतीक की बात नहीं की गई है। आखिर हिजाब ही क्यों? क्या यह उनके मजहब के चलते ही नहीं है। मुस्लिम लड़कियों से भेदभाव पूरी तरह मजहब पर ही आधारित है।

'नियम बदलने से एक साल पहले देनी थी परिजनों को जानकारी'- हिजाब की मांग करने वाली छात्राओं की ओर से पेश वकील ने कहा कि यदि बैन को लेकर कोई आदेश जारी किया गया है तो उस संबंध में छात्राओं के परिजनों को एक साल पहले ही इसकी जानकारी देनी थी। वकील रविकुमार वर्मा ने एजुकेशन एक्ट का हवाला देते हुए यह बात कही, जिसमें किसी भी नियम के बारे में एक साल पहले बताने का प्रावधान है। इसके साथ ही उन्होंने हाई कोर्ट से कहा कि वह इस मामले की सुनवाई को लेकर टाइम लिमिट तय करे और जल्दी से जल्दी हिजाब विवाद

पर कोई फैसला करे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक एजुकेशन एक्ट में हिजाब पर रोक जैसी किसी चीज का प्रस्ताव नहीं है। हिजाब समर्थक वकील ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि आखिर किन नियम और अथॉरिटी के तहत उसने हिजाब पर रोक लगाई है। ऐसा किसी भी कानून में नहीं है। उन्होंने कहा कि प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज में ड्रेस को लेकर कोई नियम नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह कानून नहीं है बल्कि एक नियमावलि है। इसमें कहा गया है कि प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज में कोई यूनिफॉर्म नहीं है।' उन्होंने कहा कि कॉलेज डिवेलपमेंट काउंसिल इस संबंध में कोई नियम तय करने की अथॉरिटी नहीं है।

भाजपा विधायक के कॉलेज कमिटी के प्रेसिडेंट होने पर सवाल- अधिवक्ता रवि कुमार वर्मा ने उडुपी के भाजपा विधायक के कॉलेज कमिटी के प्रेसिडेंट होने पर भी सवाल उठाया। उन्होने कहा कि एक विधायक जो एक राजनीतिक दल और विचारधारा का प्रतिनिधि है। क्या ऐसे किसी व्यक्ति की छात्रों के हित में काम करने की मंशा पर भरोसा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की समिति का गठन किया जाना लोकतंत्र के लिए बड़ी चिंता की बात है।

भारत-यूक्रेन के बीच उड़ानों की संख्या बढ़ाने पर चर्चा, भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है परिवार

नई दिल्ली। रुस और यूक्रेन के बीच हालात पर भारत लगातार नजर बनाए हुए है। इसी बीच भारत और यूक्रेन के बीच उड़ानों की संख्या बढ़ाए जाने को लेकर नागरिक उड्डयन प्राधिकरण और विभिन्न एयरलाइनों के साथ चर्चा चल रही है। सूत्रों के अनुसार, यूक्रेन में रह रहे भारतीय नागरिकों और भारत में उनके परिवारों के सवालों का जवाब देने के लिए दूतावास के साथ-साथ विदेश मंत्रालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं। आपको बता दें कि कीव में स्थित भारतीय दूतावास ने यूक्रेन में भारतीयों के लिए 15 फरवरी को एडवाइजरी जारी की है। दूतावास पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हुए है। सूत्रों ने बताया कि, हम जानते हैं कि कई भारतीय छात्र इस समय यूक्रेन में हैं और उनके परिवार अपने बच्चों को लेकर चिंतित हैं। सूत्रों ने आगे कहा, यूक्रेन में भारतीय नागरिकों और भारत में उनके परिवारों के सवालों के जवाब देने के लिए दूतावास के साथ-साथ विदेश मंत्रालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं। हाल ही में भारतीय दूतावास द्वारा एक

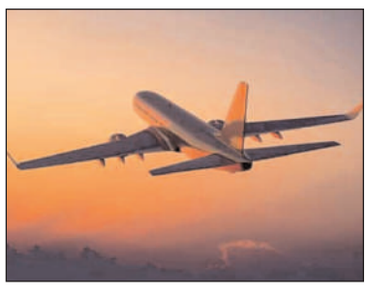

एडवाइजरी जारी की गई थी। जिसमें कहा गया है कि यूक्रेन में रह रहे भारतीय नागरिक, खासतौर से छात्र जिनका रुकना जरूरी नहीं है, वे अस्थायी रूप से निकलने पर विचार कर सकते हैं। भारतीय नागरिकों को यूक्रेन और यूक्रेन के अंदर गैर जरूरी यात्रा से बचने की सलाह भी दी जाती है।

चिंतन मनन

लालू पर शिकंजा

26 साल से कोर्ट में चल रहे देश के बहुचर्चित चारा घोटाले में एक बार फिर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को तगड़ा झटका लगा है। पांचवें और सबसे बड़े मामले डोरंडा केस में भी लालू को सीबीआई की विशेष कोर्ट ने दोषी ठहराया है। उन्हें हिरासत में ले लिया गया है। लालू प्रसाद यादव पर सजा का एलान अब 21 फरवरी को किया जाएगा। 139.5 करोड़ रुपए की अवैध निकासी केस में सजा का ऐलान बाद में होगा। इस मामले में 36 लोगों को 3-3 साल की सजा सुनाई गई है। हालांकि, लालू प्रसाद यादव पर सजा का एलान अब 21 फरवरी को किया जाएगा। यह मामला डोरंडा कोषागार से 139 करोड़ रुपए की अवैध निकासी से जुड़ा है। बिहार की राजनीति से दिल्ली की सियासत में अपना दबदबा रखने वाले लालू चारा घोटाले में ऐसे घिरे कि सियासत में अर्श से फर्श पर आ गए। डोरंडा कोषागार घोटाले में कई चौंकाने वाले मामले सामने आए। जिसमें पशुओं को फर्जी रूप से स्कूटर और मोटरसाइकिल पर ढोने की कहानी शामिल है। मामला 1990-92 के बीच का है। अफसरों और नेताओं ने फजीर्वाड़ा की नई कहानी ही लिख दी। फजीर्वाड़ा कर बताया गया कि 400 सांड़ को हरियाणा और दिल्ली से स्कूटर और मोटरसाइकिल पर रांची तक ढोया गया। यानी घोटाले में जिस गाड़ी नंबर को विभाग ने पशु को लाने के लिए दशार्या था, वे मोटसाइकिल और स्कूटर के नंबर निकले। सीबीआई ने जांच में पयाा कि कई टन पशुचारा, पीली मकई, बादाम, खल्ली, नमक आदि ढोने के लिए स्कूटर, मोटरसाइकिल और मोपेड का नंबर दिया गया था। सीबीआई ने जांच में कहा था कि ये व्यापक षड्यंत्र का मामला है। इसमें राज्य के नेता, कर्मचारी और व्यापारी सब भागीदार थे। इस मामले में बिहार के एक और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. जगन्नाथ मिश्र समेत राज्य के कई मंत्री गिरफ्तार किए गए थे। लालू प्रसाद को अब तक करोड़ों रुपये के चारा घोटाले से जुड़े पांच में से चार मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है। चारा घोटाले के चार मामलों- देवगढ़, चाईबासा, रांची के डोरंडा कोषागार और दुमका मामले में लालू प्रसाद को जमानत दे दी गई थी। डोरंडा केस में लालू को सजा ऐसे समय हुई है, जब वे बिहार की राजनीति में सक्रिय भूमिका में आने लगे थे और जातिगत जनगणना के मुद्दे पर नीतीश के साथ तेजस्वी यादव की नजदीकी के पीछे भी लालू की भूमिका मानी जा रही थी। लालू यादव अगर फिर से जेल जाते हैं तो यह राजद के लिए बड़े झटके जैसा होगा। बिहार की राजनीति में भाजपा और जदयू को कहने का मौका मिल जाएगा कि राजद सिर्फ कमाई के लिए सत्ता चाहती है। यह किसी से छिपा नहीं है कि बिहार की राजनीति में लालू का क्या प्रभाव है। वे नीतीश के साथ सरकार बनाकर अपनी क्षमता साबित कर चुके हैं। एक बार फिर वे इसी राह पर आगे बढ़ रहे थे। अब 21 फरवरी को तय होगा कि लालू यादव बिहार की राजनीति में वापसी कर पाएंगे या नहीं। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का बिहार में राजनीतिक प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता है। बदले हालात में लालू के प्रतिद्वंद्वियों की नजर उनके सामाजिक आधार व परांपरागत वोटरों में पैठ बनाने की है। हालांकि राजद को भरोसा है कि लालू के प्रति सहानुभूति से पार्टी को जरूर फायदा पहुंचेगा। लालू के प्रभाव का इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा एवं जदयू को लग रहा है कि चारा घोटाले में सजा के बाद यादव वोटर उनके तरफ खिसक आएंगे। बिहार की करीब साढ़े दस करोड़ की जनसंख्या में 11 फीसद यादव मतदाता हैं। यह लालू यादव के प्रति न सिर्फ वफादार समझे जाते हैं, बल्कि अगड़ी जातियों के राजनीतिक प्रभुत्व के सापेक्ष में दो दशक से सामाजिक संतुलन के कारक भी हैं।

है सबका अधिकार!

आना-जाना कहीं पर ।
है सबका अधिकार ।।
बन रहे क्यों बाधा ।
ये कैसा प्रतिकार ?
स्वतंत्रता पर हमला ।
हो कैसे स्वीकार ?
बेवजह ना रोको ।
किसी की बहार ।।
भड़काना भी ठीक नहीं ।
रहे इसका ध्यान ।।
हरकतों से आएं बाज ।
बना रहे अभिमान ।।
तथ्य जो गलत ।
आगे ना बढ़ाओ ।।
आपके जो संग ।
राह सही दिखाओ ।।

-कृष्णेन्द्र राय

समाज सुधारक थे संत रविदास!

परमात्मा भी जब जब धरा पर पाप बढ़ते है तो भारत मे ही साधारण तन में आकर जगत का कल्याण करते है।अवतरित संतो में एक महान संत हुए है गुरु रविदास जिनका जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी के निकट सीर गोबर्धनगाँव में हुआ था। इनकी माता कलसा देवी व पिता संतोख दास थे,बहुत ही गरीबी में अपना जीवन यापन करते थे।लेकिन एक सरपंच के रूप में उनकी बहुत ख्याति भी थी।गुरु रविदास का जन्म सन1376-77 के आस पास हुआ था, ऐसा बताते है कुछ लोग सन 1399 में तो कुछ दस्तावेजों के अनुसार संत रविदास ने सन1450 से 1520 के बीच अपना जीवन इस धरा पर बिताया ।

गुरु रविदास के पिता जूते बनाने व पुराने जुते ठीक करने का काम करते थे। रविदास बचपन में बहुत कुशाग्र व भगवान को मानने वाले एक अच्छे बालक रहे। उन्हें उच्च कुल वालों के कारण हीन भावना का शिकार होना पड़ता था, गुरु रविदास ने समाज को बदलने के लिए अपनी कलम का सहारा लिया, वे अपनी रचनाओं में अच्छे जीवन के बारे में लोगों को समझाते थे।लोगों को शिक्षा भी देते थे कि व्यक्ति को बिना भेदभाव के सबसे अपने समान प्रेम करना चाहिए। रविदास ने गुरु पंडित शारदा नन्द की पाठशाला में शिक्षा प्राप्त की। पंडित शारदा नन्द ने रविदास की प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें भगवान द्वारा भेजा हुआ एक बच्चा बताया और उन्हें शिक्षा दी। रविदास एक प्रतिभाशाली और मेहनती छात्र थे, उनके गुरु जितना उन्हें पढ़ाते थे, उससे ज्यादा वे अपनी समझ से शिक्षा गृहण कर लेते थे।पंडित शारदा नन्द अपने शिष्य रविदास से बहुत खुश रहते थे, उनके आचरण और प्रतिभा को देख वे सोचा करते थे कि रविदास एक दिन उच्चकोटि का आध्यात्मिक गुरु और महान समाज सुधारक बनेगा।उनके गुरु की यह सोच संत रविदास के प्रतिष्ठित होने पर चरितार्थ भी हुई।

रविदास के साथ पाठशाला में पंडित शारदा नन्द का बेटा भी पढ़ता था, वे दोनों अच्छे मित्र थे। एक बार वे दोनों छुपन छुपाई का खेल रहे थे,रात हो जाने पर बच्चों ने अगले दिन फिर से खेलना तय

किया। दुसरे दिन सुबह रविदास खेलने के लिए आ गए लेकिन उनका गुरुभाई मित्र नहीं आया। तब वे उसके घर गए तो पता चला कि रात को उनके मित्र की मृत्यु हो गई थी। यह पता चलते ही शोक में डूबकर रविदास सुन्न हो गए है, तब उनके गुरु शारदा नन्द उन्हें मृत मित्र के पास ले गए रविदास अपने मृत मित्र से कहते है कि ये सोने का समय नहीं है, उठो और मेरे साथ खेलो।यह सुनते ही उनका मृत मित्र पुनः जीवित होकर खड़ा हो गया। जिससे हर कोई अर्चभित हो गया ।रविदास जैसे जैसे बड़े हुए भगवान राम के रूप के प्रति उनकी भक्ति बढ़ती गई। वे हमेशा राम, रघुनाथ, राजाराम चन्द्र, कृष्णा, हरी, गोविन्द आदि शब्दो का उपयोग करते थे,जो उनके धार्मिक होने का प्रमाण है। संत रविदास उस समय की कृष्ण भक्त मीरा बाई के धार्मिक गुरु भी थे। मीरा बाई राजस्थान के राजा की बेटी और चित्तोर की रानी थी। वे रविदास की शिक्षा से बहुत प्रभावित थी और वे रविदास की एक बड़ी अनुयायी बन गई । मीरा बाई ने अपने गुरु के सम्मान में कुछ पक्तियां भी लिखी थी, ह्यगुरु मिलया रविदास जी..ह्न । मीरा बाई अपने दादा के साथ रविदास से मिलती रहती थी।एक दिन बार संत रविदास अपनी कुटिया में बैठे प्रभु स्मरण के साथ अपना कार्य कर रहे थे, तभी एक ब्राह्मण उनकी कुटिया पर आया और उनसे बोला कि वह गंगा स्नान करने जा रहा है, रास्ते में आपकी कुटिया दिखाई दी तो दर्शन करने चला आया।

रविदास ने कहा कि आप गंगा स्नान करने जा रहे हैं, यह एक मुद्रा है, इसे मेरी तरफ से गंगा मैया को दे देना। ब्राह्मण जब गंगा तट पहुंचा और स्नान करके जैसे ही रुपया गंगा में डालने को उद्यत हुआ तो गंगा नदी में से गंगा मैया ने जल में से अपना हाथ निकालकर वह रुपया ब्राह्मण से ले लिया तथा उसके बदले ब्राह्मण को एक सोने का कंगन दे दिया।ब्राह्मण जब गंगा मैया का दिया कंगन लेकर लौट रहा था तो वह नगर के राजा से मिलने चला गया। ब्राह्मण को विचार आया कि यदि यह कंगन राजा को दे दिया जाए तो राजा बहुत प्रसन्न होगा। उसने वह कंगन राजा को भेंट कर दिया। राजा ने बहुत-सी मुद्राएं देकर उसकी झोली भर दी। ब्राह्मण अपने घर चला गया। इधर राजा ने वह कंगन अपनी महारानी के हाथ में बहुत प्रेम से पहनाया तो महारानी बहुत खुश हुई और राजा से बोली कि कंगन तो बहुत सुंदर है, परंतु यह क्या एक ही कंगन है, क्या आप ऐसा ही एक और कंगन नहीं मंगा सकते? राजा ने अपनी रानी को ऐसा ही एक और कंगन मंगवा कर देने का भरोसा दिया। राजा ने उसी ब्राह्मण को खबर भिजवाई कि जैसा कंगन मुझे भेंट किया था वैसा ही एक और कंगन उन्हें तीन दिन में लाकर दो वरना राजा के दंड भोगना पड़ेगा। यह सुनते ही ब्राह्मण के होश उड़ गए। वह पछताने लगा कि मैं व्यर्थ ही राजा के पास गया,अब दूसरा कंगन कहां से लाऊं? वह रविदास की कुटिया पर पहुंचा और उन्हें पूरा वृत्तांत बताया कि गंगा ने आपकी दी हुई मुद्रा स्वीकार करके मुझे एक सोने का कंगन दिया था, वह मैंने राजा को भेंट कर दिया था। अब राजा ने मुझसे वैसा ही कंगन मांगा है, यदि तीन दिन में राजा को दूसरा कंगन नहीं दिया तो राजा उन्हें कठोर दंड देगा।

यह सुन संत रविदास ने अपनी वह कठौती उठाई जिसमें वे चर्म गलाते थे। उसमें जल भरा हुआ था।उन्होंने गंगा मैया का आह्वान कर अपनी कठौती से जल छिड़का तो गंगा मैया प्रकट हो गई।रविदास के आग्रह पर गंगा ने एक और कंगन ब्राह्मण को दे दिया। ब्राह्मण खुश होकर राजा को वह कंगन भेंट करने चला गया, ऐसे थे महान संत थे गुरु रविदास ।

मन चंगा तो कठौती में गंगा

संत रविदास की यह कहावत बहुत प्रसिद्ध है। इस कहावत के द्वारा संत रविदास मन की पवित्रता पर जोर देते हैं। सन्त रविदास कहते हैं, जिस व्यक्ति का मन पवित्र होता है, उसके बुलाने पर मां गंगा एक कठौती में भी आ जाती हैं।यह बात संत रविदास ने सिद्ध भी की।वही रविदास कहते है,

ब्राह्मण मत पूजिए जो होवे गुणहीन,
पूजिए चरण चंडाल के जो होने गुण प्रवीन।।

एक ही उम्र और एक ही तारीख को अलविदा हुए मेरे माता पिता!

'माता -पिता' शब्द सुनते ही अपने माता -पिता का चेहरा हमारी आंखों के सामने आ जाता है और हमारी उम्र कितनी भी हो जाए,तब भी हम स्वयं को बच्चा महसूस करने लगते है। इसी सुखद सोच से हम अपने बड़ो को याद करते है। माता पिता चाहे किसी के भी हो, उनके कदमों में स्वर्ग सी अनुभूति होती है।

जब कभी स्नेह वश बालिग हो जाने के बाद भी मैं मां की गोद मे सिर रखकर उनका दुलार पाता था या फिर पिता का स्नेहशील हाथ मेरे सिर पर आ जाता था तो उस समय मैं स्वयं को सबसे भाग्यशाली व सुरक्षित महसूस करता था।लेकिन जब मेरे माता पिता इस दुनिया से चले गए तो मुझे लगा जैसे मुझ पर से किसी ने मेरा साया छीन लिया और मैं सदा के लिए अनाथ हो गया। इसी कारण माता पिता के चले जाने के बाद मेरे जीवन में उदासी व अवसाद इस कदर आया था जैसे मेरी दुनिया ही सुनी हो गई थी।वास्तव में माता पिता के दिवगंत होने के बाद उनके कदमों की जन्नत ने मेरा साथ छोड दिया था। मुझे अब न मां की गोद में सिर रखकर मां के ममत्व की अनुभूति हो पा रही थी, न ही पिता के ममत्व भरे हाथ मेरे सिर को सहलाने के लिए अब बचे थे। माता पिता की देह से तो मैं हमेशा के लिए वंचित हो गया था परन्तु आत्म स्वरूप में माता पिता का अक्स आज भी मेरी आंखों में बसा हुआ है और लगता है कि वे मुझे कदम कदम पर सन्मार्ग दिखाते रहते है। आज भी लगता है कि जैसे वे मुझे जीवन की कठिन राह पर उगंली पकडकर लेकर चलते है। मै भी माता पिता के अक्स और उनकी यादों के साथ उनके बताए मार्ग पर चल निरंतर चल रहा हूँ।

उसी मार्ग पर जिस मार्ग पर ले चलने का उन्होने स्वपन बुना था। माता पिता के आदर्शो पर चलने की प्रेरणा ही मेरी सफलता का कारण बनी है। मेरे लौकिक माता पिता के चले जाने के बाद मुझे परमात्मा शिव की रूहानी गोद प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में राजयोग के माध्यम से मिली। यह ऐसी सुखद गोद है जिसका सुख लौकिक माता पिता के सुख से भी बढ़कर है। परमात्मा शिव को आत्मसात करने से मेरे जीवन की दशा और दिशा ही बदल गई। आपको बता दू मेरे पिता मदन लाल शर्मा मेरी मां प्रकाशवती से तीन साल पहले 13 फरवरी सन 2009 में 82 वर्ष की आयु में दिवंगत हो गए थे। 13 फरवरी के दिन ही सन 2012 में मेरी मां प्रकाशवती ने अपने जीवन का महाप्रयाण किया था। मेरे पिता मदन लाल शर्मा एक रहमदिल इंसान थे और उनमें मां जैसा ममत्व था।तभी तो मां जब पढने के लिए कहती या फिर पढाई न करने पर डांटती तो पिताजी मां के सामने हमारे लिए सुरक्षा कवच बनकर खडे हो जाते और प्यार से कहते कोई बात नही, धीरे धीरे पढ लेगें ।

कई बार तो मां जब घर पर नही होती और हम भाई बहन रात में मां के निर्देश पर देर रात तक पढ रहे होते तो पिताजी हमें कहते थे बस, बहुत पढाई कर ली। अब सो जाओं। मां के बीमार होने या फिर मायके जाने पर भी पिताजी अपने हाथ से खाना बनाकर हमें खिलाते थे । पिताजी हमारे लिए पिता के साथ साथ दुसरी मां की तरह थे।जबकि मां जो अपने जीवन में कभी स्कूल नही गई थी ,हम भाई बहन की पढाई को लेकर इतनी सजग थी कि बडे भाई श्याम मोहन शर्मा का पालिटेक्निक में एडमिशन कराने के लिए उन्होने अपने जेवर तक बेच दिये थे। हम भी पढ सके और अच्छे नम्बरो से पास हो,इसके लिए मां हर रोज देर रात तक हमे पढने के लिए कहती थी स्वयं भी रात भर जागकर हमारे पास बैठी रहती और देखती रहती कि हम पढ रहे है या नही । उस जमाने में टेलीविजन नये नये आए थे। हमारे गांव नारसन कलां में सिर्फ एक या दो टेलीविजन ही थे।टेलीविजन पर हर रविवार को फीचर फिल्म और हर बुधवार को चित्रहार टेलीविजन का प्रमुख आकर्षण था। हमारी भी इच्छा होती कि हम फिल्म और चित्रहार देखे परन्तु मां हमारी पढाई के कारण टेलीविजन देखने की अनुमति नही देती थी। कई बार हमे बुरा भी लगता परन्तु जब हमारा रिजल्ट आता और हम पास होते तो गांव के लोग बोलते कि पास हम नही, हमारी मां हुई है।

गांव के लोगो की यह बात सोलह आने सच भी थी क्योकि मां का अपने बच्चो की पढाई के प्रति इस जुजून के कारण ही हम हर परीक्षा में सफल हो सके।मेरे माता पिता ने गरीबी के दिनों में भी कभी होंसला नही खोया और मां ने पिताजी का साथ निभाने के लिए सन 1965 में अनपढ होते हुए भी सिलाई व कढाई में डिप्लोमा किया और फिर घर में सिलाई कढाई करके घर चलाने में पिताजी की मदद की ।मेरी मां प्रकाशवती सन 1942 के जनआन्दोलन में तिरंगा फैहराते हुए हरिद्वार में शहीद हुए 17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स की सगी छोटी बहन थी और जब उनके भाई जगदीश वत्स शहीद हुए, उस समय मां प्रकाशवती की उम्र केवल 14 वर्ष की थी। शहादत के अगले वर्ष ही शहीद पुत्र जगदीश के गम में हमारे नाना नानी गुजर गए थे,जिससे मां के जिम्मे मात्र 15 वर्ष की आयु में अपने परिवार की जिम्मेदारी आ गई थी। उन कठिन दिनों में जिम्मेदारी के एहसास और अनुभव से ही मेरी मां को वह ताकत मिली थी कि वे जीवन के हर मोड पर सफल रही और हमें कामयाब कर पायी।

मां अपने या पराये किसी भी बच्चे में कोई भेद नही करती थी।न्याय प्रिय मेरी मां ने कभी हमारी गलती को नही छिपाया और कभी दूसरो पर झूठा दोषारोपण नही किया। उनकी अपनी कोई गलती होती तो सहजता से उसे स्वीकार कर लेना ही मां का स्वभाव था।

अपने जीवन के अन्तिम दिनों में मां ने शारिरीक कष्ट झेलते हुए भी कभी अपना दुख प्रकट नही किया । जब भी मां से उनकी तकलीफ जानने की कौशिश करते तो मां के मुंह से एक ही शब्द निकलता कि वह ठीक है। दरअसल मां नही चाहती थी कि उनके दुख को देखकर कोई दुखी हो। जीवन पर्यन्त संयमी,शांत और सन्तुष्ट रही मां प्रकाशवती के अन्दर राष्ट्रभक्ति का भाव कूट कूटकर भरा था।उन्हे अपने भाई जगदीश वत्स के बलिदान के लिए एक बडे पत्र समूह द्वारा सम्मानित भी किया गया था। मां प्रकाशवती चाहती थी उनके अमर शहीद भाई जगदीश प्रसाद वत्स की जीवनी स्कूली पाठयक्रम में शामिल हो ,ताकि आने वाली पीढी देश के शहीदो से प्रेरित होकर राष्ट्रभक्ति के मार्ग को अपना सके।

मां के इस सपने को पूरा करने के लिए उत्तराखण्ड के तत्कालीन मुख्यमन्त्री हरीश रावत ने अमर शहीद जगदीश वत्स की जीवन पाठयक्रम में शामिल करने के निर्देश शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दे दिये थे ,लेकिन उनकी सरकार चले जाने के कारण उक्त निर्देश आज तक फलित नहीं हो पाए है।अलबत्ता उनकी पुण्यतिथि 14 अगस्त पर हर वर्ष हरिद्वार के भल्ला पार्क में उनकी याद में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।जगदीश वत्स की याद में ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज हरिद्वार व भल्ला में उनकी प्रतिमा लगी है,वही अब उनकी जन्म स्थली ग्राम खजूरी अकबरपुर में भी जगदीश प्रसाद स्मारक विद्यालय में उनकी प्रतिमा स्थापित की गई है।मेरी मां प्रकाशवती को जहां अपने भाई जगदीश वत्स की शहादत पर नाज रहा वही वे और पिता मदन लाल शर्मा स्वाभिमान की प्रतिमूर्ति थे। उनको शतशत नमन।

वादे के आधार पर किसकी होगी नैया पार!

देश में पंजाब, मणिपुर, गोवा, उतराखंड एवं उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधान सभा होने जा रहे है है। जिसके प्रथम चरण का 10 फरवरी को उत्तरप्रदेश राज्य के 11जिलों की 58 विधान सभा सीट से चुनाव शुरू हो गया है जहां 58 प्रतिशत मतदान होने का अनुमान है। इस चुनाव में आम जनता को अपनी ओर आकर्षित कर सर्वाधिक जनमत पाकर सत्ता तक पहुंचने की होड़ में प्रायः सभी राजनीतिक दल अपने -अपने चुनावी घोशण पत्र में लुभावनी वादे की लम्बी कतार लगा दिये है। इस दिषा में उत्तर प्रदेश चुनाव को अपने पक्ष में करने के लिये भाजपा ने लोक कल्याण संकल्प पत्र के नाम से जारी अपने घोषणा पत्र में जहां 130 वादे का जिक्र किया है वहीं सपा अपने संकल्प पत्र में 22 तों कांग्रेस ने उन्नति विधान पत्र के नाम से जारी घोषणा पत्र में वादे किये है। इस तरह के जारी वादों की कतार में कई वादे एक जैसे लग रहे है। पर इन वादों के आधार पर चुनाव में किसकी नैया होगी पार, किसके सिर होगा ताज यह तो चुनाव उपरान्त 10 मार्च को आने वाले परिणाम में ही पता चल पायेगा।

इन चुनावों में प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा जारी घोषणा पत्र के स्वरूप पर एक नजर डालें जहां भाजपा ने लोक कल्याण संकल्प पत्र 2022 में चुनाव उपरान्त आम जनता को मुफ्त 2 एलपीजी सिलेंडर,,स्कूटी, किसानों को मुफ्त बिजली समेत अनेक वादे षामिल है जिसमें प्रमुख रूप से लव जेहाद पर 10 साल की जेल और 1साल का जुमार्ना,10 लाख रोजगार और स्वरोजगार के मौके, 2000 नई बसे, दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों, विधवा और निराश्रित महिला को 1500रू. का पेंशन, सभी निर्माण श्रमिकों को मुफ्त जीवन बीमा, हर परिवार में कम से कम एक रोजगार या स्वरोगार, 2 करोड़ टैबलेट या स्मार्ट फोन, 6000 डॉक्टर, 10 हजार पैराममडिकल, किसानों को सिचाई के लिये म्फ्तु

बिजली, निशादराज बोट सब्सिडी,, कॉलेज जाने वाली हर महिला को मुफ्त स्कूटी, गरीब परिवार के बेटियों के विवाह के लिये 1लाख रू. की आर्थिक मदद, 1 करोड़ महिला को आत्म निर्भर बनाने के लिये 1 लाख का लोन, 60 साल से अधिक उम्र की महिला को मुफ्त यात्रा,, हर मंडल में एक यूनिवर्सिटी बनाये जाने की बात की है तो सपा ने अपने संकल्प पत्र में मलाओं को सरकारी नौकरी में 33 फिसदी आरक्षण, के साथ , 300 यूनिट बिजली फ्री, पुरानी पेंशन बहाली के साथ आईटी सेक्टर में 22 लाख लोंगों को रोजगार, 11लाख खाली पद भरने,,संविदा प्रणाली खत्म करने,अलग से महिला विंग बनाने, 1 करोड़ नौकरी का सृजन, सिचाई के लिये मुफ्त बिजली देने, सभी फसलों को एमएसपी योजना से जोड़ने, किसान आयोग गठित करने, कामधेनु योजना दुबारा षुरू करने बीपीएल परिवार को हर साल दो एलपीजी सिलेंडर मुफ्त, दो पाहिया वाहन मालिकों को हर माह एक लीटर फ्री पेटोल, ऑटो चालकों को 3 लीटर पेटोलत्र 6 लीटर सीएनजी , वृद्ध , महिला व बीपीएल परिवार को हर साल 18000 रू . का पेंशन सहित अनेक वादा किया है। कांग्रेस ने यूपी के लिये अपने घोशणा पत्र में किसानों का पूरा कर्ज 10 दिन के अन्दर माफ करने के साथ बिजली बिल हॉफ , कोरोना काल का बकाया माफ, कोरोना काल के प्रभावित लोगों को 25000 रू. 20 लाख सरकारी नौकरी, 40 फिसदी महिलाओं रोजगार में आरक्षण मध्यम वर्ग को किफायती आवास ,पत्रकारों के खिलाफ दर्ज मुकादमा खत्म, दिव्यागों के लिये 3000रू. का पेंशन, कोविड योद्धाओं को 50 लाख का मुगावजा, शिक्षको खाली 2 लाख पद भरने पत्र में युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, मुफ्त बिजली, गांव क्लीनिक मोहल्ला, किसानों को लोन की माफी, 24 घंटे में फसल का भुगतान, 10 लाख युवाओं को नौकरी, 5000रू बेरोजगारी भत्ता, शहीद परिवारों को एक करोड़ रू. का मुआवजा, किसानों के लिये एमएसपी कानून, महिलाओं के लिये फ्री बस यात्रा, हर साल 10 लाख नौकरिया, पुरानी पेंषन लागू करने सहित अनेक वादें किये है। इसी तरह चुनाव में भाग ले रहे बासपा सहित अन्य राजनीतिक दल भी आम जन को लुभाने के लिये अपने घोषणा पत्र में अनेक वादें कर रखे है पर चुनाव उपरान्त ही पता चल पायेगा कि आम जनता से किये वादें के आधार पर किसकी नैया होगी पार।

पर्यावरण बदहाल जनता बेहाल

जिम्मेदार कौन!

- गंभीर संकट से जूझ रहा देश, बेहद खराब हुई जलवायु
- चुनावों में कभी नहीं बनाया जाता साफ सफाई को मुद्दा
- जन जागरूकता भी नहीं ला सकी सिविल सोसायटी
- देश में जल प्रदूषण का स्तर दिन पर दिन बढ़ता ही जा रहा है

अपना भारत अभूतपूर्व पर्यावरणीय संकट का सामना कर रहा है। देश की जलवायु कभी भी इतनी खराब नहीं हुई, जितनी आज है। अधिकतर जगह हवा-पानी जानलेवा हो चुकी है। इसके बाद भी न तो राजनेताओं के चेहरों पर शिकन है और न ही आम जनमानस इसके प्रति जागरूक हुआ है। जल की बात करेंतो यहां कोस-कोस पर पानी बदलने की बात पुरानी हो चुकी है। नयी बात यह है कि अधिकतर जगह का पानी प्रदूषित हो चला है। अब आते हैं वायु की बात पर तमाम मानवजनित कारणों के चलते हवा की गुणवत्ता बहुत बुरी है। प्रायः हर जगह जलवायु की दशा खराब हो गयी है। ऐसे प्रदूषित व विषाक्त हवा-पानी का जनजीवन पर बहुत बुरा असर पड़ा है। बड़ी तादाद में लोग बीमार हो रहे हैं या मर रहे हैं। इसके बावजूद जनता जागरूक नहीं आती। राजनीतिक दल भी इसके प्रति कतई गंभीर नहीं नजर आते।

देश की बिगड़ी जलवायु और उससे उपजी क्षति

एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व के अन्य सभी देशों के मुकाबले भारत में जहरीली जलवायु के कारण शिशु मृत्यु दर सबसे अधिक है। वर्ष 2017 में देश में आठ शिशुओं में से कम से कम एक मौत के लिए वायु प्रदूषण को जिम्मेदार ठहराया गया था। इसी तरह, देश में शिशुओं की मौत का एक और बड़ा कारण जल प्रदूषण है और हमारे जल प्रदूषण का स्तर दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है।

नदियों की बात करें तो साल 2018 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने देश में कुल 351 प्रदूषित नदी खंडों की पहचान की। यह रिपोर्ट चौंकाने वाली है। तीन साल पहले 302 खंडों की वृद्धि हुई है। देश में गंगा ही नहीं, छोटी-बड़ी अन्य नदियां भी प्रदूषित हैं। शहरों के अपशिष्ट मिलने के कारण ये प्रदूषित हो रही हैं। भूजल के मामले में संकट और अधिक गहरा है। अभी पीने के पानी की आपूर्ति पर हमारी निर्भरता लगभग 80 फीसदी है और हम भूजल प्रदूषण के अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच चुके हैं। देश के 640 जिलों में से 276 का भूजल फ्लोराइड के कारण प्रदूषित है, 387 में नाइट्रेट है, 113 जिलों में हैवी मेटल्स हैं और 61 जिलों में भूजल में यूरेनियम है।

जंगल, वन्यजीव और जैव विविधता भी पतन की ओर अग्रसर हैं। पिछले दशकों में हमने प्राकृतिक वनों को बाग-बगीचों में बदल दिया है और कई जगह 'कंक्रीट के जंगल' खड़े कर दिये हैं। मनुष्य और पशुओं का संघर्ष बढ़ गया है और मरुस्थलीकरण अब हमारी उत्पादक कृषि भूमि को प्रभावित कर रहा है।

अब हमारे सामने अनियमित जलवायु परिवर्तन का संकट आन खड़ा है, जो लोगों के जीवन व आजीविका के लिए बड़ा खतरा बन गया है। अत्यधिक बारिश, चक्रवात, बाढ़ और सूखे जैसे चरम मौसम की घटनाएं अब नियमित रूप से देश के एक हिस्से या दूसरे हिस्से को तबाह कर देती हैं। वर्ष 2013 में उत्तराखंड में बाढ़ आपदा, 2014 में जम्मू-कश्मीर की बाढ़, 2015 में चेन्नई बाढ़ और 2018 में केरल बाढ़, इन चरम घटनाओं ने हजारों लोगों की जान ले ली और हजारों करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और भी बुरा होने वाला है, क्योंकि निकट भविष्य में ग्लोबल वार्मिंग वर्तमान 1 डिग्री सेल्सियस से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। सबसे घातक आंकड़ा यह है कि पर्यावरण प्रदूषण का कहर घातक रोगों से भी अधिक बड़ा है। कैंसर, तपेदिक, एड्स और मधुमेह की तुलना में प्रदूषण के कारण अधिक भारतीय मरते हैं।

इन विकट हालात में सरकार ही नहीं, सभी राजनीतिक दलों को पर्यावरण को लेकर उत्तम योजनाओं के साथ आगे आना चाहिए, जिनमें पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के साथ विकास और विकास की अनिवार्यताओं के संतुलन की बात हो, मगर वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में यह आस धूमिल रही। इस चुनाव में स्पष्ट हो गया कि राजनीतिक दल इन मुद्दों को उचित महत्व नहीं दे रहे हैं। दोनों बड़े राजनीतिक दलों भाजपा और कांग्रेस ने पुराने विचारों को ही दोहरा दिया और अपने-अपने घोषणा पत्रों में पर्यावरण को प्रमुख मुद्दे के बजाय परिधीय विषय के रूप में पेश कर दिया। सारगर्भित बात यह कि देश के सामने खड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों और राजनीतिक दलों के वादों के बीच इतनी बड़ी खाई है। वायु प्रदूषण के मामले को ही लें। दोनों पार्टियों ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) को मजबूत करके वायु प्रदूषण को कम करने का वादा किया। हालांकि कांग्रेस ने वायु प्रदूषण को लोगों के स्वास्थ्य के लिए आपातकाल बताया है और कहा कि वह उत्सर्जन के सभी प्रमुख स्त्रोतों को निशाने पर लेगी। वहीं, भाजपा ने एनसीएपी को एक मिशन में बदलने और पांच साल में प्रदूषण के स्तर को कम से कम 35 प्रतिशत कम करने का वादा किया, लेकिन दोनों पार्टियां वायु प्रदूषण को उस विकास प्रतिमान के साथ जोड़ने में विफल रही हैं, जिनका वादा उन्होंने अपने घोषणा पत्र के पहले कुछ पृष्ठों में किया।

जल संकट दूर करने के लिए, दोनों दलों ने पृथक जल मंत्रालय बनाने का वादा किया था। भाजपा ने 2022 तक स्वच्छ गंगा के लक्ष्य को प्राप्त करने का वादा किया तो कांग्रेस ने गंगा सहित नदियों की सफाई के लिए बजट आवंटन को दोगुना करने का वादा किया। लेकिन दोनों ने भूजल स्तर में सुधार करने और उसके लिए आवश्यक कार्यक्रमों को बात नहीं की। यदि नए मंत्रालयों और अधिक धन ने काम किया होता तो हम अपनी सभी समस्याओं को बहुत पहले हल कर चुके होते।

हालांकि जलवायु परिवर्तन पर कांग्रेस ने कहा है कि वह ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए एक एक्शन एजेंडा लाएगी, लेकिन भाजपा जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर काफी हद तक चुप है। वन प्रबंधन को लेकर दोनों पार्टियों के बीच एक बड़ा अंतर है। कांग्रेस ने जहां वन प्रबंधन में स्थानीय समुदायों को शामिल करने के लिए व्यापक रूपरेखा तैयार की है, वहीं भाजपा आदिवासियों और वनों के मुद्दों पर पूरी तरह से चुप है, जिसमें वन अधिकार कानून भी शामिल है। दूसरे शब्दों में कहें तो कांग्रेस के घोषणा पत्र में सही शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जबकि भाजपा के घोषणापत्र में संख्याओं और लक्ष्यों का जिक्र है। लेकिन दोनों ही पार्टियों के घोषणा पत्र में देश के सामने खड़ी पर्यावरणीय चुनौती से निपटने के लिए पर्याप्त वादे नहीं किए गए। बहरहाल चुनाव नतीजे में भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2014 के परिणाम से भी अधिक जोरदार सफलता प्राप्त की, लेकिन मोदी सरकार को पिछले कार्यकाल में न तो पिछले कार्यकाल में उसके प्रमुख मुद्दे 'स्वच्छ व निर्मल गंगा' पर सफलता मिली थी और न इस कार्यकाल में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मिलती नजर आ रही है।

अब भी समय, पर्यावरण को राजनीतिक मुद्दा बनाया जाये

आखिर 'पर्यावरण' शब्द हमारे राजनीतिक दिग्गजों की जुबान पर क्यों नहीं होता? चुनावों में पर्यावरण महत्वपूर्ण मुद्दा क्यों नहीं होता? दरअसल राजनीतिक दल अपने मतदाताओं की प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं। और अधिकांश मतदाताओं के लिए पर्यावरण प्राथमिकता नहीं है। ऐसा नहीं है कि पर्यावरण प्रदूषण और विनाश के कारण लोग पीड़ित नहीं हैं। वे घोर पीड़ित हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त रूप से जानकारी नहीं दी गई है ताकि वे इसे महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा बनाएं। यह सिविल सोसायटी की बहुत बड़ी विफलता है। बुद्धिजीवी भी सिविल सोसायटी में पर्यावरण को राजनीतिक मुद्दा बनाने के लिए जमीनी स्तर पर अपना संदेश ले जाने में विफल रहे। यह समय है, जब हमें इस विफलता को पहचानें। अभी ज्यदा देर नहीं हुई है, पर्यावरण को एक राजनीतिक मुद्दा बनाया जाना चाहिए। कहीं ऐसा न हो कि बिगड़ी जलवायु संपूर्ण जनजीवन को अपने जहरीले शिकंजे में जकड़ ले।

जैसलमेर में मरू उत्सव के साथ पर्यटन का लें मजा

उत्सव के साथ रेगिस्तान की स्वर्ण नगरी जैसलमेर दर्शन का बेहतरीन अवसर है जबकि 13 से 16 फरवरी 2022 तक विख्यात मरू उत्सव का आयोजन किया जा रहे हैं। कोरोना काल में ठप हो गए पर्यटन व्यवसाय की उम्मीदों को फिर से पंख लगेंगे, इससे जुड़े तमाम लोग में खुशी की लहर हैं। नव नियुक्त जिला कलेक्टर प्रतिभा सिंह उत्सव को यादगार बनाने के लिए जुटी हैं। उत्सव के दौरान कई कल्चरल इवेंट के साथ सेलिब्रिटीज नाइट, पोकरण, खूहड़ी और सम के रेतीले टीलों पर कार्यक्रमों के साथ-साथ मरूश्री, मिस मूमल, मूछ प्रतियोगिता, साफा बांध, मूमल महिन्द्रा, ऊंट श्रृंगार तथा शान ए मरूधरा, पणिहारी मटका रेस आदि प्रतियोगिता एवं एडवेंचर स्पोर्ट्स आदि के रोचक कार्यक्रम पर्यटकों के लिए किए जाएंगे। पर्यटन विभाग ने इस बार उत्सव को "उम्मीदों की नई उड़ान" नाम दिया है। लोक वाद्ययों की ताल पर गायकों की सुरीले स्वर एवं लोक कलाकारों के लुभावने नृत्य वातावरण को रेगिस्तानी अंचल की लोक संस्कृति का प्रतीक बना देते हैं और गीतों और नृत्यों पर विदेशी भी थिरकने को मजबूर हो जाते हैं। इस अवसर सैलानी पर्यटक स्थलों को देखने का लुत्फ भी ले सकते हैं।

सोनार किला- रेगिस्तान का अविभूत करने वाला सोनार किले के अन्दर मध्ययुगीन जीवन एवं ऐश्वर्य का जादू दिखाई देता है जो भव्य महलों, हवेलियों, मंदिरों में अनाम शिल्पियों की कारीगरी का जीवन्त उदाहरण है। त्रिकूट पर्वत पर बना सोनार किला जमीन से 250 फीट की ऊँचाई पर स्थित किला सूर्योदय एवं सूर्यास्त में सोने सा दमकता है। किला 1500 फीट लम्बा एवं 700 फीट चौड़ा है तथा किले में 30-30 फीट ऊँचे 99 बुर्ज बने हैं। दोहरी सुरक्षा व्यवस्था के चलते यह किला हमेशा अभेद्य रहा। किले में प्रवेश के लिए अखेपोल, सूरजपोल, गणेशपोल एवं हवापोल चार दरवाजे बने हैं। यहां बना रंग महल, गजनिवास एवं मोती महल स्थापत्य कला के शानदार नमूने हैं। महलों में भित्ती चित्र तथा लकड़ी पर की गई बारिक नक्काशी का कार्य देखने योग्य है। महलों में पत्थर की सुन्दर जालियां एवं झरोखें सुन्दरता प्रदान करते हैं। महलों के सामने आदिनारायण एवं शक्ति के मंदिर बने हैं। दुर्ग में लक्ष्मीनाथ जी का एक मात्र हिन्दू मंदिर सोने व चाँदी के कपाटों के कारण विशेष महत्व रखता है। आस-पास कारीगरी में अनुपम जैन मंदिर 14 वीं एवं 15 वीं शताब्दी की स्थापत्य व मूर्ति कला का सुन्दर नमूने हैं। मंदिरों के तल गृह में जिन भद्र सूरी ज्ञान भण्डार में दुर्लभ एवं प्राचीन पाण्डुलिपियों का संग्रह किया गया है।

गड़सीसर झील- गड़सीसर झील जैसलमेर के सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है जिसे राजा रावल जैसल द्वारा बनाया गया था। कुछ वर्षों बाद इसका पुनर्निर्माण महाराजा गरीसिसार सिंह द्वारा किया था और झील को पुनरूजीवित किया। झील का प्रवेश द्वार तिलोन-की-पोल के जरिए है, इसके महराबो को शानदार और कलात्मक ढंग से पीले बलुआ पत्थर से बनाया गया है। तिलोंन की पोल को हिंदू देवता विष्णु की मूर्ति से सजाया गया है जो 1908 में स्थापित की गयी थी। झील के किनारे कलात्मक रूप से नक्काशीदार छत्तीस मंदिर, देवगृह और घाटों से घिरा हुआ है। यह सुबह-सुबह जैसलमेर किले की फोटो लेने के लिए सबसे अच्छी जगह है जब सूरज की पहली किरणों से किला सुनहरे रंग का दिखता है। यह कई पक्षीयों को देखने वाला स्थल भी है जो जैसलमेर शहर का एक बड़ा आकर्षण है। यहीं पर एक संग्रहालय भी दर्शनीय है।

बादल विलास- जैसलमेर के अमरसागर प्रोल के पास मंदिर पैलेस में गगनचुम्बी जहाजनुमा 19 वीं शताब्दी की इमारत बादल विलास कलात्मक सुन्दरता के कारण अनूठी कृति है। पांच मंजिलों वाली यह इमारत बारिक नक्काशी कार्य और कलात्मक सुंदरता के कारण विश्व स्तरीय पहचान बना चुकी है। इसे महारावलों के निवास हेतु बनाया गया था। सैलानी इसको जब निहारते है तो इस इमारत से उनकी नजरें ही नहीं हटती, वे इसके नजारे को कैमरे में बंद कर ले जाते हैं। यह इमारत स्वर्णनगरी भ्रमण करने वाले सैलानियों को दूर से ही अपनी ओर आकर्षित करती है।

पटुओं की हवेली- पटवों की हवेलियाँ अट्ठारवीं शताब्दी से सेठ पटवों द्वारा बनवाई गई थीं। अनेक सुन्दर झरोखों से युक्त ये हवेलियाँ निसंदेह कला का सर्वोत्तम उदाहरण है। ये कुल मिलाकर पाँच हवेलियां हैं, जो कि एक-दूसरे से सटी हुई हैं। ये हवेलियाँ भूमि से करीब 10 फीट ऊँचे चबूतरे पर बनी हुई है व जमीन से ऊपर छः मंजिल हैं एवम भूमि के अंदर एक मंजिल होने से कुल 7 मंजिली हैं। पाँचों हवेलियों के आगे के बाहर की ओर बारीक नक्काशी व विविध प्रकार की कलाकृतियाँ युक्त खिड़कियों, छज्जों व रेलिंग से अलंकृत किया गया है जिससे हवेलियाँ अत्यंत भव्य व कलात्मक दृष्टि से अत्यंत सुंदर व आकर्षक लगती हैं।

दीवान नाथमल की हवेली- पाँच मंजिली पीले पत्थर से निर्मित दीवान मेहता नाथमल की हवेली का कोई जबाव नहीं है। सन 1884-85 ई. में बनी हवेली में सुक्ष्म खुदाई मेहराबों से युक्त खिड़कियों, घुमावदार खिड़कियों तथा हवेली के अग्रभाग में की गई पत्थर की नक्काशी पत्थर के काम की दृष्टि से अनुपम है। इन अनुपम कृतियों का निर्माण प्रसिद्ध शिल्पी हाथी व लालू उपनाम के दो मुस्लिम कारीगरों ने किया था। हवेली में पत्थर की खुदाई के छज्जे, छावणे, स्तंभों, मौकियों, चापों, झरोखों, कंवलों, तिबरियों पर फूल, पत्तियां, पशु-पक्षियों की बडी ही मनमोहक आकृतियां बनी हैं। कुछ नई आकृतियां जैसे स्टीम इंजन, सैनिक, साईकल, उत्कृष्ट नक्काशी युक्त घोडे, हाथी आदि उत्कीर्ण हैं।

सालिम सिंह की हवेली- सालिम सिंह की हवेली छह मंजिली इमारत है, जो नीचे से संकरी और ऊपर से निकलती-सी स्थात्य कला का प्रतीक है। जहाजनुमा इस विशाल भवन आकर्षक खिड़कियां, झरोखे तथा द्वार हैं। नक्काशी यहाँ के शिल्पियों की कलाप्रियता का प्रमाण है। इस हवेली का निर्माण दीवान सालिम सिंह द्वारा करवाया था। हवेली की सर्वोच्च मंजिल जो भूमि से लगभग 80 फीट की उँचाई पर है, मोती महल कहलाता है। कहा जाता है कि मोतीमहल के ऊपर लकडी की दो मंजिल और भी थी, जिनमें कांच व चित्रकला का काम किया गया था। जिस कारण वे कांचमहल व रंगमहल कहलाते थे, उन्हें सालिम सिंह की मृत्यु के बाद राजकोप के कारण उतरवा दिया गया। इसके चारों ओर उनतालीस झरोखे व खिड़कियां हैं। इन झरोखों तथा खिड़कियों पर अलग-अलग कलाकृति उत्कीर्ण हैं। इनपर बनी हुई जालियाँ पारदर्शी हैं। इन जालियों में फूल-पत्तियाँ, बेलबूटे तथा नाचते हुए मोर की आकृति उत्कीर्ण हैं।

राष्ट्रीय मरू उद्यान अभयारण्य- इस उद्यान में करीब 700 प्रजातियों की वनस्पति पाई जाती है। जिसमें से केवल घास ही 107 प्रजातियां हैं। रेतीले क्षेत्रे में सबसे अधिक जो पौधा पाया जाता है वह है सेवन घास। अन्य प्रमुख प्रजातियां हैं- सीनिया, खींप, फोग, बोंवली, भुई, मूरठ, लाना आदि। केर, लांप, मूरठ, बेर आदि प्रजातियां पशुओं के चारे के लिए काम में ली जाती हैं। खेजड़ी मरूस्थल का सबसे महत्वपूर्ण पौधा है। यहाँ के भू-दृश्य को रंग रूप प्रदान करने वाला पौधा रोहिड़ा भी है। अन्य वृक्षों में बेर, बोरडी, कुमठ जाल, आक, थोर, गगूल, टांटियां और गांठिया आदि हैं।

आकल वुड फॉसिल पार्क- यह जैसलमर से मात्र 15 किलोमीटर दूर जैसलर-बाड़मेर रोड पर स्थित है और 21 हैक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। लाखों वर्ष पूर्व यहाँ पाए जाने वाले सागरीय जीवों के जीवाश्मों के लिए यह प्रसिद्ध है। इस क्षेत्र में फैले हुए 25 वुड फॉसिल विद्यमान हैं, जिसमें से 10 फॉसिल का काफी भाग पृथ्वी की सतह से ऊपर अनावृत है। सबसे बड़े फॉसिल की लम्बाई 7 मीटर एवं परिधि डेढ़ मीटर है। पर्यटन की दृष्टि से राष्ट्रीय मरू उद्यान का अत्यन्त महत्व है।

सम के धोरे- रेगिस्तान में पहुँचकर रेत के धोरें नहीं देखें यह कैसे हो सकता है। जैसलमेर से 42 कि.मी. दूर सम एवं 45 कि.मी. दूर खुहड़ी के रेतीले धोरों का आकर्षण सैलानियों के लिए किसी भी प्रकार कम नहीं है। बालू के लहरदार धोरों पर जब संध्याकाल में सूर्य की किरणें अपनी आभा फैलाती हैं तो इनका रंग सुनहरा हो जाता है जो देखने वालों के दिल को छू लेता है। बालू के टीलों पर ऊँट की सवारी करना तथा स्थानीय कलाकारों के लोक संगीत का आनन्द लेने का अपना अलग ही मजा हैं। रात्रि में इन धोरों के समीप स्थित खुले मंच पर लोक कलाकारों के गीत-संगीत, नृत्य आदि का आनन्द भी सैलानी उठाते हैं।

लौद्रवा- जैसलमेर से 13 किमी. दूरी पर लौद्रवा का जैन मंदिर 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ को समर्पित है। गर्भगृह में सहसत्रफणी पार्श्वनाथ की साढ़े तीन फीट ऊंची श्याम वर्णीय कसौटी पत्थर की भव्य प्रतिमा स्थापित है, जिसकी प्रतिष्ठा आचार्य श्री जिनपति सूरी द्वारा संवत 1263 में कराई गई थी। इस मूर्ति के ऊपर हीरा जड़ा हुआ है जो मूर्ति के अनेक रूपों का दर्शन कराता है। मंदिर का तोरण द्वार, प्रत्येक स्तम्भ, प्रवेश द्वार एवं शिखर पर शिल्पकारों की कल्पना अद्वितीय रूप में दिखाई देती है। चीनी शैली में निर्मित मंदिर का शिखर, भगवान की प्राचीन प्रतिमा तथा प्रवेश द्वार का ऊपरी भाग देखकर ही देलवाड़ा, रणकपुर और खजुराहो मंदिरों की याद ताजा हो उठती है। मंदिर के चारों कोनों पर एक-एक मंदिर बनाया गया है। मंदिर जैसलमेर के पीले पत्थर से निर्मित है।

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

मरने की होड़

हिंदी फिल्मों के बारे में अकसर कहा जाता था कि इनकी सफलता की इबारत इनका अंत तय करता है। अगर फिल्म खत्म होने के बाद दर्शक भीगी आंखों से थिएटर से बाहर निकलता था तो यह फिल्म की सफलता की गारंटी होती थी। माना जाता था कि फिल्म की कहानी और अभिनेता-अभिनेत्रियों का काम इतना अच्छा है कि लोगों के मन को छू लिया है। इस अंत के छूने में हीरो या हीरोइन के मरने की भी बड़ी भूमिका होती थी। बगावती, क्रांतिकारी, अच्छा इनसान फिल्म के अंत में मर जाए, कोई ऐसी स्त्री जो बेहद मानवीय है, सबके दु:ख-सुख की साथी है यदि वह न रहे तो दर्शक आहें क्यों न भरेगा। क्यों वह आंसू बहाता बाहर नहीं आएगा। और ये ही आंसू फिल्म को न केवल सफल बनाते थे, बल्कि भारी मुनाफा भी होता था।

इन्ही फिल्मों में हीरो-हीरोइंस में मरने की होड़ लगी रहती थी। यदि किसी फिल्म में दो हीरो और दो हीरोइंस हों तो अंत में कौन इस दुनिया को अलविदा कह दे, इस पर मै मै होने लगती थी। कई बार हीरो-हीरोइंस अंत में मरने के लिए डायरेक्टर, प्रोड्यूसर पर भारी

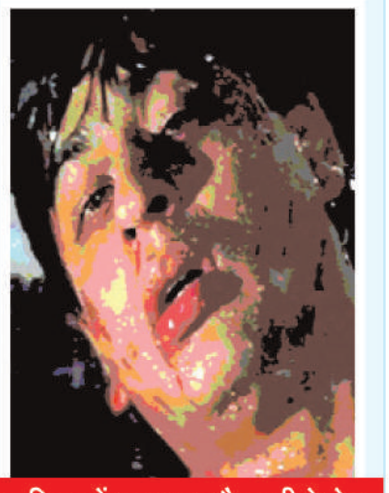

डर फिल्म में शाहरुख और सनी देओल ने काम किया था। पहले बताया गया था कि अंत में सनी को दुनिया से चले जाना है लेकिन चले गए शाहरुख खान।

दवाब डालते थे। आपस में लड़ाइयां हो जाती थी। डर फिल्म में शाहरुख और सनी देओल ने काम किया था। पहले बताया गया था कि अंत में सनी को दुनिया से चले जाना है लेकिन चले गए शाहरुख खान। कहते हैं कि इस बात से सनी इतने नाराज हुए कि उन्होंने शाहरुख से बात करना बंद कर दिया। दिलचस्प है कि लोग जीने के मुकाबले मरना पसंद करते थे, मगर पर्दे पर। आज भी ऐसी फिल्में देखकर आंसू आ जाते है। फिर वक्त बदला। बताया जाने लगा कि जीवन में पहले ही इतना रोना-धोना है। ऐसे में आदमी यदि जिंदगी की कठिनाइयों से पीछा छुड़ाने के लिए कुछ घंटों का मनोरंजन करने आता है, तो क्यों न उसे रोना-धोना छोड़कर आनंद देने वाली तसवीरें दिखाई जाएं। वे फिल्में बनें, जहां किसी चीज की कमी के मुकाबले हर ओर उत्सव ही उत्सव हों। इस विचार में मध्यवर्ग के बढ़ने, युवाओं के मोटे प पैकेज और हर हाथ में मोबाइल का भी हाथ था कि जब चाहो-बस में, मेट्रो में, सड़क, दफ्तर, पार्क में कुछ भी देख लो। इसलिए फिल्में और मनोरंजन के तमाम माध्यम युवाओं और उनकी दिनचर्या को सेलिब्रेट करने लगे। युवा इन्हें देखकर सचमुच समझने लगे कि उनके जीवन में चारो ओर आनंद ही आनंद है। अब अंत में शायद ही कोई हीरोहीरोइन मरना चाहता था। जबकि युवाओं की जिंदगी का सच यह नही था। काम का दवाब बहुत ज्यादा था। काम के घंटे हर इन्क्रीमेंट के साथ बेतहाशा बढ़ते जाते थे। जिम्मेदारियों का बोझ भी। फिर नौकरियों की गारंटी भी नहीं बची थी। बेरोजगार हो जाएं तो तमाम विकसित देशों की तरह कोई बेरोजगारी भत्ता भी नहीं था। मध्य वर्ग का खाना-पीना,इलाज सबसे सरकारें लगातार हाथ खींचती जा रही थी। सरकार की तरफ से अपने वोटों के लिए बहुत कुछ मुफ्त देने की घोषणाएं होती रहती थी, लेकिन मध्य वर्ग के लिए कभी ऐसा कुछ नही होता था। फिल्मों में मध्य वर्ग और अमीरों के जिन वर्गो को हंसते-खेलते दिखाया जाता था, आज भी बहुत सी फिल्में ऐसी बन रही है मगर युवाओं की समस्याओं पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है। बहुत से फिल्म वाले यह कहते भी है कि हम कोई समाज सुधारक या सरकार नही है। हम तो लोगों को उनकी रोज की परेशानियों से दूर ले जाने का काम करते है। जिससे कि वे कुछ ही देर के लिए ही सही आनंद प्राप्त कर सकें। वैसे भी हम जिन फिल्मों में करोड़ों लगाते है, चाहते है कि हमें भी मुनाफा हो। आखिर नुकसान के लिए कौन व्यापार करता है। सही है इसीलिए शायद इन दिनों हीरोहीरोइंस में मरने की होड़ नहीं देखी जाती। ■

■ मनीषा

पुरुषों का ट्रैप पुरुषों के लिए

दरअसल तो ट्रैप का सारा जाल रचते ही हैं पुरुष। यह पुरुषों की पुरुषों के खिलाफ साजिश होती है। जिसके लिए बस स्त्री को जरिया बनाया जाता है। जासूसी के मामलों में पुराने समय से औरतों को यूं ही इस्तेमाल किया जाता रहा है।

जोधपुर में मॉडल के सुसाइड की कोशिश के बाद से हनीट्रैप की परतें खुल रही हैं। जिसका मास्टर माइंड अक्षत शर्मा बताया जा रहा है। जो खूबसूरत औरतों को चुन-चुन कर अपने साथ रखता। उन्हें ट्रेनिंग दी जाती फिर ये नेताओं, डॉक्टर, बिल्डर, बड़े सरकारी नौकरों को अपना शिकार बनाती। अक्षत की साथी लखनऊ की शिखा तिवारी मुंबई में डीजे अदा के नाम से पहचानी जाती है। फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने वाली शिखा, नाइट क्लब में अपना शिकार तलाशती थी। उस पर जयपुर के नामी डॉक्टर को फंसा कर फोटो व वीडियो बनाने का आरोप है। जिसे ब्लैक मेल करके दो करोड़ रुपये मांगे गये थे। पैसा नहीं देने पर रेप का आरोप लगा दिया। वह जेल चला गया। 78 दिन जेल में रहने के बाद उसके परिवार ने डील करके डेढ करोड़ दिये। दोनों 15 से ज्यादा मामलों में लिप्त बताए जा रहे हैं। यह सिर्फ पितृसत्तात्मक समाज ही नहीं है, बल्कि स्त्री के खिलाफ जेहनी तौर पर तमाम फार्मूले ज्यों के त्यों इस्तेमाल हो रहे हैं। मीडिया से लेकर प्रशासन/ व्यवस्था तक पुरुषों को फंसाने वाली औरतों पर तोहमतें जी भर-भर कर लगाता है। वे कभी यह कहते नहीं मिलेंगे कि फलां मर्द लंपट है, इसलिए उसे शिकार बनाया गया। बीते साल सितंबर में राजस्थान में आईएसआई की महिला एजेंट के झांसे में आये रेलवे डाक सेवाकर्मी को हिरासत में लिया था। जो गोपनीय पत्रों को खोल कर उनकी फोटो उसे देता था। फरीदाबाद के कारोबारी ने आग लगा कर आत्महत्या जून में कर ली थी। कहा गया, इंस्टाग्राम के जरिए उसे बदनाम करने की धमकी दी जा रही थी। प्यार-मोहब्बत की बातें बना कर, जाल में फंसाने और ब्लैक मेल करने वाले मामलों को हनी ट्रैप कहा जाता है। इंटरनेट की दुनिया के प्रचलन के साथ ही हनी ट्रैप में फंसने वाले पुरुषों की संख्या में बाढ़ सी आ चुकी है।

हनी ट्रैप को लेकर लगातार मामले मीडिया में आते रहते हैं। अमूमन तो पुरुष लंबे समय तक ब्लैक मेल होते रहते हैं, क्योंकि वे भयवश पुलिस के पास नहीं जाते। अपनी गलती तो कभी मान ही नहीं सकते। खूबसूरत/ आकर्षक लड़की को देखते ही खींसें निपोरे उस पर आशक्त होने वाले कामपिपासु पुरुषों से अपना समाज भरा पड़ा है। ये लड़कियों के पीछे दीवानों के तरह फिरते हैं। उस पर लड़की खुद ही राजी हो तो पुरुषों की मति मारी जानी तय है। बीते साल मध्य प्रदेश में सरकारी अमले की हनी ट्रैप के चलते चूलें हिल गयी थीं। बड़े नेता और पत्रकार इसमें फंसे थे। लगातार सुबूत पेश किये जाने की पॉलटिक्स भी खूब होती रही। दरअसल हनी ट्रैप का मसला बेहद गंभीर है। हैरत है, ट्रैप में लेने वाली औरतों को तो खूब कोसा जाता है। परंतु जो पुरुष इनके जाल में फंसते हैं, उन्हें हमेशा बड़ी सफाई से क्लीन चिट दी जाती है। दरअसल तो ट्रैप का सारा जाल रचते ही हैं पुरुष। यह पुरुषों की पुरुषों के खिलाफ साजिश होती है। जिसके लिए बस स्त्री को जरिया बनाया जाता है। जासूसी के मामलों में पुराने समय से औरतों को यूं ही इस्तेमाल किया जाता रहा है। लंबे अरसे तक विष कन्याओं का खूब इस्तेमाल होता रहा है। जो प्रेम जाल फैलाकर दुश्मन को चित किया करती थीं।

मुझे अच्छी तरह याद है, उस वक्त मैं बहुत छोटी थी पर पामेला के किस्से खूब चटखारों के साथ सुनाये जाते थे। पामेला बोर्डस ने मिस इंडिया बनने के बाद ढेरों पुरुषों को अपना शिकार बनाया। संयुक्त राष्ट्र समेत ढेरों नामी-गिरामी पुरुष उसके झांसे में 88-89 के दौरान आये थे। उसे भले ही रखैल व वेश्या कहा गया और जासूसी के आरोप लगे, पर वह भी कोई कम संदिग्ध मामला नहीं रहा। हाई प्रोफाइल इस तरह के केस उछाले तो जाते हैं, मगर गोपनीयता भंग होने के भय से जल्द ही दबा भी दिये जाते हैं। क्योंकि पुरुषों के राज छिपाने का काम सामूहिक तौर पर पुरुषों द्वारा ही होता है। जहां शिकार और शिकारी दोनों पुरुष होते हैं, स्त्री तो बस जाल होती है। जिसे मुख्य दोषी ठहराया जाता रहा है। ■

कोरोना लक्षण वाले मरीजों को लॉन्ग कोविड की समस्या

कोरोना से रिकवर होने के कुछ सप्ताह बाद अगर फिर से इस बीमारी के लक्षण शरीर में दिखने लगें तो इसे लॉन्ग कोविड कहा जाता है। जिन लोगों को मोटापा, डायबिटीज, हाइपरटेंशन जैसी कोई बीमारी है उनको लॉन्ग कोविड से खतरा हो सकता है। दिल्ली सरकार के जनकपुरी सुपरस्पेशिलिटी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक कर्नल डा. एचसी शर्मा से ज्ञानप्रकाश ने की बात

लॉन्ग कोविड क्या है?

कोरोना से संक्रमित लोगों फिर से इस बीमारी के लक्षणों का समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इन लोगों को संक्रमण से रिकवर होने के कुछ समय बाद फिर से सांस लेने में परेशानी और खांसी की समस्या हो रही है। लोग इसे कोरोना समझकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। जांच करने पर कोविड की रिपोर्ट निगेटिव मिल रही है लेकिन इनमें संक्रमण के लक्षण बने हुए हैं। यह लॉन्ग कोविड की समस्या है। इसमें संक्रमण से ठीक होने के बाद भी लक्षण दिखाई देते हैं। इस बार जिन लोगों में कोरोना का हल्का असर देखा गया था। वह भी लॉन्ग कोविड का शिकार हो रहे हैं। इस समस्या से ठीक होने में कई महीनों तक का समय भी लग सकता है।

लॉन्ग कोविड मरीजों का दबाव कैसा है!

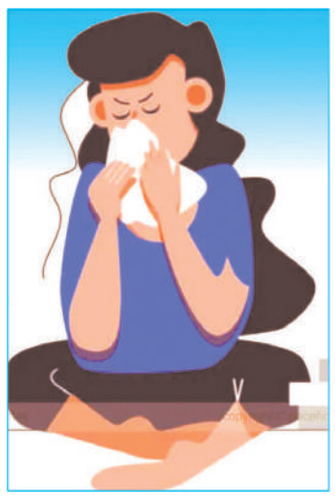

कोरोना की दूसरी लहर की तुलना में इस बार लॉन्ग कोविड के मरीजों की संख्या काफी कम है, हालांकि जिन लोगों में संक्रमण के समय कोविड के हल्के लक्षण थे। वह फिर से इसके लक्षणों का सामना कर रहे हैं। इन लोगों को लगातार खांसी आना, गले में दर्द होना और कमजोरी की शिकायत बनी हुई है। यह सभी मरीज वो हैं, जो होम आइसोलेशन में ही ठीक हो गए थे लेकिन लॉन्ग कोविड का शिकार हो गए। लॉन्ग कोविड से होना वाला खतरा इस बात पर भी निर्भर करती है कि मरीज की उम्र क्या है और उसको कोई पुरानी बीमारी तो नहीं है।

क्या फेफड़ों की परेशानी के मरीजों को ज्यादा दिक्कतें हो रही है?

कोरोना की पिछली लहर के दौरान लॉन्ग कोविड के गंभीर मामले भी सामने आए थे। तब कई मरीज ऐसे थे, जिन्हें कोरोना से रिकवर होने के बाद फिर से आईसीयू में भर्ती करना पड़ा था। कोरोना की वजह से इन मरीजों के फेफड़े काफी कमजोर हो गए थे। सांस लेने में परेशानी और शरीर में ऑक्सीजन की कमी के चलते मरीजों को भर्ती किया गया था। इस बार भी लॉन्ग कोविड के मामले आ रहे हैं लेकिन पिछली लहर की तुलना में मरीजों में इसके लक्षण काफी हल्के हैं।

लॉन्ग कोविड लक्षणों की कैसे पता लगा है कौन से टेस्ट कराने चाहिए?

कोरोना की रिपोर्ट निगेटिव आने के कुछ सप्ताह बाद अगर फिर से इस बीमारी के लक्षण शरीर में दिखने लगें तो इसे लॉन्ग कोविड कहा जाता है। यानी, कोरोना से रिकवर होने के बाद भी इससे संबंधित परेशानियां व्यक्ति का पीछा नहीं छोड़ती हैं। इसमें लगातार थकावट बने रहना, चक्कर आना, सांस लेने में परेशानी शामिल है। हल्के लक्षण वाले मरीजों में भी लॉन्ग कोविड की समस्या लंबे समय तक रह सकती है। जिन लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज लगी हैं। उनको लॉन्ग कोविड की समस्या कम होती है लेकिन अगर किसी व्यक्ति को मोटापे, शुगर, हाइपरटेंशन जैसी कोई बीमारी है तो उनको लॉन्ग कोविड से खतरा हो सकता है। ■

सफल उद्यमी अब राजनीति की ओर

हिजाब मामले को तूल देने वालो के बीच देश की महिला उद्यमी डॉ नौहेरा शेख जैसी महिला भारतीय राजनीति में हिजाब के साथ प्रवेश कर चुकी है। देश की उभरती महिला राजनीतिज्ञ में उनका नाम शामिल है। हैदराबाद की सरजमीं पर हिजाब पहन कर नौहेरा शेख, राजनीतिक दल ऑल इण्डिया महिला एंपावरमेंट पार्टी (एमईपी) 2017 से भारतीय चुनाव आयोग द्वारा पंजीकृत कर चुकी है।

डॉ शेख न केवल सफल अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की महिला उद्यमि एवं व्यापारी है बल्कि वे प्रभावी सामाजिक कार्यकर्ता एवं देश की उभरती हुई राजनीतिज्ञ है। डॉ नौहेरा ने अपना जीवन व्यापार से आरम्भ किया परन्तु अपने सामाजिक कार्यो को प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए था। उनकी व्यापार संस्था हीरा ग्रुप की सफलता को उनके जीवन से अलग करके नहीं देख जा सकता है। व्यक्तिगत रूप से डॉ नौहेरा शेख के हीरा ग्रुप की सफलता मे भी इन्ही तत्वों की सर्वाधिक महत्व है। उन्होंने लोगों का विश्वास जीता। किसी भी व्यापार में विश्वास तथा सकारात्मक साख महत्वपूर्ण है। डॉ नौहेरा ने विभिन्न क्षेत्रों में भी निवेश किया जैस हीरा, गोल्ड, हीरा इन्वेस्टमेण्ट, हीरा टैक्सटाईस, हीरा इलैक्ट्रानिक्स, हीरा ज्वैलरस आदि है। महत्वपूर्ण यह है कि डॉ शेख ने ब्याज रहित व्यापर तथा निवेश को प्रमुखता दी।

डॉ नौहेरा शेख उनके सामाजिक कार्यो के लिए ऑल इण्डिया नेशनल यूजीटी कान्फ्रेन्स द्वारा दिसम्बर 2012 मे इन्दिरा गान्धी प्रियदर्शनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा व्यापार के क्षेत्र में उन्हें इन्डियन विजनेस एण्ड प्रोफेशएनल काउन्सिल की ओर से बिजनेस लीडरशिप आईक्न एवार्ड-2017 दुबई मे सम्मानित किया गया। उन्होंने महसूस किया कि यदि महिलाओं को अवसर और उचित मार्गदर्शन मिले तो वे न केवल स्वंय महिलाओं और समाज का कल्याण कर सकेगी बल्कि देश सेवा भी कर सकेगें। उन्होंने लड़कियो के लिए मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था की तथा उनके लिए व्यवसायिक पाठ्यक्रमों को भी लागू किया।

डॉ नौहेरा शेख ने महसूस किया कि महिलाओं के सशक्तिकरण तथा उत्थान के लिए राजनीति मे उनकी भागीदारी बहुत आवश्यक है प्रजातान्त्रिक प्रणाली में बिना राजनीतिक प्रभाव के वे प्रभावी रूप से महिलाओं को उत्थान नही कर पायेंगी। उन्होंने महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए ऑल इण्डिया महिला एम्पावरमेण्ट पार्टी का वर्ष 2017 मे गठन किया तथा चुनाव आयोग मे उसे पंजीकृत कराया। यह मानना गलत होगा कि डॉ नौहेरा शेख अथवा उनकी एमईपी को केवल महिलाओं की ही चिन्ता है। एमईपी समाज के हाशिये पर खड़े वर्ग तथा वंचित वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है जिसमे किसान, छोटे व्यापारी और अन्य वर्ग शामिल है।

■ निकहत परवीन

ब्यूटी

■ शहनाज हुसैन

बालों के झड़ने को रोकने के लिए सही भोजन

स्वस्थ बालों के विकास को बढ़ावा देने और बालों के झड़ने को नियंत्रित करने के लिए आहार बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में, पोषण की कमी बालों के झड़ने के सबसे आम कारणों में से एक है। प्रोटीन के अलावा, दैनिक आहार में शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन, खनिज, ट्रेस तत्व और बायोफ्लेविनोइड्स की आपूर्ति होनी चाहिए। यह प्रोटीन के उचित विघटन और उपयोग के लिए पर्याप्त एंजाइम भी प्रदान करता है।

स्वस्थ बालों के लिए आवश्यक खनिज लोहा, जस्ता, मैग्नीशियम, सल्फर, पोटेशियम और आयोडीन है। लोहे की कमी सुस्त, भंगुर बालों का कारण है और यहां तक कि बालों के झड़ने का कारण भी बन सकती है। अगर आपको बालों की ऐसी समस्या है, तो आपको एनीमिक स्थिति से बचने के लिए डॉक्टरी सलाह लेनी चाहिए।

बायोटिन, बी-विटामिन में से एक और आवश्यक फैटी एसिड भी बालों के लिए महत्वपूर्ण है। आवश्यक फैटी एसिड बालों के विकास को बढ़ावा देने में मदद करते हैं और मछली, अलसी, अलसी के तेल, अखरोट और सोयाबीन में उपलब्ध है। बी-विटामिन की पर्याप्त मात्रा रूसी जैसी सामान्य शिकायतों को रोकने और नियंत्रित करने में मदद कर सकती है।

आपके दैनिक आहार में ताजे फल और सब्जियां शामिल होनी चाहिए, जहां तक संभव हो, कच्चे और छिल्के के साथ खाएं, क्योंकि इससे विटामिन, खनिज और एंजाइम की उचित आपूर्ति सुनिश्चित होती है। पत्तेदार हरी सब्जियां महत्वपूर्ण हैं।

सलाद में लेट्यूस, टमाटर, गाजर, खीरा, मूली, पत्ता गोभी, सेब, संतरा, अंगूर, अनानास, ग्रेपफ्रूट आदि को आसानी से डाला जा सकता है। मेवे और बीज डालें। लो कैलोरी ड्रेसिंग के रूप में नीबू का रस, पुदीना और हरा धनिया मिला सकते हैं। जहां तक बालों की बात है तो दही एक अद्भुत भोजन है। ताजे फल और सब्जियों का जूस भी लिया जा सकता है।

सांस लेने के व्यायाम के साथ-साथ दैनिक व्यायाम बहुत उपयोगी होते हैं। वे ऑक्सीजन बढ़ाते हैं और तनाव कम करते हैं। हालांकि, किसी भी आहार या व्यायाम कार्यक्रम को अपनाने से पहले, अपने चिकित्सक से परामर्श करना सबसे अच्छा है। इसके अलावा, अगर बाल झड़ रहे हैं तो अपने डॉक्टर से विटामिन और मिनरल सप्लीमेंट्स लेने के लिए कहें ■

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(१६फरवरी-२२फरवरी)

मेष (21मार्च-20अप्रैल)- आपका प्रभाव, करिश्मा और सृजनात्मक प्रवृत्तियां शिखर पर होंगी। व्यापार में लाभ एवं उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। आप जीत के पथ पर हैं। प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी, साहित्य संगीत में दिलचस्पी का फायदा होगा। स्वस्थ का पूरा ख्याल रखें। पारिवारिक वातावरण सुखद होगा। व्यापार में नई योजनाएं क्रियान्वित होंगी। प्रेम प्रसंगों में सफलता मिलने के आसार हैं।

वृषभ -(21अप्रैल-21मई)- वाद विवाद में पड़ने की कोशिश ना करें, यह सही समय नही है। योजनाएं कल्पना के अनुसार साथ नहीं आ रही है , हार ना मानें, हर चीज में समय लगता है। यदि कोई अनबन हो गई है तो दोस्तों या परिवार के बीच पुलों को सुधारने का समय अच्छा है। आगे कठिन संघर्ष है लेकिन सफलता निश्चित है। स्वास्थ के प्रति लापरवाही ना बरतें।

मिथुन (22मई -21जून)- व्यापार से जुड़े सभी कामकाज और निजी रिश्तों में राय जाहिर करने से पहले बुद्धिमता से काम लें। बुद्धिमानी श्रम और समय से आर्थिक और वित्तीय मामलों को सुलझा लेंगे। व्यावसायिक कौशल की प्रशंसा होगी, नई संभावनाएं आएंगी। घर और नौकरी बदलने का विचार है। रिश्ता सकारात्मक ढंग से बनेगा। प्रकृति के साथ एकांत में समय बिताना राहत देगा।

कर्क (22जून-22जुलाई)- यह शक्ति से परिचय करवाएगा। आकांक्षाओं को पूरा करने की कोशिश करेंगे। शारीरिक एवं एवं मानसिक तौर पर संतुलित रहने की आवश्यकता है। काम के प्रति अधिक सकारात्मक और ऊर्जावान महसूस करेंगे। आध्यात्म में रूचि बढ़ेगी। विवाह का योग बन रहा है। जीवन साथी की भावनाओं को नजरअंदाज ना करें। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

सिंह (23जुलाई-21अगस्त)- खुद को आत्मविश्वास से भरा हुआ पाएंगे। अधिकारी का सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में निवेश और योजनाओं को गुप्त रखे, उलझन को सुलझाते समय स्वजनों की भावनाओं की अनदेखी ना करें. दाम्पत्य जीवन में मधुरता को बनाये रखने के लिए थोड़ा समय जीवन साथी के लिए भी जरूर निकालें। सेहत के प्रति लापरवाही ना बरतें।

कन्या (22अगस्त -23सितम्बर)- कोई उत्सव नई ऊंचाई हासिल करने के लिए प्रेरित करेगा और रचनात्मक विचार भी देगा। जटिल और मुश्किल प्रोजेक्ट में शानदार और नए विचारों से भरे रहेंगे। प्रेम रिश्तों को बेहतर करेगा और घर में भी सामंजस्य लाएगा। आपके सामने विकल्प होंगे, बेचैन हो सकते है। कोई भी निर्णय लेने से पहले प्राथमिकताओं को देखें। सामाजिक जीवन शानदार रहेगा। ऊर्जा का संतुलन बनाने के लिए ध्यान करें।

तुला (24सितम्बर -23अक्टूबर)- शारीरिक कष्ट और पीड़ा का अनुभव हो सकता है, मानसिक रूप से खुद पर बहुत दबाव डाला है, यह ब्रेक लेने और दिमाग और मांसपेशियों को आराम देने का समय है। लोगों के नकारात्मक प्रभाव से लड़ना चाहिए और खुद पर विश्वास रखना चाहिए। भावनात्मक रूप से ना उलझें और व्यवहारिक निर्णय लें। लक्ष्य पर विश्वास रखें।

वृश्चिक (24अक्टूबर-22नवम्बर)- दयालु और उदार बने रहकर परिजनों के और करीब आएंगे। बच्चे अपने लक्ष्य को हासिल करने की तरफ ध्यान लगाते दिखेंगे। व्यवसाय अपनी गति से आगे बढ़ेगा, संघर्ष नही करना होगा। अतीत को लेकर ज्यादा संवेदनशील है, कुछ स्थितियों में ज्यादा उत्साहित हो सकते है। ध्यान करें जिससे भीतर संतुलन हासिल कर सकें। ऊर्जा और धन को बचाएं।

धनु (23नवम्बर-22दिसम्बर)- ईगो छोड़कर परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठने की सख्त आवश्यकता रहेगी। कारोबार में प्रगति या विशेष पद की प्राप्ति के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता को बनाये रखने के लिए, जीवन साथी की भावनाओं की अनदेखी करने से बचें। सेहत के प्रति लापरवाही ना बरतें। ध्यान और योग करें। वाणी पर संयम रखें।

मकर (23दिसम्बर -20 जनवरी)- खुद पर विश्वास रखने की जरुरत है, किसी भी कार्य में यदि बाधा आ रही है तो धैर्य और परिपक्वता से उसे दूर करने की कोशिश करें। कड़ी मेहनत से ही सफलता प्राप्त होगी। बचत करनी चाहिए एवं आर्थिक मामलों में सुधर करते रहना चाहिए। अपने परिजनों के साथ खुशनुमा समय बिताएंगे। रिश्तों के प्रति सजग रहें। मान सम्मान में वृद्धि होगी।

कुम्भ (21जनवरी -19फरवरी)- किसी प्रभावी व्यक्ति से मिला सहयोग उत्साह को दोगुना कर देगा। बेहतर काम की लोग तारीफ करेंगे। धन के लेन देन में सावधानी बरतें। कार्यक्षेत्र में सतर्क रहने की जरुरत है। छोटी सी लापरवाही परेशानी का कारण बन सकती है। जीवन साथी के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। दूसरों का ध्यान आसानी से खींचने में कामयाब होंगे। विवाह की बात चल सकती है।

मीन (20फरवरी-20 मार्च)- नकारात्मक विचारों को खत्म करें और रचनात्मक सोच को लाएं। जीवन को दृष्टिकोण बदलने की जरुरत है। मित्रों एवं परिवार के साथ समय व्यतीत करें, जिससे रिश्तों में मधुरता बनी रहे। यदि नौकरी बदलने की सोच रहे है तो इस्तीफा देने से पूर्व अच्छे से सोच विचार कर लें। ■

गोभी की खीर

सामग्री- दूध 1 लीटर, एक कटोरी कद्दूकस की हुई गोभी, 10-15 काजू के टुकड़े, 20-25 किसमिस, 100 ग्राम खसखस, 10-15 बादाम कटा हुआ, एक कप फ्रेश क्रीम, दो कप चीनी पिसी हुई, इलायची पाउडर एक चम्मच, 2 चम्मच घी

विधि- सबसे पहले मिक्सी में गोभी और खसखस को पीस कर पेस्ट बना लें। धीमी आंच में फ्राई पैन को गरम करें। फिर दो चम्मच घी डालें। घी गरम होते ही इसमें गोभी के पेस्ट डाल दें। अब दस मिनट तक करछुल से चलाते रहें। थोड़े समय के बाद इसमें काजू, किसमिस,बादाम, इलायची पाउडर और दूध डालकर धीमें आंच में लगातार चलाते रहें। जब दूध गाढ़ा होकर आधा हो जाए तब चीनी और फ्रेश क्रीम मिला दें। गोभी की खीर तैयार है। फ्रीज में रखकर ठंडा सर्व करें।

अनिता घोष

मसाला सहजन

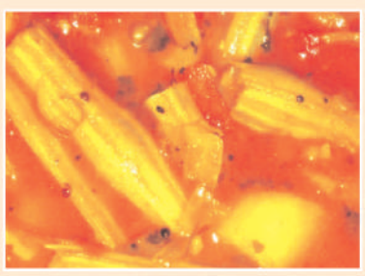

सामग्री- सहजन के डंठल 5-6 , दो प्याज बारीक कटा हुआ, एक कप कद्दूकस किया हुआ नारियल, एक छोटा चम्मच हरी धनिया कटी हुई, एक चम्मच हल्दी पाउडर, 2-3 साबूत लाल मिर्च, एक चम्मच इमली का गूदा, तेल आवश्यकतानुसार, नमक स्वादानुसार।

विधि- सबसे पहले सहजन के डंठल को छील कर 3-4 टुकड़ो में काट लें। अब मिक्सी में प्याज और धनिया पत्ती को छोड़ कर सभी सामग्रियों को पीस लें। मीडियम आंच पर फ्राई पैन रख कर तेल गरम करें। तेल गरम होते ही प्याज डालकर सुनहरा होने तक भून लें। प्याज भून जाने के बाद इसमें पीसे हुए मसालों का पेस्ट और नमक डाल दें। जब मसाला अच्छे से भून कर तेल छोड़ने लगे तब इसमे कटी हुई सहजन डाल दें। एक कप पानी डालकर धीमी आंच कर दें। 5 मिनट के बाद जब डंठल नरम पड़ जाए तो आंच बंद कर दें। तैयार हो गया स्वादिष्ट मसाला सहजन करी। हरे धनिए के साथ गरमा गरम चावल या पराठों के साथ सर्व करें।

पीएम नरेंद्र मोदी बोले-भाजपा सरकार होने का मतलब है, दंगाराज, माफियाराज, गुंडाराज पर बराबर कंट्रोल

सीतापुर। मिलिट्री ग्रास फार्म में भीड़ से खचाखच भरे मैदान में सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, ऋषियों मुनियों की तपस्थली सीतापुर व यहां की जनता को मेरा प्रणाम। आपका उत्साह बता रहा है, यूपी में शेष चरणों में भाजपा का ही परचम लहराएगा। भाजपा को रिकार्ड मतों से जिताना है। पिछली बार का भी रिकार्ड तोड़ना है। यूपी में भाजपा सरकार का मतलब दंगा, माफिया व गुंडाराज पर नियंत्रण। यूपी में पूजा के दिन, पर्व के दिन मनाने की खुली स्वतंत्रता। बहनों, बेटियों की मनचलों से सुरक्षा। गरीब के कल्याण के लिए निरंतर काम। केंद्र की योजनाओं पर डबल गति से काम। साथियों आज संत रविदास जी की जयंती भी है। उनके अनेक मंदिरों में भक्त जुटे हैं। आज दिल्ली में उनके मंदिर जाने का सौभाग्य मिला। मान्यता है कि जब एक बार गुरु रविदास जी राजस्थान जा रहे थे, दिल्ली में उसी स्थान पर विश्राम किया था। मेरा सौभाग्य है कि उस काशी से सांसद हूं, जहां संत रविदास जी का जन्म हुआ था। बनारस में उनके मंदिर परिसर का पवित्र सौंदर्यीकरण कार्य करा सका। यह सौभाग्य उनको मिल पाया। पहले सरकार में लोग लंगर चखकर, फोटो कराकर चले जाते थे। भाजपा सरकार

श्रद्धालुओं के लिए अनेक सुविधाएं विकसित कर रही है। देश के कोने-कोने से श्रद्धालु उनके दर्शन के लिए काशी पहुंच रहे हैं। 2017 से पहले जिन लोगों ने पांच वर्ष सरकार चलाई, उनको संत रविदास जी से चिढ़ रही। हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर चल रही है। हमारी योजनाओं के केंद्र में गरीब, दलित, शोषित, पिछड़े, वंचितों का कल्याण है। आप सब जानते हैं पूरी दुनिया पिछले दो वर्ष से महामारी की चपेट में है। महामारी में भी भाजपा सरकार ने गरीब का जीवन बचाने को प्राथमिकता दी। संत रविदास जी की प्रेरणा से सरकार काम कर रही है। संत रविदास जी का दोहा सुनाकर कहा वह कहते हैं कि मैं एक ऐसा राज चाहता हूं, सभी को अन्न मिले, समाज समरस होकर रहे, इसी सोच के साथ यूपी के करोड़ों लोगों को दो वर्ष से निश्शुल्क राशन दिया जा रहा है। हर समुदाय लाभान्वित हो रहा है। जब गरीब की तकलीफ का अहसास हो तो ऐसे ही काम होता है, काम किया जाता है। गरीब का राशन जो पहले माफिया लूट लेता था, उसका एक-एक दाना आज गरीब के घर पहुंच रहा है।

पूरे कोरोना काल में मेरा एक बात पर हमेशा ध्यान केंद्रित रहा, किसी गरीब के घर ऐसा दिन नहीं आना चाहिए, कोई भूखा न सोए, इसके लिए जागते रहे। गरीब किसी वर्ग को हो, वह जानता है कि संकट के समय किसने साथ दिया और कौन संकट के समय लापता हो गया था। साथियों कोरोना के समय में गरीबों को निश्शुल्क वैक्सीन का भी सरकार ने ध्यान रखा। बड़ा अभियान चलाकर वैक्सीन लगाई। पहले की सरकारों का वैक्सीनेशन कार्यक्रम गांवों तक पहुंचता ही नहीं था। वर्षों कार्यक्रम चलते थे, गरीबों को वैक्सीन की एक डोज नहीं लग पाती थी। आज भाजपा सरकार है, देश के कोने-कोने में गरीब को निश्शुल्क वैक्सीन लगवा रही है। भीड़ से सवाल किया, वैक्सीन लगवाई है, घर-घर सरकार ने कर्मचारी भेजे। आपकी जिंदगी बचाने के लिए जान लगा दी। विदेशों में कोरोना का ही टीका बहुत अधिक कीमत पर लग रहा है।

यूपी का मजाक उड़ाने व पंजाब से भगाने वालों को सबक सिखाएगी जनता : पीयूष गोयल

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को लखनऊ में समाजवादी पार्टी और कंग्रेस पर जोरदार हमला बोला। पीयूष गोयल ने कहा कि यूपी और बिहार के लोगों का मजाक उड़ाने व पंजाब से भगाने की कोशिश करने वालों को विधानसभा चुनाव में जनता सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के भीषण दौर में कांग्रेस नेता मुंबई से लोगों को भगा रहे थे। वहीं पीएम मोदी व सीएम योगी ने सभी का आगे बढ़कर स्वागत किया, उनका जीवन व जीविका चलाई। वहीं, पीयूष गोयल ने यह भी आरोप लगया कि एसपी सिंह बघेल को चुनाव मैदान में करहल सीट से उतारने के बाद से अखिलेश यादव परेशान हैं। इसीलिए उन पर हमला किया गया। ज्ञात हो कि पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का इंटरनेट मीडिया पर वीडियो वायरल है, जिसमें वह यूपी कांग्रेस प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के सामने यूपी और बिहार वालों को वापस भेजने की दलील दे रहे हैं। पत्रकारों के सवाल पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कांग्रेस शुरू

से यूपी के लोगों का मजाक उड़ाती रही है। शिपिंग घोटाले पर उन्होंने कहा कि 2012-13 में जब यूपीए की सरकार थी और समाजवादी पार्टी उसे समर्थन दे रही थी, तब ऋण दिया गया था। इसका जवाब दो लड़कों राहुल गांधी व अखिलेश यादव को देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने योगी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि पहले व दूसरे चरण से जो संकेत मिले हैं उसमें भाजपा 2017 की तरह 300 सीटों के साथ सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि सपा ने एक बार फिर अपनी हकीकत दिखाई। मुझे लगता है कि एसपी सिंह बघेल को चुनाव मैदान में करहल सीट से उतारने के बाद से अखिलेश यादव परेशान हैं। गोयल ने आरोप लगाया कि एसपी सिंह बघेल पर हमला किया गया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से की है। उन्होंने आगे कहा कि 2017 से पहले यूपी ने जो माफिया राज और आपराधिक गतिविधियों को देखा। उससे डर का माहौल पैदा हो गया। इसने यूपी को कभी विकसित राज्य नहीं बनने दिया।

सपा-भाजपा पर सतीश मिश्रा ने साधा निशाना कहा- बसपा ही प्रदेश में दे सकती है कानून का राज

मैनपुरी। बसपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य सतीश मिश्रा ने मंगलवार को मैनपुरी में बसपा प्रत्याशी गौरवनंद के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बसपा ही प्रदेश में कानून का राज दे सकती है। सपा और भाजपा सरकारें प्रदेश में विकास नहीं करा सकी हैं। अपराधी दोनों सरकारों में खुलेआम घूमते रहे हैं। बसपा में समाज का हर वर्ग सुरक्षित रहा है।उन्होंने कहा कि सपा और भाजपा मिलकर वोटों का ध्रुवीकरण करते हैं। पांच साल में महिलाओं के साथ सबसे ज्यादा अपराध हुए हैं। एक जाति विशेष के लोगों के सबसे ज्यादा एनकाउंटर हुए हैं। किसानों को जीप से कुचलने का षड़यंत्र रचने वाले केंद्र सरकार के मंत्री को एसआईटी की जांच में दोषी पाए जाने के बाद भी आज तक बर्खासत नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि बसपा ही प्रदेश में सुशासन दे सकती है। जनसभा में पूर्व मंत्री नकुल दुबे ने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव का मन बना चुकी है। बहुजन समाज ने हमेशा प्रदेश की सरकार बदली है। प्रदेश में समाज का हर वर्ग परेशान है। किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। बसपा नेता कपिल मिश्रा ने कहा कि युवाओं के लिए सपा और भाजपा सरकार ने कुछ नहीं किया है। युवा बेरोजगार है। भाजपा सरकार ने नौकरियां देने की बजाए छीनी हैं। मंच पर मैनपुरी से बसपा प्रत्याशी गौरव नंद मैनपुरी, किशनी से प्रभुदयाल, करहल से दीपक पेंटर करहल और भोगांव से प्रत्याशी अशोक चौहान भोगांव मौजूद रहे।

मैनपुरी में गरजे गृहमंत्री अमित शाह, कहा- पहले और दूसरे चरण में सपा का सूपड़ा साफ

मैनपुरी। पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि अखिलेश बाबू की सरकार परिवार के लिए चलती थी। सपा सरकार में एक जाति विशेष का काम होता था। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पहले और दूसरे चरण के चुनाव में सपा का सूपड़ा साफ हो गया है। इन दो चरणों में भाजपा सरकार की नींव डालने का काम किया है। अब मैनपुरी को इस नींव पर तीन सौ पार का विशाल महल बनाकर खड़ा करना है। उन्होंने मंगलवार को शहर के क्रिश्चियन मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए मैनपुरी को मार्कंडेय ऋषि की तपोभूमि और महाराजा तेजसिंह की कर्मभूमि बताते हुए नमन किया। उन्होंने कहा कि बुआ और भतीजा का सरकारों में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था देश में सातवें स्थान पर थी। उन्होंने आगामी पांच साल में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नंबर वन बनाने का वादा किया। कहा कि भाजपा सरकार में प्रदेश में दस लाख करोड़ का उद्योग लगाकर रोजगार देने का काम करेगी।कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताते हुए गृहमंत्री ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने धारा 370 हटाई, तीन तलाक को खत्म किया तो अखिलेश ने विरोध किया। क्योंकि वह वोट बैंक से डरते थे, लेकिन हम वोट बैंक से नहीं डरते। उन्होंने कहा कि अखिलेश ने कहा था 370 हटी तो खून की नदियां बह जाएंगी, लेकिन एक कंकड़ भी नहीं चला। उन्होंने कहा कि अखिलेश किसे डराने का काम करते हैं, यहां कोई डरने वाला नहीं है। गृहमंत्री ने कहा कि अखिलेश बाबू कहते हैं कि क्या परिवर्तन हुआ है, लेकिन जो पीला चश्मा लगाए होता है उसे सब पीला ही नजर आता है। कोरोना से बचाव के लिए जब मोदी जी वैक्सीन लाए तो अखिलेश कहते थे ये मोदी वैक्सीन ये मत लगवाना। बाद में अखिलेश ने भी डरकर वैक्सीन लगवा ली। उन्होंने संकल्प पत्र में किए गए वादे दोहराते हुए दूसरी बार जनता से भापजा और योगी आदित्यनाथ को आशीर्वाद देने के लिए जनता से अपील की। अमित शाह ने भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। मंच पर मैनपुरी सदर सीट से भाजपा प्रत्याशी ठाकुर जयवीर सिंह, भोगांव से प्रत्याशी रामनरेश अग्निहोत्री, केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल आदि मौजूद रहे।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कोरोना काल में दो साल तक मोदी सरकार ने निशुल्क राशन उपलब्ध कराने का काम किया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार दो बार राशन दे रही है। एक बार मोदी जी निशुल्क राशन दे रहे हैं तो वहीं योगी सरकार राशन के साथ ही निशुल्क तेल, नमक और दाल भी दे रही है। लेकिन सपा सरकार में जो राशन केंद्र से आता था उसे अखिलेश नेपाल में बेच देते थे।

चौथे चरण के वोट से पहले बांदा में नजर आया लोगों का रुझान

बांदा। यूपी में जैसे-जैसे चौथे चरण के वोट का समय नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे बांदा में लोगों का रुझान भी नजर आ रहा है। यहां लोगों ने फिर सपा प्रत्याशी बृजेश प्रजापति का जमकर विरोध किया और तख्तियां पर लिखकर उन्हें क्षेत्र से जाने के लिए कहा। हालात ये हुए कि सपा प्रत्याशी को मौके से गाड़ी भगानी पड़ी, जिसकी चपेट में आने से एक प्रदर्शनकारी घायल हो गया। सपा के प्रत्याशी बृजेश प्रजापति ही इस तिंदवारी विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा विधायक हैं। वह चुनाव पूर्व भाजपा छोड़ सपा में शामिल हो गए हैं, जिसके बाद सपा से तिंदवारी टिकट भी दे दिया है।

हालांकि बृजेश प्रजापति को लेकर क्षेत्र के एक वर्ग में खासी नाराजगी देखी जा रही है। प्रजापति जब वोट मांगने के लिए जमालपुर गांव पहुंचे तो ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने काम नहीं तो वोट नहीं कहकर विरोध किया और नारेबाजी शुरू कर दी। लोगों का विरोध बढ़ता देखकर प्रजापति के ड्राइवर को वहां से गाड़ी भगानी पड़ी, जिसकी चपेट में आकर एक युवक घायल हो गया। इसके बाद ग्रामीणों व सपा समर्थकों के बीच जमकर नोकझोंक हुई। कुछ देर में सपा प्रत्याशी अपने समर्थकों सहित गांव से नौ दो ग्यारह हो गए। बृजेश प्रजापति इससे पहले भी जब सपा का टिकट लेकर बांदा पहुंचे थे तो चिल्ला में कई लोगों ने उनका विरोध किया था। इन लोगों की शिकायत है कि 5 साल विधायक रहते हुए प्रजापति ने कभी क्षेत्र में अपनी शक्ल नहीं दिखाई। उनके इलाके का किसी प्रकार का कोई विकास नहीं किया गया।

मैनपुरी: जिले में थम रही कोरोना की रफ्तार मात्र दो मिले नए संक्रमित

मैनपुरी। जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार थमती नजर आ रही है। मंगलवार को जिले में मात्र दो कोरोना संक्रमित मिले। दोनों को सीएमओ के आदेश पर होम आइसोलेट किया गया। वहीं जिले के 205 स्थानों पर शिविर लगाकर 8200 लोगों का टीकाकरण किया गया। सीएमओ डॉ. पीपी सिंह ने बताया जिले में कोरोना की रफ्तार थम गई है। मंगलवार को जिले में मात्र दो नए कोरोना संक्रमित मिले। दोनों में किसी प्रकार की लक्षण नहीं दिखे, जिसके बाद दोनों को सीएमओ ने होम आइसोलेट कराया। मंगलवार को पहले से संक्रमित चल रहे तीन लोगों की की जांच रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हुई है। सीएमओ ने बताया कि जिले में एक्टिव केस की संख्या 39 है। उन्होंने जिले के लोगों से अपील की कि वे कोविड-19 की गाइड लाइन का पालन करें। सीएमओ ने बताया कि कोरोना की रोकथाम के लिए लगातार टीकाकरण कराया जा रहा है।

अखिलेश बोले- साथ लेकर निकला हूं लाल पोटली गर्मी निकालने वालों की भाप निकाल देगा नौजवान

कानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा सरकार को घेरा है और नाम लिये बगैर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि गर्मी निकालने वालों की नौजवान अब भाप निकाल देगा क्योंकि यह सिर्फ जुमले की सरकार है। यह चुनाव नये उत्तर प्रदेश व संविधान बचाने का चुनाव है और मैं किसानों के लिए लाल पोटली साथ लेकर निकला हूं, जो 10 मार्च ही खुल जाएगी। इस पोटली में अनाज है। वह बुधवार को औरैया और कानपुर देहात में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। औरैया के ककोर और बिधूना क्षेत्र में आयोजित जनसभा में पूर्व मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा शून्य की ओर भाजपा है, पहले चरण से भाजपा का सफाया होने लगा है और ह्ययोगी-मोदीह्न की लहर शांत पड़ रही है। बैंकों का पैसा लेकर ये लोग भाग रहे हैं। लखीमपुर खीरी में हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि मंत्री के पुत्र को जमानत मिल गई, इस सरकार में पुलिस व प्रशासन बेलगाम है।

रोजगार नहीं मिला न कोई सपना साकार हुआ। उन्होंने कहा कि छोटे नेता छोटा झूठ बोल रहे बड़े नेता बड़ा। भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने को कहा तो क्या हुआ। किसानी की धान नहीं खरीदी गई, बिचौलियों ने खरीदी। बडे-बड़े उद्योगपति 23 हजार करोड़ रुपया लेकर भाग निकले। हर रोज डीजल-पेट्रोल के दाम बढ़ रहे हैं। सिर्फ महंगाई ही सरकार का एजेंडा है। 11 लाख पद अलग-अलग विभागों में खाली है, जो सपा ही भरेगी। गोशाला के नाम पर सिर्फ लूट हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए कहा कि जिन मवेशियों को सुरक्षित करने की बात कही जा रही थी, वे कारों को टक्कर मार रहे हैं, यह सिर्फ जुमले की सरकार है। किसानों के लिए लाल पोटली साथ लेकर निकला हूं, जो 10 मार्च ही खुल जाएगी। इस पोटली में अनाज है। यह चुनाव नये उत्तर प्रदेश व संविधान बचाने का चुनाव है।

केंद्रीय मंत्री के काफिले पर किया पथराव

मैनपुरी। करहल थाना क्षेत्र के गांव अतिकुल्लापुर के पास करहल सीट से भाजपा प्रत्याशी एसपी सिंह बघेल के काफिले पर कुछ युवाओं ने मंगलवार शाम पथराव कर दिया। घटना में भाजपा प्रत्याशी बाल-बाल बचे। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही पथराव करने वाले भाग गए।केंद्रीय कानून राज्य मंत्री और करहल विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी एसपी सिंह बघेल मंगलवार शाम क्षेत्र में जनसंपर्क के लिए निकले थे। वह पार्टी नेताओं के साथ करहल थाना क्षेत्र के गांव अतिकुल्लापुर में जा रहे थे। गांव के बाहर पहले से मौजूद कुछ लोगों ने उनके काफिले पर पथराव कर दिया। इससे काफिले में चल रही एक कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी मिलने के बाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक पथराव करने वाले वहां से भाग गए। एएसपी मधुवन कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी। भाजपा प्रत्याशी प्रो. एसपी सिंह बघेल के साथ पहले भी अभद्रता और गाली गलौज की वारदात हो चुकी है।

मैनपुरी में बोले केशव प्रसाद- अखिलेश की जमानत जब्त कराएगा करहल

मैनपुरी। करहल विधानसभा क्षेत्र के बरनाहल कस्बे में मंगलवार को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनसभा को संबोधित किया। अपने भाषण में वह सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमलावर रहे।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि करहल विधानसभा क्षेत्र में इस बार सपा प्रत्याशी अखिलेश यादव की हार ही नहीं जमानत तक जब्त होगी। मैनपुरी के लोग सपा के आतंक से परेशान हैं। इस बार मतदाता वोट के जरिए आतंक से निजात लेंगे। वह मंगलवार को डालूपुर रोड पर मैदान में भाजपा प्रत्याशी एसपी सिंह बघेल के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि किसानों को फ्री बिजली, युवाओं, छात्राओं को स्कूटी, स्मार्टफोन, टेबलेट सहित युवाओं को रोजगार दिया है। जो लोग अभी उपद्रव कर रहे हैं उनकी सूची बना लेना। दस मार्च के बाद उनसे निपटने का काम भारतीय जनता पार्टी करेगी। राज्यसभा सदस्य गीता शाक्य पर हुए हमले का जिक्र करते हुए कहा कि जिन लोगों ने यह उन पर जानलेवा हमला किया है उनको हम सबक सिखाएंगे। उन पर कड़ी कार्रवाई करते हुए दस मार्च के बाद जेल पहुंचाएंगे। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि दस मार्च के बाद समाजवादी पार्टी का नाम बदलकर समाप्त वादी पार्टी करने का काम उत्तर प्रदेश की जनता करेगी। जितना कमल का बटन दबाएंगे उतना ही आतंकवाद का सफाया होगा। प्रदेश में भाजपा की ही सरकार बनेगी। चुनावी सभा के मंच पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप चौहान, अनुजेश प्रताप यादव, संजीव यादव, सुधीर दीक्षित, कृष्णमुरारी मिश्रा, अवधेश यादव, प्रदीप शाक्य, रेनू शाक्य, कुंती शाक्य मौजूद रहे।

किशनी के एक स्कूल में भाजपा प्रत्याशी आशू दिवाकर के समर्थन में जनसभा में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पहले दो चरण के मतदान में साइकिल पंचर हो चुकी है। दंगाइयों को सरंक्षण देने वाली सपा के समय में प्रदेश में 700 दंगे हुए थे। दस मार्च की सुबह 11 बजे ही सपा के 12 बज जाएंगे। चुनाव में बेखौफ होकर वोट डालना। परेशान करने वालों के नाम नोट करना उनको सबक हम सिखाएंगे।

भाजपा प्रत्याशी के सामने लगे अखिलेश जिंदाबाद के नारे, ग्रामीणों के तेवर देख विधायक लौटे

गोंडा। यूपी विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान कई तरह के मामले भी सामने आ रहे हैं। कटरा बाजार विधानसभा के भदैंय्या कटहारिया गांव में एक घटना का एक वीडियो मंगलवार को वायरल होने के बाद खलबली मच गई है। गांव में बीते दिनों भाजपा प्रत्याशी व विधायक बावन सिंह जनसंपर्क कर रहे थे। भदैंय्या कटहरिया गांव के लोगों ने पहले विधायक से कई सवाल किए। इसके बाद गांव के लोग सपा मुखिया अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। यही नहीं सपा के प्रत्याशी बैजनाथ दुबे के जिंदाबाद के भी नारे लगे। गांव के लोगों की ओर से लगातार नारे लगते रहे। मौके की नजाकत को भांपकर विधायक गांव से वापस लौट पड़े। गांव के लोग पीछे- पीछे चलकर भी नारे लगाते रहे। लेकिन विधायक ने मौके पर चतुराई दिखाई और बिना कुछ बोले ही चले गए। चर्चा है कि गांव के लोगों में नाराजगी दूर करने के लिए ही विधायक गांव गए थे, लेकिन वहां विरोध का सामना करना पड़ा।

मतदाता जागरुकता अभियान का हुआ आयोजन

मऊ। नेहरु युवा केंद्र के तत्वावधान में आज ब्लॉक कोपागंज में युवाओं को मतदाता जागरुकता अभियान से जोड़ने के लिए उनको शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर कोपागंज स्टेट बैंक के प्रबंधक लवलेश शुक्ला ने युवा को बताया कि कैसे हम सभी आजकल के साइबर क्राइम से आजकल वित्तीय धोखाधड़ी से अपने आप को बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कभी भी किसी अनजान को अपना ओटीपी एटीम कार्ड का पिन न बताए। कोचिंग संचालक शिवम वर्मा ने युवा शक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी साइबर क्राइम की धोखाधड़ी आपके साथ हुई हो तो तुरंत साइबर दोस्त हैंडल पर उसकी वृहद शिकायत करें। साथ ही उन्होंने युवा को साईबर लालच लाटरी लगने फ्री रिचार्ज आदि के झांसे से बचने के लिए प्रेरित किया। दूसरी तरफ यूथ वेलनेस कार्यक्रम को योग प्रशिक्षक विश्वा गुप्ता ने संबोधित किया और उन्होंने युवा को योग के आठ अंगों में से प्रमुख यम व नियम को जीवन में अपनाने पर बल दिया। इसीक्रम को आगे बढ़ाते हुए विस्तृत प्रकाश डाला और बताया कि जब तक हम सभी शारीरिक, मानसिक आत्मिक व सामाजिक

रुप से स्वस्थ नहीं होंगे तब तक हम सम्पूर्ण या समग्र स्वास्थ्य को प्राप्त नहीं कर पाएंगे। जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन व आयुर्वेद तथा योग की स्वास्थ्य की परिभाषा भी है। कार्यक्रम के उत्तरार्ध में कृषि विभाग के टेक्निकल ऑफिसर राम बहादुर सिंह ने बताया कि मतदान करना हमारा कर्तव्य है, एक एक वोट महत्वपूर्ण है। अतः हमें अपने वोट का मूल्य समझते हुए शत प्रतिशत मतदान को बढ़ावा देना है क्योंकि अल्प मतदान से गलत प्रत्याशी जीतकर संसद या विधानसभा में पहुंचता है। हमें शत प्रतिशत मतदान करके सही प्रत्याशी का चयन करना है। इसी कड़ी में प्राथमिक विद्यालय लोहाटिकर के प्रधानाध्यापक रामसेवक ने बताया कि मतदाता शिक्षा व जागरुकता को बढ़ावा देने का एक ही माध्यम है वह शिक्षक। शिक्षक समाज का दर्पण होता है और समाज का अभियंता भी होता है। वह जैसा चाहे वैसा व्यक्ति निर्माण करता है और हम आपसे वैसा ही राष्ट्र का निर्माण होता है।

निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव हेतु 24 घण्टे संचालित है कन्ट्रोल रूम

मऊ। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में कलेक्ट्रेट परिसर में प्रथम तल पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में 24/7 कन्ट्रोल रूम पिछले माह से ही अनवरत संचालित है, जिसमें 24 घण्टे जिला स्तरीय अधिकारियों व कर्मचारियों की टीम कार्यरत है। आदर्श चुनाव आचार संहिता के उलंघन या चुनाव से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या को कन्ट्रोल रूम के टाल फ्री नम्बर 1950 या टेलीफोन नम्बर 0547-2221773, 2221772 पर अवगत कराया जा सकता है। बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं कन्ट्रोल रूम के प्रभारी नोडल सन्तोष कुमार सिंह ने अवगत कराया कि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सम्पन्न कराने के लिए एक और टेलीफोन नम्बर 0547-222805 को भी प्रारम्भ किया गया है। प्रातः शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्वक निस्तारण किया जायेगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु बैठक संपन्न

मऊ। 12 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मऊ आदिल आफताब अहमद की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गयी। बैठक में अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय कोर्ट संख्या-1 पंकज मिश्रा, अपर प्रधान न्यायाधीश कोर्ट संख्या-2 आनन्द प्रकाश सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कुॅवर मित्रेश सिंह कुशवाहा एवं परिवार न्यायालय के परामर्शदाता एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे। प्रधान न्यायाधीश महोदय द्वारा बैठक में उपस्थित न्यायिक अधिकारीगण से 12 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन तथा अधिक से अधिक पारिवारवाद के मामलों को लगवाकर निस्तारण कराये जाने पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही साथ बैठक में उपस्थित न्यायिक अधिकारीगण को यह भी निर्देश दिया गया कि ऐसे पारिवारिक मामले जिनका राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण हो सकता है, उन्हें विशेष रुप से चिन्हांकित किया जाय तथा उनका निस्तारण कराया जाय। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कुॅवर मित्रेश सिंह कुशवाहा द्वारा आम जन से अपील की गयी कि उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने लम्बित पारिवारिक मामलों को अधिक से अधिक संख्या में लगवाकर निस्तारण कराये तथा इसका भरपूर लाभ उठायें एवं अनावश्यक भाग दौड़ एवं फिजुल खर्चे से बचें।

भारत को टी-20 में कड़ी चुनौती देगा वेस्टइंडीज

सलामी जोड़ी व निचले क्रम को मजबूत करने पर रहेंगी भारतीय टीम की नजरें

कोलकाता। भारत ने वनडे सीरीज को आसानी से एकतरफा अंदाज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया था लेकिन बुधवार से शुरू हो रही टी 20 सीरीज में मेजबान भारत को विंडीज से कड़ी चुनौती मिलेगी। टी 20 सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा के नए सलामी साझेदार और निचले क्रम को मजबूत करने पर भारत की नजरें रहेंगी। वनडे सीरीज एकतरफा रही और उसके बाद आईपीएल के मेगा ऑक्शन के दोनों दिनों में भारतीय टीम के कुल 10 खिलाड़ियों के मूल्य में काफी वृद्धि देखने को मिली। अब क्रिकेट का कारवां आ पहुंचा है कोलकाता के ईडन गार्डंस जहां 16 फरवरी से टी20 श्रृंखला की शुरुआत होगी। वेस्टइंडीज के प्रशिक्षक फिल सिमंस का मानना है कि उनकी बल्लेबाजी वनडे के मुकाबले टी20 क्रिकेट के लिए कहीं ज्यादा अनुकूल है और हाल ही में एक रोमांचक सीरीज में उन्होंने इंग्लैंड जैसी टीम को 3-2 से हराया भी। सबकी नजर टिकी रहेगी भारत के कॉम्बिनेशन और खेलने की शैली पर, खासकर पिछले साल यूएई में हुए विश्व कप में असफलता और उससे उत्पन्न निराशा के बाद। उस टूर्नामेंट के तुरंत बाद भारत ने न्यूजैलैंड को 3-0 जरूर हराया था लेकिन टीम के आगे कई सवाल अभी भी खड़े हैं। केएल राहुल के चोटग्रस्त होने का मतलब है कप्तान रोहित शर्मा को एक नए जोड़ीदार की दरकार है। नीलामी के सबसे महंगे खिलाड़ी ईशान किशन और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए निरंतर रन बनाने वाले ऋतुराज गायकवाड़ में से एक को यह मौका दिया जाएगा।

भारत को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की तलाश

टीम को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की तलाश जारी है। टी नटराजन फॉर्म और चोट से लड़ते हुए क्रिकेट के सबसे उच्च श्रेणी में वापसी की राह पर हैं। पिछले साल श्रीलंका के विरुद्ध टी20 सीरीज में चेतन सकारिया को भी खिलाया गया था। अगर नटराजन अपनी यॉर्कर के लिए मशहूर हैं तो वहीं सकारिया नई गेंद से स्विंग कराते हैं और पुरानी गेंद से विविधता में माहिर हैं। इस खोज में एक और कड़ी हैं उत्तर प्रदेश के यश दयाल जो टीम के साथ हाल ही में जुड़ चुके हैं। वनडे सीरीज में नेट बोलर रहे दयाल को रणजी ट्रॉफी के लिए छोड़ दिया गया था। दो और नाम हैं जयदेव उनादकट और खलील अहमद, जो भारत के लिए खेल चुके हैं और जिनपर आईपीएल नीलामी में काफी टीमों ने दिलचस्पी दिखाई। आखिर उन्हें मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स ने अपने टीम में शामिल किया।

हार्दिक बहुत ही महत्वपूर्ण खिलाड़ी, उनमें कई कौशल: रोहित

ऑलराउंड आयाम लाने वाले खिलाड़ियों की बात करते हुए, रोहित ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने अभी तक हार्दिक पांड्या के विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेलने के बारे में बात नहीं की थी। हार्दिक एक पुरानी पीठ की तकलीफसे सही हो रहे हैं, जिसने उन्हें 2018 के बाद से सभी प्रारूपों में नियमित गेंदबाज बनने की अनुमति नहीं दी है। उन्हें पिछले अक्टूबर-नवंबर में टी20 विश्व कप के बाद से भारत के दल में शामिल नहीं किया है। जब वह आगामी रणजी ट्रॉफी से हटे तो उनके सफेद गेंद वाले क्रिकेट को प्राथमिकता देने के संकेत मिले हैं। रोहित ने कहा, वह एक बहुत ही महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। वह तीन कौशल लाते हैं। हमने उनके बारे में चर्चा नहीं की है कि क्या वह एक शुद्ध बल्लेबाज के रूप में खेल सकते हैं। पिछले टी20 विश्व कप के बाद से बहुत सारी चोटें खिलाड़ियों को लगी हैं। एक बार जब हर कोई उपलब्ध होगा, तो हम अलग-अलग खिलाड़ियों के बारे में सोच सकते हैं। सभी के लिए दरवाजा खुला है। हम अभी निर्णय नहीं ले रहे हैं। हमें संयोजनों को देखना होगा। अलग-अलग स्थितियां होंगी। रोहित ने इस बारे में भी खुलकर बात की कि कैसे खिलाड़ियों को अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए सफलतापूर्वक निभाई जाने वाली कुछ भूमिकाओं में नहीं बांधा जाना चाहिए और जब राष्ट्रीय टीम की बात आती है तो यह पूरी तरह से एक अलग खेल है। वेंकटेश अय्यर को आईपीएल की अपनी अधिकांश सफलता शीर्ष क्रम में मिली है। इसके कारण उन्हें न्यूजीलैंड टी 20 के लिए भी चुना गया, जहां उन्होंने मध्य क्रम में बल्लेबाजी की। मुंबई के लिए इशान किशन नंबर 1-6 के बीच कहीं भी बल्लेबाजी करते हैं। अब हालांकि, यह संभावना है कि किशन एक सलामी बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे ना कि एक फ्लोटर के रूप में।

विराट के बचाव में बोले रोहित, सब कुछ ठीक हो जाएगा

विराट कोहली की फॉर्म को लेकर बढ़ती चिंताओं के बावजूद भारत के व्हाइट बॉल फॉर्मेट के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि वह मानसिक रूप से मजबूत हैं और उनके चारों ओर हो रहीं बकवास बंद होने के बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा। ईडन गार्डन्स में भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले पहले टी20 से पहले वर्चुअल प्रेस वार्ता के दौरान जब मीडिया ने उनसे कोहली को बल्लेबाजी से पर ध्यान केंद्रित करने को लेकर सवाल किया, तो रोहित कहा, मुझे लगता है कि इसकी शुरुआत आप लोगों (मीडिया) से होगी। अगर आप लोग थोड़ी देर चुप रहते हैं, तो विराट ठीक हो जाएंगे और ध्यान रखेंगे। वह मानसिक रूप से बेहद मजबूत है। रोहित ने कहा, वह एक दशक से अधिक समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का हिस्सा है। जब कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतना लंबा समय बिताता है, तो वह जान जाता है कि दबाव की स्थितियों को कैसे संभालना है।

खिलाड़ियों को टी-20 विश्व कप में उनकी भूमिका के बारे में बता दिया गया है: रोहित

भारतीय सफेद गेंद टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि सभी खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया में आगामी आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप 2022 में उनकी भूमिका को लेकर स्पष्टता दे दी गई है। रोहित ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज की पूर्वसंध्या पर मंगलवार को वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने खिलाड़ियों से बात की है कि विश्व कप के दौरान उन्हें क्या भूमिका निभाने की आवश्यकता होगी, इसलिए उन्हें उस मानसिकता से बल्लेबाजी या गेंदबाजी करने की जरूरत है। उन्हें स्पष्टता दे दी गई है। भारतीय कप्तान ने कहा, हमारा विचार उन खिलाड़ियों की पहचान करना है और उन्हें खेल का समय देना है जो विश्व कप खेलने जा रहे हैं। बहुत सारे खिलाड़ी ऐसे हैं जो चोटिल हैं और टीम के साथ नहीं हैं।

कम से कम नौ खिलाड़ी उपलब्ध होने पर भी खेला जाएगा रणजी ट्रॉफी मैच

दोनों पारियों में टाई होने पर टीमों को तीन-तीन अंक दिए जाएंगे

नई दिल्ली । रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट इस साल कोरोना संबंधित प्रावधानों के साथ खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टूर्नामेंट के मौजूदा सीजन के लिए कई नियम बनाए हैं, जिनमें एक मैच के दौरान कोरोना वायरस के प्रकोप की स्थिति में विशेष अंक प्रणाली और कम से कम नौ खिलाड़ियों की उपलब्धता के साथ मैच को जारी रखने सहित कई नियम शामिल हैं।

बीसीसीआई ने मौजूदा कोरोना महामारी की स्थिति को देखते हुए मंगलवार को कहा, मैच की शुरुआत के बाद कोरोना के प्रकोप के कारण अगर एक टीम के पास मैदान में उतरने के लिए कम से कम नौ खिलाड़ी उपलब्ध हैं तो मैच जारी रहेगा। वहीं अगर टीम की तरफ से नौ खिलाड़ी भी उपलब्ध नहीं है और मैच के समापन तक यह स्थिति बनी रहती है तो मैच का परिणाम दो तरीकों से निर्धारित किया जाएगा। पहले में लीग चरण में अंक तालिका में स्थिति के आधार पर टीमों को अंक प्रदान किए जाएंगे। वहीं अगर नॉक आउट मैच है तो कौन सी टीम अगले दौर के लिए क्वालीफाई करेगी, यह ज्यादर रन या सिक्का उछाल कर निर्धारित किया जाएगा। इसके अलावा बीसीसीआइ द्वारा सभी राज्य क्रिकेट संघों को बताई गई खेल शर्तों के अनुसार कोरोना महामारी की स्थिति के कारण पहली पारी का परिणाम न आने पर टीमों को एक-एक अंक दिया जाएगा, हालांकि पुरानी प्रणाली को भी बरकरार रखा गया है, जिसके मुताबिक दोनों पारियों में टाई होने पर टीमों को तीन-तीन अंक दिए जाएंगे। अंक नियमों की बात करें तो सीधी जीत पर छह अंक, एक पारी या 10 विकेटों से जीत पर एक बोनस अंक, पहली पारी में बढ़त मिलने, लेकिन सीधी जीत न होने पर तीन अंक, पहली पारी में बढ़त के आधार पर मिली हार पर एक अंक, सीधी जीत के बिना पहली बार में टाई होने पर दोनों टीमों को एक-एक अंक, सीधी हार पर शून्य अंक अंक दिया जाएगा। वहीं अगर मौसम खराब होने, कोरोना के प्रकोप या अन्य किसी अप्रत्याशित कारण से पहली पारी का नतीजा नहीं आता है तो दोनों टीमों को एक-एक अंक दिया जाएगा।

रणजी ट्रॉफी में हाथ पर टेप लगा कर गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे खिलाड़ी

रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में गेंदबाज इस बार गेंदबाजी हाथ पर टेप लगा कर गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे। बीसीसीआई की ओर से इस संबंध में नया नियम बनाया है। बीसीसीआई के इस नए नियम के मुताबिक गेंदबाज को किसी भी कारण से उस हाथ पर टेप लगाने की अनुमति नहीं होगी, जिससे वह गेंदबाजी करता है। गेंदबाज को गेंदबाजी करने के लिए अपने गेंदबाजी हाथ से सभी प्रकार की टेप को हटाना होगा। इसमें कोई छूट नहीं दी जाएगी। वहीं अगर उसके हाथ पर कोई प्लास्टर लगा है तो वह स्किन या उसके जैसे रंग का होना चाहिए या ऐसा होना चाहिए जो बल्लेबाज को परेशान न करे। बीसीसीआई ने इसके अलावा इंजरी ब्रेक की समय सीमा भी चार मिनट तक सीमित कर दी है। इस संबंध में नया नियम कहता है, अगर कोई भी खिलाड़ी मैदान पर गंभीर रूप से घायल हो जाता है या किसी भी तरह की चोट लगती है और उसे चिकित्सा की आवश्यकता होती है तो उस खिलाड़ी को चोट से उबरने और मैच में भाग लेने के लिए तैयार होने के लिए अधिकतम चार मिनट का समय दिया जाएगा।

कोरोना वैक्सीन लगवाने के बजाय खिताबों का त्याग करने को तैयार हूं: जोकोविच

नई दिल्ली। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता एवं दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने मंगलवार को कहा कि वह कोरोना वैक्सीन लगाने के बजाय टेनिस प्रतियोगिताओं में भाग लेने का त्याग करने के लिए तैयार हैं। जोकोविच ने इस बारे में कि क्या वह कोरोना वैक्सीन पर अपने रुख के चलते आगामी विंबलडन और फ्रेंच ओपन जैसे टेनिस टूर्नामेंटों का त्याग करने को तैयार हैं, कहा, हां, यही वह कीमत है जो मैं चुकाने को तैयार हूं। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी ने कहा, मैं कभी भी टीकाकरण के खिलाफ नहीं था, लेकिन आप अपने शरीर में क्या डालते हैं, मैं इसे चुनने की स्वतंत्रता का समर्थन करता हूं। अपने शरीर के बारे में निर्णय लेने के सिद्धांत मेरे लिए किसी भी खिताब या किसी अन्य चीज से अधिक महत्वपूर्ण हैं। मैं जितना संभव हो सके अपने शरीर के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रहा हूं।

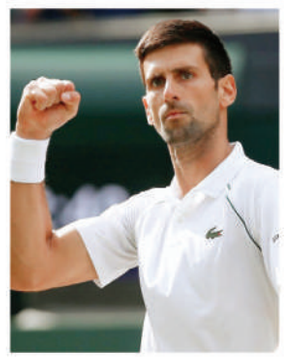

संक्षिप्त

द. कोरिया ने भारत को 5-0 से हराया

शाह आलम। भारत की पुरुष टीम ने बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में निराशाजनक शुरुआत की और मंगलवार को उसे दक्षिण कोरिया के हाथों 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने तीन एकल और दो युगल सहित अपने सभी पांच मैच गंवा दिए। पहले मैच में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता और इंडिया ओपन के पुरुष एकल चैंपियन लक्ष्य सेन को जियोन-यूक के हाथों लगातार गेमों में 11-21, 19-21 से पराजय झेलनी पड़ी। किरण जॉर्ज को जू वान किम से 18-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। मिथुन मंजुनाथ को मिन सुन जियोंग से तीन गेमों में 16-21, 27-25, 14-21 से हार झेलनी पड़ी। युगल में पीएस रवि कृष्णा और शंकर प्रसाद को हवि तेई किम और किम जेईहान से 8-21, 10-21 से हार गए जबकि योग जिन और ना सुंग सियुंग ने डिंकू सिंह कुंथुजाम और मंजीत सिंह को 21-7, 21-15 से पराजित किया।

इंग्लैंड का दौरा करेंगी भारतीय महिलाएं

लंदन। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम इस वर्ष बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों के बाद सफेद गेंद श्रृंखला (तीन वनडे, तीन टी-20) के लिए भारत की मेजबानी करेगी। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की।ईसीबी ने एक बयान में कहा, राष्ट्रमंडल खेलों और द हंड्रेड टूर्नामेंट के बाद इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम तीन टी-20 और तीन वनडे मैचों के लिए भारतीय टीम की मेजबानी करेगी। दौरे का समापन 24 सितंबर को लॉर्ड्स में वनडे मैच के साथ होगा। उल्लेखनीय है कि भारत की मेजबानी से पहले इंग्लैंड सात शहरों में 27 जून से 27 जुलाई तक मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा, जिसमें एकमात्र टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी-20 मैच शामिल हैं।

टीम में फिट नहीं होते रैना: विश्वनाथन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्सके सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा कि उन्होंने लंबे समय से उनकी टीम की तरफ से खेलने वाले सुरेश रैना की वर्तमान फॉर्म को देखकर आईपीएल की नीलामी में नहीं खरीदा। लेकिन टीम संयोजन और फॉर्म को देखते हुए बाएं हाथ का यह बल्लेबाज टीम में फिट नहीं बैठ रहा था। नीलामी में किसी भी टीम ने उन्हें नहीं खरीदा। उन्होंने अपना आधार मूल्य दो करोड़ रुपये तय किया था।

केन की घातक गेंदबाजी से जीता ऑस्ट्रेलिया

श्रीलंका को छह विकेट से हराकर सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त ली

कैनबरा। मैन ऑफ मैच तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन (21 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी और कप्तान आरोन फिंच (35) तथा विस्फोटक बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल (39) की शानदार पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को यहां तीसरे टी 20 क्रिकेट मैच में श्रीलंका को एकतरफा अंदाज में छह विकेट से हराया और पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त ले ली।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीत कर श्रीलंका को बल्लेबाजी का न्योता दिया और घातक एवं कसी हुई गेंदबाजी से उसे 20 ओवर में छह विकेट पर 121 रन पर रोक दिया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16.5 ओवर में चार विकेट पर 124 रन बना कर मैच जीत लिया। बल्लेबाजी में कप्तान फिंच ने तीन चौकों की मदद से 36 गेंदों पर 35 और मैक्सवेल ने तीन चौकों और दो छक्कों के सहारे 26 गेंदों पर 39 रन की पारी खेली, जबकि अंत में जोश इंग्लिस और मार्कस स्टॉयनिस ने क्रमशः 18 गेंदों पर 21 और आठ गेंदों पर 12 रन बना कर टीम को मैच जिताया। श्रीलंका के लिए ऑफ ब्रेक स्पिनर महेश थीक्षाना ने चार ओवर में 24 रन पर सर्वाधिक तीन और लेग ब्रेकर जेफरी वेंडरसे ने चार ओवर में 32 रन पर एक विकेट लिया। वहीं बल्लेबाजी में कप्तान दासुन शनाका ने पांच चौकों की मदद से 38 गेंदों पर 39 रन की नाबाद पारी खेली। उनके अलावा अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश चांदीमल ने 29 गेंदों पर 25 रन बनाए। दोनों टीमों के बीच अब शुक्रवार को मेलबोर्न क्रिकेट ग्राउंड में सीरीज का चौथा मैच खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के पास फिलहाल 3-0 की अजेय बढ़त है।

श्रीलंका का भारत दौरा पुनर्निर्धारित

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को श्रीलंका के आगामी भारत दौरे के पुनर्निर्धारित होने की घोषणा की। बीसीसीआई के मुताबिक दोनों टीमें अब पहले तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलेंगी और उसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी, जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2021-23 का हिस्सा है। लखनऊ 24 फरवरी को पहले टी-20 मैच की मेजबानी करेगा, जबकि शेष दो टी-20 मैच 26 और 27 फरवरी को धर्मशाला में खेले जाएंगे। इसी तरह पहला टेस्ट मैच अब चार से आठ मार्च तक मोहाली, जबकि दूसरा मैच 12 से 16 मार्च तक बेंगलुरु में खेला जाएगा। उल्लेखनीय है कि मूल शेड्यूल के मुताबिक श्रीलंका को भारत के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच खेलने थे जो क्रमशः 25 फरवरी से एक मार्च तक बेंगलुरु और पांच मार्च से नौ मार्च तक मोहाली में होने थे। वहीं तीन मैचों की टी-20 सीरीज मोहाली में 13 मार्च से शुरू होनी थी। दूसरा मैच 15 तारीख को धर्मशाला और तीसरा 18 मार्च को लखनऊ में खेला जाना था।

सालेह बांग्लादेश के फील्डिंग कोच नियुक्त

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राजिन सालेह को अफगानिस्तान के खिलाफ 23 फरवरी से शुरू होने वाली आगामी घरेलू सफेद गेंद श्रृंखला के लिए बांग्लादेश टीम का अंतरिम फील्डिंग कोच नियुक्त किया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के क्रिकेट संचालन के अध्यक्ष जलाल यूनुस ने कहा, राजिन दक्षिण अफ्रीका में हमारे साथ दौरा नहीं करेंगे, क्योंकि उस समय हमारे पास ढाका प्रीमियर लीग (डीपीएल) है, जो देश का पारंपरिक ढाका-क्लब आधारित टूर्नामेंट है जो 15 मार्च से निर्धारित है और राजिन कोचिंग क्षमता में प्रतियोगिता में शामिल है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश को 23 फरवरी से पांच मार्च तक अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे और दो टी-20 मैच खेलने हैं। अनुभवी एवं सीनियर स्थानीय कोच मिजानुर रहमान बाबुल ने पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश की पिछली श्रृंखला के दौरान अंतरिम फील्डिंग कोच के रूप में काम किया था, क्योंकि बीसीबी ने दक्षिण अफ्रीका के रयान कुक के साथ अपने अनुबंध को आगे नहीं बढ़ाया था।

पीकेएल: जयपुर की नौवीं जीत

यू मुंबा को 44-28 से हराया

बेंगलुरु। जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपने स्टार रेडर अर्जुन देसवाल (17 अंक) के बेहतरीन प्रदर्शन से मंगलवार को यहां प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन में यू मुंबा को 44-28 से पराजित किया। जयपुर की 20 मैचों में यह नौवीं जीत है जिससे वह छठे स्थान पर पहुंच गया है।

उसकी जीत में रक्षकों ने भी अहम योगदान दिया जिन्होंने 15 अंक जुटाये। मुंबई की यह 20 मैचों में आठवीं हार है। उसकी तरफ से अजीत कुमार (11 अंक) ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन रक्षकों ने उसे निराश किया जो केवल पांच अंक हासिल कर पाये। जयपुर मध्यांतर तक 17-14 से आगे था। इसके बाद उसने बेहतर खेल दिखाया और लगातार अपनी बढ़त को मजबूत करके आखिर में जीत हासिल की। जयपुर पिंक पैंथर्स ने यू मुंबा को 44-28 से हराया।

पटना ने बेंगलुरु को हराया

पटना पाइरेट्स ने बेंगलुरु बुल्स को रोमांचक मुकाबले में 36-34 से हराकर लगातार सातवीं जीत दर्ज की और उनका धमाकेदार प्रदर्शन जारी है। पटना पाइरेट्स की यह 20 मैचों में 15वीं जीत है और उनका पहले स्थान पर रहना तय हो गया है। बुल्स का अब सिर्फ एक ही मुकाबला बचा है और उनके ऊपर टॉप 6 से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है।

खेल और युवा कल्याण अधिकारियों की कार्यशाला आज

भोपाल। खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया की मंशानुसार संचालक खेल और युवा कल्याण रवि कुमार गुप्ता की पहल पर खेल विभाग के जिला खेल अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन टीटी नगर स्टेडियम में 16 एवं 17 फरवरी, 2022 को आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारियों को जमीनी स्तर पर कार्य हेतु दिशा-निर्देश देना है। इस दो दिवसीय कार्यशाला में जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारियों को विभिन्न विषयों की जानकारी प्रदान की जायेगी। साथ ही साथ मैदानी भ्रमण भी कराया जायेगा। इस कार्यशाला में चुनिंदा अधिकारी अपना प्रजेंटेशन भी देंगे। कार्यशाला के प्रथम दिन प्रातः 10:30 बजे जिला खेल अधिकारियों से उनके प्रभार के जिले से संबंधित विषयों पर चर्चा की जायेगी। तत्पश्चात शिवपुरी, रीवा, नरसिंहपुर, रायसेन, इन्दौर और खरगोन जिलों के जिला खेल अधिकारी क्रमशः अपने जिले की गतिविधियों का प्रस्तुतिकरण देंगे।

बचपन के कोच ने कहा, कोहली सहज और सकारात्मक, जल्द ही शतक बनाएंगे

नयी दिल्ली। विराट कोहली के बचपन के कोच राज कुमार शर्मा ने मंगलवार को कहा कि यह स्टार बल्लेबाज मानसिक रूप से बेहद सहज स्थिति में है और जल्द की शतक के सूखे को खत्म करेगा। कोहली नियमित रूप से अच्छी शुरूआत कर रहे हैं और अर्धशतक भी जड़ रहे हैं लेकिन पिछले दो साल से अधिक समय से अपने 70 अंतरराष्ट्रीय शतक के आंकड़े में इजाफा नहीं कर पाए हैं। कोहली की फॉर्म को लेकर सवाल उठ रहे हैं लेकिन राज कुमार का मानना है कि यह गैरजरूरी बातें हैं क्योंकि वह रन बना रहा है। राजकुमार ने कहा, मुझे लगता है कि जो लोग उसकी फॉर्म पर सवाल उठा रहे हैं उन्हें उसके आंकड़े देखने चाहिए। इन्हें देखने के बाद वह उसकी आलोचना नहीं कर पाएंगे। शतक नहीं बन पा रहा है लेकिन वह 70 शतक जड़ चुका है। लोगों को यह महसूस करना चाहिए। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो वह अच्छा खेल रहा है और जल्द ही बड़ी पारी खेलेगा। वह काफी सकारात्मक और सहज है और हमें जल्द ही उससे बड़ी पारी देखने को मिलेगी। राज कुमार दिल्ली की टीम के भी कोच हैं और अभी रणजी ट्रॉफी टीम के साथ गुवाहाटी में हैं। कोहली की तरह पश्चिमी दिल्ली के ही रहने वाले यश धुल को अंडर-19 विश्व कप में खिताबी जीत के दौरान भारत की अगुआई करने के बाद पहली बार दिल्ली की टीम में शामिल किया गया है। इस19 वर्षीय खिलाड़ी ने भले ही लंबे समय से लाल गेंद का मुकाबला नहीं खेला हो लेकिन राजकुमार को लगता है कि वह चुनौती के लिए तैयार है। गुरुवार को दिल्ली के पहले मुकाबले में उन्हें पारी का आगाज करने का मौका मिल सकता है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके शतक के संदर्भ में राज कुमार ने कहा, ह्यह्यवह असाधारण प्रतिभा है, उसने आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में यह दिखाया है। वह भारत के लिए भविष्य का खिलाड़ी है।

अमेलिया केर के शतक से जीती न्यूजीलैंड महिला टीम

भारतीय टीम को तीन विकेट से हराकर सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई

क्वीन्सटाउन। भारतीय महिला टीम मंगलवार को जॉन डेविस ओवल में दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड की टीम से तीन विकेटों से हार गई। भारत अब पांच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 0-2 से पीछे है। मैन ऑफ द मैच अमेलिया केर की 119 रनों की नाबाद पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने 271 रन के लक्ष्य का पीछा छह गेंद शेष रहते ही कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए, न्यूजीलैंड की टीम एक समय 55/3 के स्कोर पर डगमगाती नजर आ रही थी। फिर, अमेलिया ने मैडी ग्रीन (52) के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 128 रन की साझेदारी कर पारी को फिर से खड़ा किया। मेलिया ने एंकर की भूमिका निभाई और टीम को

तीन विकेट से जीत दर्ज करके श्रृंखला में 2-0 की बढ़त दिलाई। भारत के लिए दीप्ति ने चार विकेट झटके। सब्भिनेनी मेघना और शैफाली वर्मा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी की। रोजमेरी मैयर ने इस साझेदारी को तोड़ा और वर्मा को 24 रन पर 12 वें ओवर में कैच आउट किया। फिर, मेघना और यास्तिका भाटिया ने 49 रन का योगदान दिया, इससे पहले डिवाइन ने भाटिया को 31 रन पर आउट कर दिया। अमेलिया ने मेघना को अर्धशतक बनाने से रोक दिया क्योंकि उसने मेघना को 49 रन पर आउट किया। हरमनप्रीत फ्रैन जोनास की गेंद पर 10 रन पर आउट हो गई और भारत 135/5 पर सिमट गया। बाद में कप्तान मिताली राज (66) और ऋचा घोष (65) ने भारत का कुल स्कोर 270/6 पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। न्यूजीलैंड के लिए डिवाइन ने दो विकेट लिए।

मंधाना व रेणुका शेष मैचों के लिए रहेंगी उपलब्ध

भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और रेणुका सिंह सीरीज के शेष मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगी। मंधाना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से यह बताया कि उनका क्वारंटाइन पीरियड अब खत्म हो गया है, यानि वह अब न्यूजीलैंड सरकार द्वारा अनिवार्य आइसोलेशन और क्वारंटीन से बाहर आ गई हैं। भारतीय दल में जुड़ने और फिटनेस टेस्ट में पास होने के बाद दौरे पर बचे हुए मैचों के लिए वह उपलब्ध हो जाएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक सीमर मेघना सिंह भी मंगलवार को क्वारंटाइन से बाहर आ जाएंगी। इससे पहले रेणुका सिंह का क्वारंटाइन पीरियड 13 फरवरी को समाप्त हो गया था।

मंधाना व झूलन एकदिवसीय रैंकिंग में नीचे खिसकीं

अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी और स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना आईसीसी महिला एक दिवसीय रैंकिंग में क्रमशः चौथे और आठवें स्थान पर खिसक गई हैं। भारतीय एकदिवसीय कप्तान मिताली राज मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में 744 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बरकरार हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली से सिर्फ पांच अंक पीछे हैं, जो 749 अंकों के साथ एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर मौजूद हैं। न्यूजीलैंड की एमी सैटर्थवेट ने ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गई। मूनी 705 रेटिंग के साथ छठे स्थान पर खिसक गईं।

मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें : जिला निर्वाचन अधिकारी

बलिया। जिला निर्वाचन अधिकारी इंद्र विक्रम सिंह ने जनपद वासियों को मतदान के लिए संबोधित करते हुए कहा कि जनपद में मतदान प्रतिशत बहुत ही कम है। 2017 के विधानसभा चुनाव में जनपद का मत प्रतिशत मात्र 54.39% था जो कि हमारे लिए चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि जनपद के लोग बहुत ही उत्साही और परिश्रमी है। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आजादी की लड़ाई में बलिया ने 1947 से पहले ही आजादी प्राप्त कर ली थी। उन्होंने जनपद वासियों से आह्वान करते हुए कहा कि हमें एक बार फिर से अपने अंदर ऊर्जा का संचार करते हुए 3 मार्च को होने वाले मतदान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना है और जनपद में सर्वोच्च मतदान प्रतिशत वाले जिलों में अपना नाम दर्ज कराना है। उन्होंने कहा कि जनपद के लोगों उत्साही है बस उन्हें एक बार केवल जागरूक करने की जरूरत है। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वैक्सीनेशन में जनपद का 75 वां स्थान था जिसे मात्र 20 दिन में लोगों के सहयोग और मीडिया के प्रयास से सौ प्रतिशत वाले जनपदों

में स्थान बनाने में सफलता मिली। उन्होंने जनपद वासियों से कहा कि मतदान के दिन हम सभी बढ़ चढ़कर हिस्सा लें और बुलावा टोलियां बनाकर लोगों को घर से बुलाकर मतदान करने के लिए प्रेरित करें। महिलाओं और बुजुर्गों को पहले मतदान करने का अवसर दें ।उन्होंने पहले मतदान फिर जलपान की बात दोहराते हुए कहा कि इन प्रयासों से हम मत प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने लोगों से कहा कि लोग अधिक से अधिक मतदान करें यह उनका हक है। आप जिसे भी चुनना चाहते हैं बिना डर एवं भय के अपने मत का प्रयोग करते हुए उसे चुन सकते हैं। जनपद में छठे चरण में 3 मार्च को मतदान होना है जो भी प्रत्याशी आप चुनेंगे वह आपके और आपके क्षेत्र के लिए बेहतर काम करेगा। भारी से भारी संख्या में आकर मतदान करें। अगर जनपद के लोग अधिक से अधिक संख्या में आकर मतदान नहीं करेंगे तो यह लोकतंत्र के साथ धोखा होगा क्योंकि इसी बलिया के लोगों ने आजादी से पहले ही आजाद होकर इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया है।

पिछले चुनाव में मतदान का प्रतिशत देखकर लगता है कि जनपद की आधी आबादी अभी भी मतदान नहीं कर रही है जिनकी उम्र 18 वर्ष से अधिक हो गई हो और उनका नाम मतदाता सूची में शामिल हो मतदान के दिन मतदान करने अवश्य आएं। बलिया मंगल पांडे और चित्तू पांडे की धरती है ।जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मैं आपसे अपने हिस्से का हक मानता हूं और आशा करता हूं कि आप लोग मतदान के दिन अधिक से अधिक मतदान करके उस हक को अदा करेंगे।

चुनाव के मद्देनजर बाजारों में बढ़ी फूल मालाओं की खपत

सिकन्दरपुर (बलिया)। विधानसभा चुनाव में फूलों का कारोबार बढ़-चढ़कर महक रहा है। फुल व्यापारियों को नेताओं के स्वागत के लिए फूल और मालाओं के बड़े-बड़े आर्डर मिल रहे हैं। इसी वजह से फूलों की मांग काफी बढ़ गई है। एक फूल व्यापारी के अनुसार पहले जहां फूलों की पचास से साठ किलो प्रतिदिन खपत होती थी। वहीं अब फूलों की डिमांड एक कुंतल तक पहुंच गई है। फूलों की जबरदस्त मांग को देखते हुए फूल विक्रेताओं ने इनके दाम दोगुने कर दिए हैं, जिसके चलते गेंदा डेढ़ सौ और गुलाब चार सौ रुपये प्रति किलो बिक रहा है। बताते चलें कि विधानसभा चुनाव को लेकर इन दिनों प्रत्याशी और राजनीतिक दलों के पदाधिकारी लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं। जगह-जगह बैठकों का दौर जारी है। जगह-जगह समर्थकों द्वारा प्रत्याशियों के स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ऐसे में नेताजी के स्वागत के लिए फूल और माल्यार्पण के लिए फूल मालाओं की मांग बेहद ज्यादा है। चुनाव की वजह से फूलों का कारोबार तो बढ़ रहा है तो साथ ही साथ फूलों की खुशबू भी बढ़ रही है।

वीआईपी पार्टी से सदर प्रत्याशी जितेंद्र तिवारी ने गांव में जनसंपर्क किया

बलिया। वीआईपी पार्टी से सदर विधानसभा प्रत्याशी 361 नगर विधानसभा के ग्राम सभा घघरौली,डुमरी,सरया, सोनपुरा, बजहा जगहों पर जनसंपर्क किया। वीआईपी सुंदर प्रत्याशी ने

बताया कि पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना एवं गरीब असहाय लोगों को मदद करना हमारी सबसे बड़ी प्रथम पर मिलता है। इस जनसंपर्क में प्रमुख रूप से अर्जुन बिंद, राज कुमार बिंद, पूर्व प्रधान द्वारिका बिंद, काशी नाथ पांडेय, सुरेश सिंह मनोज सिंह संतोष पांडेय, रविंद्र तिवारी, विश्वनाथ पालपुर प्रधान, कृपा शंकर तिवारी, मुन्ना मिश्रा शाहिद अंसारी आदि लोग उपस्थित रहे।

नगर पालिका चेयरमैन तैयब पालकी ने बसपा से किया किनारा, सपा में हुए शामिल

मऊ। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बसपा को एक और झटका लगा है। बसपा नेता एवं नगर पालिका परिषद मऊ के चेयरमैन तैयब पालकी ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया और समाजवादी पार्टी में शामिल हो गये। सोमवार को सपा कार्यालय पर पालिकाध्यक्ष तैयब पालकी ने सपा की सदस्यता ग्रहण की। सपा जिलाध्यक्ष दूधनाथ यादव ने

पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। इस दौरान पालिकाध्यक्ष तैयब पालकी ने कहाकि वर्तमान समय में मुस्लिम, अल्पसंख्यक, दलित, पिछड़े, अति पिछड़े बुनकर और सामान्य वर्ग के लोग आज बसपा से उपेक्षित महसूस कर रहे है। इसी कारण पार्टी में रहकर अपने लोगों विशेषकर बुनकरों एवं अल्पसंख्यको की आवाज उठाना दुर्लभ हो रहा है, जिसके चलते आज मैं बसपा की प्राथमिकी सदस्यता से त्यागपत्र देता हूँ। श्री पालकी द्वारा इस्तीफा दिये जाने के बाद जनपद में उनके सपा में शामिल होने की अटकलें तेज हो गयी। ऐसी आशंका लगाई जा रही हैं कि श्री पालकी जल्द ही इस बारे में तस्वीर साफ कर देंगे। ज्ञातव्य हो कि 2017 निकाय चुनाव में तय्यब पालकी पूरे उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा वोटो से ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले मऊ नगर पालिका के चेयरमैन है। श्री पालकी की सभी वर्गों विशेषकर मुस्लिमों, बुनकरों एवम् व्यापारियों में एक मजबूत पकड़ है इनके बसपा छोड़ने से बसपा को बड़ा झटका लगा है।

हजरत अली के जन्म पर किया गया महफिल का आयोजन

घोसी, मऊ। नगर के बड़ागांव नीमतले स्थित शेख जुम्मन तार बाबू एवं महदी अली व रजा हैदर के आवास पर रविवार 13 रजब को हजरत अली के जन्मदिन की याद में शिया मुसमलानों के पहले इमाम और पैगम्बरे इस्लाम (स) के उत्तराधिकारी हजरत अली के जन्म दिवस के अवसर पे महफिले मोकासदा वो नजर का आयोजन किया गया। इस अवसर पे मौलाना सैय्यद अली फखरी ने तिलावते हदीसे केसा से कार्यक्रम का आगाज किया उस के बाद मौलाना मेहदी हुसैनी ने दुआखानी कराई जिसमे खास कर के मुल्क की तरक्की और आपसी भाई चारे वो अमन चैन के लिए दुआ की। इस अवसर पे मौलाना मोजाहिर हुसैन ने हजरत अली अ० के जीवन पे प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि पैगम्बरे इस्लाम के चचा हजरत अबू तालिब के बेटे हजरत अली (अ) का जन्म पवित्र शहर मक्का में स्थित इस्लाम के सबसे पवित्र धार्मिक स्थल काबे में हुआ था। हजरत अली के जन्म दिन के

पूर्व संध्या पर भी स्व० शेख जुम्मन तार बाबू के आवास पर भी महफिल का आयोजन किया गया। जिसमे मोकामी शायरों ने कसीदाखानी की। इस शुभ अवसर पर ईरान समेत दुनिया भर के मुसलमान, विशेष रूप से शिया मुसलमान जश्नन मनाते हैं। और महफिलों एवं सम्मेलनों का आयोजन करते हैं। पैगम्बरे इस्लाम ने बचपने से ही हजरत अली की परवरिश की। पुरुषों में हजरत अली ने सबसे पहले इस्लाम स्वीकार किया और हर कदम पर पैगम्बरे इस्लाम का साथ दिया। हजरत अली (अ) ने जीवन भर ज्ञान और इस्लाम के प्रचार प्रसार किया एवं इस्लाम के दुश्मनो के साथ होने वाली जंगो में पैगमबरे इस्लाम का साथ दिया। और इस्लाम के दुश्मनो को पराजित किया। इस अवसर पे आसिफ अली, मुहम्मद रजा, जफर मेहँदी कर्बलाइ, नेमत अली और ने विशेष अंदाज में कसीदा पढ़ा। लफ्ज मै लाउ कहा से मदहे हैदर के लिये। काम मुश्किलो में आये सब कि बिगड़ी बनाये वही मौला हमारा अली अली। इस अवसर पर मुख्य रूप से मौलाना अली रजा, मौलाना मोहम्मद हसन, मौलाना मुझहिर हुसैन, पैगम्बर अब्बास, सरवर हुसैन, नेजात काजिम, हसन फराज, हैदर अब्बास, अंसार हुसैन, फैजान सरवर, काजिम हुसैन मजहरी, कायम रजा, जीशान अस्करी,नूर मोहम्मद, सिब्ते हसन, नसीम शायर, डॉ वकार अली, मेंहदी हसन,सागर अब्बास, एवं भारी संख्या में लोगो ने एक दोसरे को हजरत अली के जन्म दिन की बधाई दी।

9 वर्ष से अधूरा पड़ा न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

बिल्थरारोड (बलिया)। तहसील क्षेत्र के खंदवा गांव में पिछले 9 वर्ष से अधूरा पड़ा न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जनप्रतिनिधियों की उदासीनता को बयां कर रहा है। 2007 में बसपा सरकार के समय स्वास्थ्य केंद्र की नींव पड़ी थी। लेकिन नींव पड़ने के 9 वर्ष बाद भी यह अधूरी ही है। अस्पताल के अब तक न बन पाने से जहां ग्रामीणों में आक्रोश है वहीं किराए के मकान में चल रहे सरकारी अस्पताल का भी नए बिल्डिंग में ट्रांसफर अधर में लटक गया है। अस्पताल के इस हालत से ग्रामीणों को आज भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए गांव से दूर जाकर अन्य अस्पतालों का सहारा लेने को मजबूर होना पड़ रहा है। इस मामले को लेकर कोई पहल नहीं होने से ग्रामीणों में स्वास्थ्य विभाग व जनप्रतिनिधियों के प्रति काफी आक्रोश है। बाद में अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू होने पर ग्रामीणों की खुशियों में और इजाफा हो गया। लेकिन 2012 में प्रदेश में सपा सरकार के गठन के बाद ही इसके निर्माण कार्य पर जो ब्रेक लगा वह 15 वर्ष बाद भी कायम है। अस्पताल का निर्माण अब तक पूरा ना होने से जहां ग्रामीणों में काफी निराशा की स्थिति है, वहीं खंदवा में किराए के मकान में चल रहे सरकारी अस्पताल का भी नए बिल्डिंग में ट्रांसफर अधर में लटक गया है। अस्पताल के इस हालत से ग्रामीणों को आज भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए गांव से दूर जाकर अन्य अस्पतालों का सहारा लेने को मजबूर होना पड़ रहा है। इस मामले को लेकर कोई पहल नहीं होने से ग्रामीणों में स्वास्थ्य विभाग व जनप्रतिनिधियों के प्रति काफी आक्रोश है।

भाजपा कार्यालय का हुआ उद्घाटन

मधुबन, मऊ। मधुबन विधानसभा 353 के भाजपा प्रत्याशी रामविलास चैहान ने सोमवार को मधुबन कस्बा के

वार्ड नं. 15 में भाजपा के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करने पहुंचे रामविलास चैहान का पार्टी कार्यकताओं ने फूल माला पहनाकर जोरदार तरीके से स्वागत किया। उद्घाटन के दौरान कार्यकताओं को सम्बोधित करते कहा की समूचे प्रदेश में भाजपा की लहर चल रही है। कार्यकताओं से चुनाव फतह करने के लिए मजबूती से जुट जाने की अपील किया। उद्घाटन कार्यक्रम में सैकड़ों पुरुष व महिलाएं उपस्थित रहे। इसके पूर्व श्री चैहान ने दुबारी स्थित धार्मिक स्थल ब्रह्मबीरा बाबा के स्थान पर मत्था टेका। कार्यक्रम को चुनाव प्रभारी नित्यानंद ने सम्बोधित करते कहा कि विकास के मुद्दे पर क्षेत्र की जनता सूबे में भाजपा की सरकार बनाने का पूरी तरह मन बना चुकी है। 7 मार्च को जनता मतदान के जरिए भाजपा प्रत्याशी के सिर ताज बांधेगी। उद्घाटन सम्पन्न होने के साथ ही प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ नामांकन करने के लिए जिला मुख्यालय रवाना हुए। इस अवसर पर मुख्य रूप से नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शंकर मद्धेशिया, सहजानंद राय, गिरीशचंद्र गुप्ता, शिवानंद मल्ल, अभिषेक सिंह, संतोष राय, अनिल मिश्रा, राहुल दीक्षित, कन्हैया मौर्य, धनंजय पांडेय, विकास मल्ल, महाप्रसाद गुप्ता, अशोक राजभर, नागेंद्र मद्धेशिया आदि उपस्थित रहे।

कोरोना महामारी के प्रोटोकाल का करें अनुपालन

बलिया। माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के दिशा निर्देश के अनुपालन में कोरोना महामारी के प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय सत्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया है कि न्यायालय प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय एवं न्यायालय अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय में नियत वादों की सुनवाई व संपूर्ण कार्यवाहिया नियमानुसार नियमित रूप से चलेगी। नियत वादों में पुकार पड़ने पर केवल संबंधित मुकदमे के पक्षकार व अधिवक्तागण ही न्यायालय कक्ष में प्रवेश कर सकेंगे। परिवार न्यायालय परिसर में उपस्थित समस्त कर्मचारीगण व वादकारियों व अधिवक्तागण व अन्य संबंधित व्यक्ति अपने चेहरे पर मास्क अवश्य रूप से लगाएंगे तथा कोरोना महामारी के प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए सामाजिक दूरी बनाए रखेंगे।

चुनाव में खलल डालने वाले 545 चिह्नित, लगा गुंडा एक्ट

आजमगढ़। विधानसभा चुनाव के चलते शरारती तत्वों और खलल डालने वालों पर पुलिस ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। शराब माफिया, चोर, लुटेरे, हथियार तस्कर व चुनाव में झगड़ा करने वालों के खिलाफ गुंडा एक्ट व जिला बदर की कार्रवाई की जा रही है। 30 सितंबर से अब तक पुलिस ने चुनाव में खलल डालने वाले 545 को चिह्नित कर गुंडा एक्ट में चालान किया है। वहीं पुलिस की रिपोर्ट पर जिलाधिकारी ने 96 को जिला बदर किया है। इन्हें छह माह तक जिले से बाहर रहने का निर्देश दिया गया है। उनकी निगरानी के लिए चौकीदार और बीट सिपाही को जिम्मेदारी दी गई है। जिले के 25 थानों में सबसे अधिक गुंडा एक्ट की कार्रवाई जहानागंज पुलिस ने की है। वहीं जिला बदर में सबसे आगे सरायमीर पुलिस है। इस थाना क्षेत्र से 11 को जिला बदर किया गया है। विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस-प्रशासन तैयारी में जुटा है। पुलिस की ओर से बवालियों को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है। पुराना रिकार्ड खंगालकर चुनाव में खलल डालने की आशंका के मद्देनजर अपराधियों पर शिकंजा कसा जा रहा है।

थानावार गुंडा एक्ट की कार्रवाई- कोतवाली 20, सिधारी 16, रानी की सराय 23, कंधरापुर सात, मुबारकपुर 33, जहानागंज 39, निजामाबाद 19, गंभीरपुर 38, देवगांव 35, बरहद 36, मेंहनगर 10, मेहनाजपुर नौ, तरवा 10, जीयनपुर 26, महराजगंज व बिलरियागंज 21-21, रौनापार 25, अतरौलिया 16, अहरौला 24, कप्तानगंज 28, तहबरपुर 10, फूलपुर 24, पवई व सरायमीर 19-19, दीदारगंज 15 के खिलाफ कार्रवाई की है।

थानों से जिला बदर- कोतवाली व सिधारी चार-चार, रानी की सराय दो, कंधरापुर सात, मुबारकपुर, जहानागंज, निजामाबाद, गंभीरपुर चार-चार, देवगांव एक, बरहद नौ, मेंहनगर दो, मेहनाजपुर चार, तरवा छह, जीयनपुर चार, महराजगंज पांच, बिलरियागंज तीन, रौनापार दो, अतरौलिया तीन, अहरौला, कप्तानगंज एक-एक, तहबरपुर शून्य, फूलपुर तीन, पवई चार, सरायमीर 11, दीदारगंज थाना क्षेत्र से चार लोगों को जिला बदर किया गया है।

स्कार्पियो ने बाइक में मारी टक्कर, बाइक सवार घायल

बिल्थरारोड (बलिया)। उभाँव थाना क्षेत्र के तहसील मुख्यालय के ठीक सामने इण्डियन पेट्रोल पंप पर रविवार कि देर शाम करीब 7 बजे अरविंद राजभर42वर्ष पुत्र चंदेलाल निवासी अवाया बाईक में पेट्रोल भरा कर पेट्रोल पंप के ही प्रांगण में बाइक पर बैठ कर मोबाइल से किसी से बात कर रहा था तभी एक स्कार्पियो सवार ने पीछे से आकर बाइक पर बैठ युवक के बाईक में जोरदार टक्कर मार दी जिसमें बाइक सवार बुरी तरह से जख्मी हो गया और बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई व पेट्रोल पंप का हवा उपकरण भी बुरी तरह से ध्वस्त हो गया स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में घायल को समुदाय स्वास्थ्य केंद्र सीयर पहुंचाएं जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉ लालचंद शर्मा ने घायल को बलिया सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया तो वही स्कॉर्पियो बिहार के किसी चिकित्सक की बताई जा रही थी।

मधुबन रेलवे ढाला से बस स्टॉप तक होगा पिचिंग कार्य

बिल्थरारोड (बलिया)। चौकिया मोड़ से ग्राम तेंदुआ तक सड़क लगभग 4 किलोमीटर सडक पूरी तरह गड्ढे में तब्दील हो चुकी थी जिसका निर्माण लगभग 1 वर्षों से कराया जा रहा था जो कि आज सोमवार के दोपहर से मधुबन रेलवे ढाला से बस स्टॉप तक प्रथम चरण में पिचिंग कार्य किया जाएगा यह पिचिंग निर्माण लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता महेश वर्मा व अवर अभियंता विजय प्रताप की देखरेख में किया

जा रहा है तो वहीं छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन की ओर से कंपनी जेई शक्ति सिंह अपने उपकरणों के साथ कर्मचारियों को लेकर निर्माण में दिशा निर्देश देते हुए दिखाई दिए इस मौके पर लोक निर्माण विभाग सहायक अभियंता महेश वर्मा ने पूजा पाठ किया व चढ़ावा चढ़ा के लोगों में प्रसाद वितरण किया गया उसके पश्चात यह सडक पिचिंग कार्य प्रारंभ किया गया सड़क निर्माण कार्य शुरू होते ही लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला यह सडक लगभग एक वर्ष से गड्ढे में तब्दील हो चुका था जिसके वजह है आय दिन दुर्घटना होता रहता था। अब सड़क के निर्माण से लोग में भारी प्रशंसा देखने को मिल रहा है।

विद्यावाचस्पति अरविद को सुखपुरा गौरव से किया सम्मानित

सुखपुरा (बलिया)। शहीद स्मारक परिसर सुखपुरा में इंटर कालेज सुखपुरा के 1993 बैच के हाई स्कूल के छात्रों ने अपने एक सहपाठी अरविद उपाध्याय को संगीत के क्षेत्र में जनपद का नाम रोशन करने व विक्रमशिला विश्वविद्यालय भागलपुर से विद्यावाचस्पति का सम्मान प्राप्त करने पर सुखपुरा गौरव से सम्मानित किया। सम्मान में उन्हें अंगवस्त्रम् व स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। इसके पूर्व एक गोष्ठी को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि कस्बा निवासी अरविद उपाध्याय युवाओं के प्रेरणा हैं। वक्ताओं ने कस्बा व विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट काम करने वालों को भी भविष्य में सम्मानित करने व उन्हें मंच प्रदान करने का आश्वासन दिया। कहा कि भोजपुरी के परंपरागत गीत विलुप्त होते जा रहे हैं और उसकी जगह पर अश्लील गीत परोसे जा रहे हैं। यह भोजपुरी समाज के लिए पीड़ादायक है। इसके विरुद्ध आंदोलन छेड़ने की जरूरत है।

05 किलो गांजा बरामद, दो अंतरजनपदीय गांजा तश्कर गिरफ्तार

मऊ। विधानसभा चुनाव-2022 के दृष्टिगत अपराध/अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना रामपुर पुलिस व स्वाट टीम को उस समय अहम सफलता हाथ लगी जब देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान फरही नाला के पास से एक चार पहिया वाहन इण्डिका कार से विश्वनाथ प्रताप उर्फ आशु पुत्र गोबिन्द प्रकाश सिंह निवासी मुन्डेरी थाना मानपुर जनपद सीतापुर तथा दिनेश यादव पुत्र शिवपूजन यादव निवासी पहाडीपुर थाना रामुपर जनपद मऊ के कब्जे से 05 किलो गांजा तथा गांजा बिक्री के 17 हजार रूपया बरामद कर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान उक्त गिरफ्तार अभियुक्तो द्वारा बताया गया कि हम लोग बलिया और आसपास के जनपदों में गांजा बेचते है तथा उक्त वाहन चोरी का है जिसे हम लोग पश्चिम बंगाल से खरीदे है तथा गांजा तश्करी में इसका उपयोग करते है एवं यह रुपए हम लोग गांजा की बिक्री से प्राप्त किये है। इस सम्बन्ध में उक्त अभियुक्तों के विरूद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 28/22 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट तथा मु0अ0सं0 29/22 धारा 411 भादवि0 का अभियोग पंजीकृत कर चालान न्यायालय किया गया।

दो नामजद सहित दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

घोसी, मऊ। घोसी कोतवाली क्षेत्र के केरमा महरूपुर गांव निवासी अशोक पुत्र रामकुंवर ने घोसी कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि मेरी ट्रक को खरीदने हेतु कोतवाली क्षेत्र के बनियापार निवासी सुधाकर यादव व बलिया जनपद के भीमपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जजौली निवासी रमेश कुमार पुत्र किशुन देव व दो अज्ञात लोगों के साथ साढे बारह लाख रुपये में ट्रक का सौदा किया। केवल पचास हजार रुपए देकर और बारह लाख रुपए दो दिन के अंदर देने का वादा करके ट्रक ले गए। दो दिन बाद जब ट्रक मेरे द्वारा बकाया रुपया मांगने लगा तो उधार लगाने वालों ने देने से इन्कार कर दिया और धमकी दिया। पुलिस ने ट्रक मालिक अशोक की तहरीर पर सुधाकर यादव, रमेश कुमार के साथ दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विद्यालय खुलने से बच्चे खुश, हर जगह दिखा उत्साह

बलिया। कोरोना संक्रमण कम होने के बाद सोमवार से सभी स्कूल खुल गए। पहले दिन विद्यालय जाते बच्चे काफी उत्साहित थे। बच्चों के विद्यालय पहुंचने पर शिक्षकों ने पहले उनके हाथ धुलवाए। जिन बच्चों के पास मास्क नहीं था, उन्हें स्कूल की ओर से मास्क दिया। पढ़ाई से पहले कोरोना से बचाव के तरीके बताए। प्राथमिक विद्यालय बघेजी की शिक्षका अनू सिंह ने बताया कि स्कूल खुलने से सभी बच्चे खुश हैं। इनकी पढ़ाई मोहल्ला पाठशाला के माध्यम से भी हो रही थी। प्रेरणा साथी और शिक्षक अलग-अलग मोहल्लों में जाकर बच्चों को पढ़ा रहे थे। इससे उनके पाठयक्रम की पढ़ाई होती रही है। स्कूल जाते कक्षा चार के विद्यार्थी दीपक कुमार ने बताया कि स्कूल बंद होने से पढ़ाई नहीं हो पा रही थी। घर पर रहते-रहते मन उब गया था। छात्रा रोशनी ने बताया कि कोरोना को लेकर विद्यालयों को भले ही बंद किया जा रहा हैं, लेकिन घर पर पढ़ाई नहीं हो पा रही है। घर पर संसाधन के अभाव में आनलाइन पढ़ाई का लाभ नहीं मिल पा रहा था। छात्रा सोनी ने बताया कि स्कूल की पढ़ाई समझ में आती है। घर पर आनलाइन पढ़ाई समझ में नहीं आती है। इस तरह लगभग बच्चे विद्यालय खुलने से खुश दिखे। कई अभिभावकों ने भी सरकार के इस निर्णय की सराहना

की। अभिभावक सुभाष सिंह ने कहा कि कोरोना के चलते दो साल से बच्चों की पढ़ाई में व्यवधान पड़ रहा है। स्कूल खोलने का निर्णय सही है। इससे सभी विद्यार्थी पढ़ाई में प्रगति करेंगे।

50 फीसद बच्चों को बुलाया गया- जिले में 2250 परिषदीय विद्यालय हैं। इसमें पढ़ने वाले बच्चों की संख्या लगभग 3.13 लाख है। सभी स्कूलों में 50 फीसद की संख्या में ही बच्चों को बुलाया गया था। बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवनारायण सिंह ने बताया कि कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए ही विद्यालय संचालित होंगे। कोरोनारोधी वैक्सीन के चलते कोरोना का खतरा कम हुआ है। इसके बावजूद सभी शिक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे विद्यालय परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देंगे।

बच्चों की मानसिक स्थिति को परखा- चिलकहर (बलिया)। स्थानीय ब्लाक में सोमवार से विद्यालय खुलने पर बच्चे उत्साहपूर्वक विद्यालय पहुंचे। इस दिन पूर्व में पढ़ाए गए पाठयक्रमों से पूछताछ कर शिक्षकों ने बच्चों की मानसिक स्थिति को परखा। इसमें अधिकांश बच्चे घर पर भी अच्छी तैयारी किए थे। वह शिक्षकों के सवालों का सही जवाब दे रहे थे। खंड शिक्षा अधिकारी बंशीधर श्रीवास्तव ने बताया कि सभी शिक्षक समय से उपस्थित होकर पठन-पाठन का कार्य करेंगे। इसमें किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी।

आरपीएस इंटर कॉलेज ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

अतरौलिया। आजमगढ़ जनपद के अतरौलिया क्षेत्र के आर पी एस इंटर कॉलेज नाऊपुर भेदौरा आजमगढ़ द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। यह मतदाता जागरूकता रैली स्कूल प्रांगण से निकल कर के नाऊपुर, पूरवा, गजेंधर पट्टी भेदौरा, भैरोपुर दरगाह, बिहरा बुर्जुर्ग होते हुए पुनः स्कूल प्रांगण में आकर के समाप्त हुई। स्कूल के प्रबंधक कैलाश नाथ यादव ने बताया कि क्षेत्र के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए हमारे विद्यालय के बच्चों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली के माध्यम से हम लोगों ने क्षेत्र के लोगों से अपील किया कि सभी लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करें और एक मजबूत सरकार बनाने में अपना सहयोग दें। स्कूल के प्रधानाचार्य वंश बहादुर सिंह ने बताया कि बच्चों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकालकर के क्षेत्र के लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने का काम किया गया। उन्होंने बताया कि मतदाता जागरूकता रैली के माध्यम से हम लोग क्षेत्र की जनता से अपील किये है कि मतदान के दिन अधिक से अधिक लोग पहुंच करके अपने मताधिकार का प्रयोग करें और एक मजबूत सरकार के गठन में अपनी अहम भूमिका निभाये। उन्होंने बताया कि कुछ लोग मानते हैं कि वोट डालना सिर्फ खानापूर्ति मात्र है लेकिन ऐसा नहीं है, वोट डालना हमारा लोकतांत्रिक अधिकार है और हम लोगो के ही एक-एक वोट से सरकारें बनती है। स्कूल के ही विद्यार्थी तान्या सिंह ने बताया कि हम लोगों ने क्षेत्र के लोगों से अपील किया कि अधिक से अधिक मात्रा में आप लोग मतदान करें जिससे सही प्रत्याशी विधानसभा में पहुंचकर जनता की आवाज उठा सके। स्कूल के ही एक विद्यार्थी विकास यादव ने बताया कि हमारे प्रयास का असर क्षेत्र में जरूर देखने को मिलेगा और मतदान प्रतिशत में भी इस बार वृद्धि देखने को मिलेगी।

विवादों से गहरा नाता रहा सपा प्रत्याशी का

ब्लॉक मुख्यालय सोंधी में बीतता था अधिकांश समय

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी जौनपुर सदर सीट से घोषित उम्मीदवार मोहम्मद अरशद खान शाहगंज विधानसभा क्षेत्र के मूल निवासी हैं। जौनपुर में उनका स्थाई ठिकाना नहीं है। नेशनल लोकतांत्रिक पार्टी के बैनर तले पूर्व शिक्षा मंत्री मसूद खान के साथ लम्बा राजनैतिक संघर्ष करने वाले मोहम्मद अरशद खान का अधिकांश समय राजनीति की शुरूआती दौर में सोंधी शाहगंज ब्लाक मुख्यालय और खेतासराय कस्बे में ही बीतता था। पुराने जानकार बताते हैं कि मोहम्मद अरशद खान ब्लॉक मुख्यालय पर किसानों को डीजल इंजन बोरिंग और जिला सहकारी बैंक शाखा खेतासराय से जारी होने वाले ऋण को दिलाने में हमेशा सक्रिय रहते थे। सपा बसपा गठबंधन के दौरान जौनपुर सदर सीट से मोहम्मद अरशद खान ने जब जीत हासिल किया था उस दौरान निकाले गए विजय जुलूस में मोहम्मद अरशद खान के समर्थकों ने एक धर्म विशेष के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए अपमानजनक टिप्पणी की थी। जिसकी चर्चा आज भी खेतासराय शाहगंज और जौनपुर शहर के लोग की जुबान पर है।

विकलांग,बीमार एवं गर्भवती महिला शिक्षकों को ड्यूटी से मुक्त कर सभी कार्मिकों को पोस्टल बैलट से मतदान करने की सुविधा प्रदान की जाए : सनत कुमार सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में भारी संख्या में शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है उक्त संबंध में सनत कुमार सिंह जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कैलाशनाथ यादव जिला मंत्री उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ वाराणसी द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन प्रस्तुत कर मांग किया गया कि ऐसे शिक्षक जो मार्च 2022 में सेवानिवृत्त हो रहे हैं या विकलांग है या गंभीर बीमारी से पीड़ित या विधूर होने से जिन्हें छोटे बच्चों का देखभाल भी करना है एवं ऐसे महिला शिक्षक जो गर्भवती है या पांच वर्ष से कम उम्र के छोटे बच्चे हैं या किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित है या अविवाहित है या विधवा है और उनकी ड्यूटी मतदान कार्मिक के रूप में लगाई गई है उन्हें निर्वाचन ड्यूटी से मुक्त किया जाना आवश्यक है साथ ही यह भी मांग रखा है कि सभी शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मियों को अंतिम प्रशिक्षण की तिथि को ही पोस्टल बैलेट के जरिए उन्हें मतदान करने की समुचित व्यवस्था प्रदान कराई जाए जिससे शत-प्रतिशत मतदान में शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मियों की सहभागिता हो सके। संगठन के प्रतिनिधि मंडल में सनत कुमार सिंह व कैलाश नाथ यादव सहित कौशल सिंह, ज्योतिभूषण त्रिपाठी, दुर्गा सिंह,अनूप सिंह, संजय सिंह, श्यामनारायण सिंह,संजीव राय, अशोक सिंह,अजय तिवारी,सान्तेश्वर मिश्र,वेद प्रकाश, राजेश,मनोज कुमार, राकेश पाण्डेय, नीरज आदि शामिल रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का दूसरा दिन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

प्रखर कछवां रोड वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के संबंधित कॉलेज जगत पुर पीजी कॉलेज वाराणसी के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का दूसरे दिवस का कार्यक्रम डॉक्टर चंद्रमणि पीयूष श्रीवास्तव और डॉक्टर स्वर्णिम घोष की उपस्थिति में संपन्न हुआ इस उपलक्ष पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के दुसरे दिन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ योग एवं नेचुरल थेरेपी शिक्षा केंद्र विभाग के डॉ. चंद्रमणि जी योग के महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए इम्यूनिटी के स्ट्रांग होने की बात कही साथ ही कोविड से बचने के उपाय को बताया` आहार भी इम्यूनिटी का माध्यम है और साथ में स्वास्थ के लिए प्राणायाम पर भी विशेष प्रकाश डाला। दूसरी प्रवक्ता राजकीय पीजी कॉलेज जक्खिनी के अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ स्वर्णिम घोष ने महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला` उन्होंने महिला के वित्तीय प्रबंध पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं चीनी और चावल के डब्बे मैं पैसा न रखकर बैंक में जमा करें इस विषय पर विस्तार से ज्ञान वर्धन किया` इससे महिलाएं स्वावलंबी बनेंगी। तीसरे वक्ता के रुप में पीयूष श्रीवास्तव जी ने कंप्यूटर के महत्त्व के विषय में विचार व्यक्त किया और गूगल के विषय में भी चर्चा करते हुए उनका उस्ताह वर्धन किया। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रमोद कुमार श्रीवास्तव व कार्यक्रम अधिकारी शंकर सिंह उपस्थित थे। नीलेश त्रिपाठी, आशीष जायसवाल, शान्ति शर्मा, निधि जायसवाल, आस्था गोस्वामी, आशुतोष गिरी, अंजनी कुमार त्रिपाठी, आदि उपस्थित रहे।

पत्रकार के सूझ-बूझ ने बचाई युवक की जान

प्रखर संतकबीरनगर। थाना बखिरा अंतर्गत ग्राम पंचायत बरडांड़ में बिजली के टावर पर चढ़कर एक युवक आत्महत्या करने जा रहा था । गांव वालों ने जब उस युवक को टावर के ऊपर देखा तो काफी शोर-शराबा हुआ उसके बाद गांव वालों ने उस युवक को काफी समझाने-बुझाने की कोशिश की लेकिन उस युवक ने किसी की नहीं सुना । इसकी सूचना जब पत्रकार राजकपू गौतम को हुई तो तत्काल बखिरा पुलिस को सूचना देकर घटनास्थल पर स्वयं पहुंच गए। और युवक को समझाएं-बुझाए तथा उसे आश्वासन दिए कि जो कुछ भी तुम्हारी परेशानी है उसे दूर किया जाएगा तुम नीचे आओ हम तुम्हारी समस्या का समाधान करवाएंगे। पत्रकार राजकपूर गौतम की सूझ-बूझ तथा समझाने से युवक टावर से नीचे उतरा। तब तक बखिरा पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गयी । बखिरा पुलिस ने युवक को अपने साथ दुर्गजोत चौकी ले गई जहां पर उसे समझा-बुझाकर उसके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। इस संबंध में जब पत्रकार राजकपूर गौतम से बातचीत हुई तो उन्होंने बताया कि युवक मनोज कुमार प्रजापति मुंबई से घर आ रहा था रास्ते में ही उसका सामान और बैग चोरी हो गया । और उसके घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है जिससे आहत होकर मनोज कुमार प्रजापति बिजली के टावर पर चढ़ गया था जिसे समझा-बुझाकर टावर से नीचे उतार लिया गया है अब किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है।

अनिल त्रिपाठी के समर्थन में निकले मोतीलाल जयसवाल की सेना, दर्जनों गांव में पहुंचकर किया जनसंपर्क

प्रखर संतकबीरनगर। मेहदावल के भाजपा को निषाद पार्टी के उम्मीदवार अनिल त्रिपाठी के पक्ष में जन समर्थन को लेकर चेयरमैन प्रतिनिधि मोतीलाल जयसवाल की सेना निकल चुकी है। आज अनिल त्रिपाठी के समर्थन में दर्जनों गांवों का दौरा करते हुए लोगों से भारतीय जनता पार्टीवह निषाद पार्टी के पक्ष में वोट करने की अपील की मोतीलाल जायसवाल के साथ लोगों का करवा जुटता रहा और जनता का अपार जनसमर्थन देखने को मिला। पूर्व चेयरमैन वर्तमान चेयरमैन प्रतिनिधि मोतीलाल जायसवाल मेहदावल विधानसभा के दर्जनों गांव का किया दौरा । इस दौरान मोतीलाल जायसवाल नेअनिल त्रिपाठी के पक्ष में सभी से भोजन भरी थाली पर वोट करने की अपील की।

गरीब, शोषित-वंचितों के नायक डॉ. आरएस पटेल ने किया नामांकन

प्रखर पूर्वान्चल मिजार्पुर। गरीब, शोषित, वंचितों के हक आवाज उठाने वाले और उनके दुख सुख में बराबर की भागीदारी निभाने वाले, जनप्रिय सरदार सेना के राष्ट्रीयय अध्यक्ष डॉ. आरएस पटेल (रमाशंकर सिंह पटेल) ने बुधवार को विशाल जनसमूह के बीच मिजार्पुर के चुनार विधानसभा से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया इस दौरान हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ी रही। वहीं, आरएस पटेल ने अपार जनसमर्थन का हृदय की गहराईयों से आभार व्यक्त किया और एक बार फिर चुनार की जनता सहित हर शोषित, वंचित और गरीब की आवाज बनने के अपने जनसंकल्प को दोहराया। बता दें कि चुनार विधानसभा की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बनाने वाले जननायक यशःकाई पूर्व विधायक यदुनाथ सिंह की कर्मभूमि 398 विधानसभा चुनार से डॉ. आरएस पटेल समाजवादी पार्टी, अपना दल (कमेरावादी) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के संयुक्त प्रत्याशी है। नामांकन से पहले बुधवार की सुबह 9 बजे नारायनपुर स्थित राष्ट्र निमार्ता लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। सरदार पटेल प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद काफिला नारायणपुर से कैलहट चुनार होते हुए सुबह 10 बजे तक मिजार्पुर मुख्यालय पर स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पहुंचा जहां, पहले से मौजूद हजारों लोगों ने डॉ. पटेल का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान लोगों ने अपने मनप्रिय प्रत्याशी डॉ. आरएस पटेल को जीत का सेहरा बांधने के हर संभव कोशिश की कटिबद्धता जताई। यहां से अपार जनसमूह जिला मुख्यालय पहुंचकर डॉ. पटेल ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के देवी प्रसाद चौधरी जिलाध्यक्ष मिजार्पुर, श्याम बहादुर सिंह जिलाध्यक्ष अपना दल कमेरावादी व जिलाध्यक्ष सुहेलदेव समाज पार्टी सहित छोटेलाल मौर्य, सत्येन्द्र पटेल प्रखर, अभिषेक पटेल सहित सैकड़ों संयुक्त गठबंधन दलों के सदस्य उपस्थित रहे।

पहले मतदान फिर खेत-खलिहान व जलपान

खेत खलिहान तक पहुंचा मतदाता जागरूकता अभियान

प्रखर जौनपुर । जैसे जैसे चुनाव नजदीक आता जा रहा है, स्वीप कार्यक्रम की गतिविधियों भी बहुत तेज होती जा रही है। शहर, गांव-गली के बाद अब पकडंडियो, खेतों खलिहानों में भी दस्तक देते हुए मतदाताओं को 7 मार्च को मतदान करने हेतु जागरूक किया जा रहा है। स्वीप टीम के अन्तर्गत आज चुनावी पाठशाला के माध्यम से सरायख्वाजा, राजेपुर आदि क्षेत्र में मतदाता जागरूकता रैली निकालकर मतदाताओं को मतदान करने हेतु जागरूक किया गया। इस अवसर पर स्वीप टीम गांव में खेतों में कार्य कर रहे महिला पुरुष लोगों को भी 7 मार्च को मतदान करने हेतु प्रेरित किया। लोग महिला पुरुष हो या दिव्यांग शत प्रतिशत करें मतदान। वोट करेगा जौनपुर भाई वोट करेगा जौनपुर। युवा हो तुम देश की शान जागो उठो करो मतदान। आदि नारे लगाते चल रहे थे। तथा रास्ते में मिलने वाले लोगों को 7 मार्च को वोट करने हेतु ईवीएम का बटन दबाने हेतु प्रेरित कर रहे थे। इस अवसर पर जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने कहा कि 7 मार्च को पहले मतदान फिर खेत खलिहान व जलपान। उन्होंने सभी से अपील किया कि जिनके परिवार के लोग रोजी-रोटी के लिए कमाने बाहर गए हैं उन्हें 7 मार्च तक बुलाले, जिससे वे भी अपना फर्ज. निभाते हुए मतदान कर सकें, और होली का त्योहार भी अपने परिवार के साथ मनाये। आगे उन्होंने सभी निर्वाचन साक्षरता क्लब के व चुनाव पाठशाला के सदस्यों से अपील किया कि अब निरन्तर मतदान केन्द्रों स्कूल कालेजों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम करें तथा गांव में जाकर लोगों से सम्पर्क कर 7 मार्च को मतदान करने के लिए प्रेरित करते रहे, जिससे जनपद का मतदान प्रतिशत बढ़े और मजबूत लोकतंत्र का गठन हो। इस अवसर पर संकुल नोडल कुहिया राजीव मयंक, सहायक संकुल नोडल मेहरावां रुपेश सिंह, अतुल यादव, रजनीश सिंह, इन्द्र प्रताप यादव, देवेन्द्र कुमार, पंकज पटेल, श्रीकांत, इन्द्र प्रताप यादव, शानू यादव, रोहन यादव, बृजेश कुमार यादव, नीरज कुमार दिवाकर आदि उपस्थित रहे।

आजमगढ़ सेवा समिति द्वारा धूमधाम से मनाई गई संत शिरोमणि रविदास जयंती

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। आर्यमगढ़ सेवा समिति के सचिव अरुणाकर सिंह हैप्पी के नेतृत्व में 350 दीदारगंज विधानसभा के पारा, सैयद मुइया,लुसा, चकडेडवानी, गंगापुर, जगजीवनपुर, रक्षपालपुर, सिसवारा समेत अनेक गावों में जाकर ग्रामवासियों के साथ संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जिसमें ग्रामवासियों को अरुण आकर सिंह हैप्पी द्वारा डायरी का भी वितरण किया गया। संत शिरोमणि रविदास जी के बारे में बताएं अरुणाकर सिंह हैप्पी ने प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु रविदास जी 15 वीं-16 वीं शताब्दी में एक महान संत, दार्शनिक, कवी, समाज सुधारक और भारत में भगवान के अनुयायी हुआ करते थे. निर्गुण सम्प्रदाय के ये बहुत प्रसिद्ध संत थे, जिन्होंने उत्तरी भारत में भक्ति आन्दोलन का नेतृत्व किया था. रविदास जी बहुत अच्छे कवितज्ञ थे, इन्होने अपनी रचनाओं के माध्यम से, अपने अनुयायीयों, समाज एवं देश के कई लोगों को धार्मिक एवं सामाजिक सन्देश दिया. रविदास जी की रचनाओं में, उनके अंदर भगवान के प्रति प्रेम की झलक साफ दिखाई देती थी, वे अपनी रचनाओं के द्वारा दूसरों को भी परमेश्वर से प्रेम के बारे में बताते थे, और उनसे जुड़ने के लिए कहते थे. आम लोग उन्हें मसीहा मानते थे, क्यूंकि उन्होंने सामाजिक और आध्यात्मिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बड़े बड़े कार्य किये थे. कई लोग इन्हें भगवान की तरह पूजते थे, और आज भी पूजते है।

संक्षिप्त खबरें

मीरापुर बसही व्यापार मण्डल अध्यक्ष मृत्युंजय सोनकर की बाइक पापुलर हास्पिटल के बाहर हुई चोरी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मीरापुर बसही व्यापार मण्डल अध्यक्ष व कन्फेडरेशन आफ बनारस व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष मृत्युंजय सोनकर पुत्र गुलाब दास सरसौली निवासी ने बताया की वह मंगलवार को बीएलडब्लू स्थित पापुलर हास्पिटल में अपने रिश्तेदार को देखने आये थे हम अपनी हीरो हांडा स्पलेंडर प्लस यूपी 65 AP 3083 जो की हास्पिटल के बाहर खड़ा करके अंदर गये थे कुछ ही समय बाद जब बाहर आये तो देखा की मेरी बाइक नहीं थी जिसके बाद गार्ड से बाइक ना होने के बारे में जानकारी दिया तो बताया गया की हमलोग इसकी जिम्मेदारी नहीं लेते है आप अपनी बाइक गुम होने की शिकायत पुलिस को कीजिए हमसे कोई मतलब नहीं। लाचार होकर स्थानीय महमूरगंज चौकी पर बाइक गुम होने की सूचना दिये जिसके बाद तत्काल चौकी प्रभारी सन्तोष यादव ने अपनी डियूटी के प्रति कर्तव्यता दिखाये और पापुलर हास्पिटल जाकर सीसीटीवी फुटेज की जांच में जुट गये काफी खोजबीन करने के बाद सीसीटीवी में एक व्यक्ति बाइक को ले जाते हुए देखा गया जो उसी पापुलर हास्पिटल के अन्दर से आते हुए देखा गया चौकी प्रभारी संतोष यादव उस अज्ञात व्यक्ति की खोजबीन में अपनी टीम के साथ जुट गये है उन्होंने बताया है की जल्द ही चोर को पकड़ लिया जाएगा।

मोटरसाईकिल के धक्के से वृद्ध घायल

प्रखर जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के कमला प्रसाद दिक्षित उम्र 72 वर्ष निवासी पूरनपुर खटहरा जो अपनी साइकिल से सोमवार के दिन गांव में ही पूजा करवाने जा रहे थे कि नहर की पुलिया पूरनपुर पर एक तेज गति से जा रही मोटरसाईकिल ने उन्हें टक्कर मार दिया जिससे वह अचेत होकर गिर गये स्थानीय लोगो ने उनके परिवार वालो को सूचना दिया जिसके बाद उन्हें वाराणसी के निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहाँ उनकी हालत अभी भी नाजुक बतायी जा रही है वही परिवार वालो ने मोटरसाइकिल से धक्का लगने की सूचना स्थानीय पुलिस को दे दिया है ।

पतरही मौधा मार्ग पर बड़ी पुलिया के पास अनियंत्रित कार सड़क से उतरी बाल बाल बचे लोग

प्रखर पतरही जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम पंचायत पतरही में पतरही से मौधा मार्ग पर बड़ी पुलिया के पास मोड़ पर पतरही की तरफ से मौधा की तरफ जा रही कार अनियंत्रित होकर रोड से नीचे उतर गई ड्राइवर की सूझबूझ से बाल बाल बचे लोग।बता दें कि देखते ही देखते रोड पर आने जाने वाले लोगों की भीड़ जमा हो गयी गौरतलब हो कि लोगों की मदद से पीकअप के द्वारा कार को बाहर निकाला गया।गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नही हुआ।

उचहुवां बाजार से बेसन लाने गया विरनैया का "साहुल" गायब

प्रखर तरवां आजमगढ़। बताते चलें कि आजकल आए दिन लोगों के गायब होने की सूचना आ रही है।और ऐसे में ही एक पिता से उसका पुत्र बिछड़ जाए तो उसे कितनी ग्लानि होगी शायद वही जान सकता है।कुछ ऐसा ही हुआ आजमगढ़ जिले के तरवां थाना अंतर्गत ग्राम बिरनैया में।जी हां बिरनईया गांव निवासी पुरन चौहान (साहुल) पुत्र विजयलाल चौहान अपने घर से ग्लैमर दो पहिया वाहन से जिसका नंबर UP50 AU 5744 है, उसी से वह बेसन लेने के लिए उचहुवां बाजार गया था। लोगों की मानें तो वह बाजार से ही गायब हो गया है और गाड़ी भी लापता है।जिस किसी भी सज्जन को साहुल या फिर उसकी दो पहिया वाहन दिखाई दे तो कृपया इस नंबर पर 9454402927 थानाध्यक्ष तरवां से संपर्क करें।उनके घर का नंबर 7428546990 है।परिवार वालों का रो रो कर बुरा हाल है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं